दैनिक सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 234/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, सोमवार 10 अप्रैल 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

केंद्रीय मंत्री नरेंद्र तोमर बोले, जो कांग्रेस से बीजेपी में आए हैं वह मेहमान ही रहेंगे

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर में एक दिन पहले हुई संघ की हाई पावर मीटिंग के बाद केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर पहुंचे। जहां उन्होंने जिला और नगर के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इस बैठक में कार्यकर्ताओं की नाराजगी को दूर करने के लिए चर्चा की गई। मीडिया से बात करते हुए नरेंद्र सिंह ने कहा कि जो लोग कांग्रेस से बीजेपी में आए हैं वह मेहमान ही बनकर कर रहेंगे। जो मेहमान कांग्रेस से बीजेपी में आए हैं, मेहमान तो मेहमान रहेंगे। मेहमानों को मेहमानों की तरह रखा जाएगा।

श्री तोमर ने कहा- भारतीय जनता पार्टी चुनाव की दृष्टि से पूरी तरह तैयार है। बूथ से लेकर राज्य इकाई तक सभी लोग सक्रियता से अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। इसी दौरान यह भी उचित समझा गया है कि बहुत सारे लोग मेरे जैसे कार्यकर्ताओं के साथ विभिन्न भूमिकाओं में है, सालों साल तक काम करते रहे

हैं, वह सब लोग भी काम में लगे और पार्टी को जिताने की तरफ आगे बढ़े। इस दृष्टि से यह योजना बनी है मुझे भी कुछ जिलों में जाना है बाकी और सीनियर लोग हैं जो अनेक जिलों में जा रहे हैं और इसके पीछे यही कोशिश है कि संभाग और समन्वय के माध्यम से विजय की यात्रा सफल हो। सब इस बात पर एकमत हैं विचार के लिए, दल के लिए और दल की सरकार बनाने के लिए हम सब एकजुट हैं और पूरी ताकत के साथ लड़ेंगे। कांग्रेस को परास्त कर मध्यप्रदेश में फिर से सरकार बनाने की दिशा में अपना योगदान देंगे।

पीएम मोदी वैश्विक नेता- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वैश्विक नेता है और देश में उनकी तुलना किसी से होती नहीं है। पीएम मोदी अतुलनीय व्यक्तित्व के धनी है। जहां एक ओर गांव गरीब किसान के जीवन स्तर में बदलाव लाने के लिए काम कर रहे हैं। वहीं भारत को और भारत की साख को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं। लोकतंत्र है तो चुनाव हैं और चुनाव है तो चुनाव लड़ेंगे और चुनाव को नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में दक्षिण में भी जीतेंगे, उत्तर में भी जीतेंगे और जहां चुनाव होगा वहां भारतीय जनता पार्टी विजय होगी।

मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों पर कही ये बात- भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित पार्टी विचार आधारित पार्टी है। विचार हमारे लिए सर्वोपरि है, बीजेपी का विचार और कमल का निशान यही हमारे लिए सब कुछ है सब इसीलिए काम कर रहे हैं।

मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर पलटवार- मल्लिकार्जुन खड़गे को अपनी जानकारी दुरुस्त करना चाहिए। भारत देश का सबसे बड़ा दूध उत्पादक केंद्र है। नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में किसान समृद्ध बने पशु पालन समृद्ध बने और कृषि उत्पादों की दृष्टि से भारत अग्रणी के देश बने इस बात के लिए सरकार बहुत तीव्र गति से काम कर रही है और आप सब ने ध्यान दिया होगा। पिछले दिनों 4 हज़ार करोड रुपये का कृषि उत्पादों का निर्यात हुआ है, जो अब तक की सबसे अधिक वृद्धि है। 2023 ब्लड सिएट के रूप में मनाया जा रहा है पीएम मोदी की पहल का परिणाम है, मिलेट्स का उत्पादन, उसकी मांग और खपत बढे। इससे निश्चित रूप से छोटे किसान की ताकत बढ़ेगी और इस दृष्टि से भारत सरकार पूरी शिद्दत के साथ मोदी जी के नेतृत्व में काम कर रही है पिछले 8 वर्षों में कृषि के क्षेत्रों में और पशुपालन के क्षेत्रों में जो काम हुआ है उसके परिणाम आज परिलक्षित हो रहे हैं। स्वाभाविक रूप से समझता हूं जब हमारे उत्पाद निर्यात हो रहे हैं तो दूसरे लोग कुछ ना कुछ भेज ही रहे होंगे, इससे यह अंदाज नहीं लगाना चाहिए कि कोई दूध में कमी हो रही है। भारत दूध का सबसे बड़ा उत्पादक है और इस उत्पादन को और बढ़ाने के लिए भारत सरकार प्रयत्नशील है।

गुलाम नबी आजाद बड़े साजिदा व्यक्ति- यह कांग्रेस का आंतरिक मामला है, लेकिन मैंने जितना गुलाम नबी आजाद को राज्यसभा में नेता के रूप में देखा है। स्वाभाविक रूप से बड़े साजिदा व्यक्ति हैं। उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी है जब वह कांग्रेस में थे तो कांग्रेस ने उनको हाशिए पर रखा था और वह कांग्रेस में नहीं है तो अलग बातें की जा रही हैं।

कमलनाथ को मुंगेलीराल के हसीन सपने देखने का हक- पीसीसी चीफ कमलनाथ के बीजेपी के विधायक संपर्क में है, वाले बयान पर कहा कि वे जब तक चुनाव नहीं होता है, तब तक कमलनाथ को मुंगेलीराल के सपने देखने का हक है, वह देख सकते हैं।

राहुल गांधी को आत्मलोकन करना चाहिए- कांग्रेस या कांग्रेस के साथ कुछ दल उनका लोकतंत्र में कोई भरोसा बचा नहीं है। राहुल गांधी जी की उम्र बढ़ रही है लेकिन दुर्भाग्य से उनकी समझ नहीं बढ़ पा रही है। आज अगर राहुल गांधी को सजा हुई है तो इसके लिए उनको आत्म लोकन करना चाहिए, सजा उनको उनके कृत्य के कारण हुई है। इस पर बीजेपी कहां आती है उन्होंने गलत बोला किसी व्यक्ति को तकलीफ हुई उसने कोर्ट में पिटीशन किया कोर्ट में उनको अपना पक्ष रखना चाहिए था, अपनी दलीलें रखना चाहिए थी।

भारत विकसित देश के रूप में हो रहा तब्दील- भारत सशक्त राष्ट्र है और भारत दुनिया में आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। जब आजादी 100 वर्ष की होगी, तब भारत विकसित देश के रूप में तब्दील हो, यह यात्रा नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरी होंगी।

बीजेपी नेता कैलाश विजयवर्गीय को तीन पेज का मानहानि का नोटिस, युवतियों की ड्रेस पर दिया था बयान

इंदौर। लड़कियों के पहनावे पर दिए बयान को लेकर बीजेपी महासचिव कैलाश विजयवर्गीय को मानहानि का नोटिस जारी किया गया है। तीन पेज का ये नोटिस शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष साक्षी शुक्ला डागा ने एडवोकेट सौरभ मिश्रा के माध्यम से दिया है।

दरअसल, बुधवार को एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विजयवर्गीय ने लड़कियों के भद्दे पहनावे और नशा करने पर उन्हें शूर्पनखा जैसा बताया था। शुक्रवार को उनका ये वीडियो सामने आया था। जिसके बाद महिला कांग्रेस ने इंदौर से भोपाल तक उनके खिलाफ प्रदर्शन किया था। 8 अप्रैल शनिवार को जारी तीन पेज के इस नोटिस में शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा है कि लगातार नशे का कारोबार राजनीतिक संरक्षण में फल फूल रहा है। वैध-अवैध पब नियम-कायदे और कानून को ताक पर रखकर चल रहे हैं। इन्हें कोई रोकने वाला नहीं है। पुलिस प्रशासन नतमस्तक हैं और वे महिलाओं पर आरोप लगा रहे हैं। नोटिस में तीन दिन में इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक रूप से माफी मांगकर खेद व्यक्त करने को कहा गया है। अन्यथा अभियोजन की कार्यवाही की जाएगी।

कैलाश विजयवर्गीय बुधवार को इंदौर के महावीर बाग में एक कार्यक्रम में गए थे। यहां उन्होंने कहा था कि मैं आज भी जब निकलता हूं, पढ़े-लिखे नौजवानों, बच्चों को झूमते हुए देखता हूं तो सच में ऐसी इच्छा होती है कि पांच-सात ऐसी दूं कि उनका नशा उतर जाए। सच कह रहा हूं, भगवान की कसम। हनुमान जयंती पर झूठ नहीं बोलूंगा। लड़कियां भी इतने गंदे कपड़े पहनकर निकलती हैं कि... अपन महिलाओं को देवी बोलते हैं। उनमें देवी का स्वरूप ही नहीं दिखता। बिल्कुल शूर्पणखा लगती हैं। सच में अच्छा सुंदर भगवान ने शरीर दिया है। जरा अच्छा कपड़ा पहनो यार। बच्चों में आप संस्कार डालिए। मैं बहुत चिंतित हूं।

चिट्ठी में राज्यपाल का नाम क्यों?

ट्रांसपोर्ट कमिश्नर संजय झा ने अनुसूचित जाति विभाग के प्रमुख सचिव को एक पत्र क्या लिख दिया, उस पर हंगामा हो गया। यह पत्र था ग्वालियर में 16 अप्रैल को होने वाले 'अंबेडकर कुंभ' के बारे में! इस पत्र में उन्होंने प्रमुख सचिव से इस आयोजन में आने वाले एक लाख लोगों को ग्वालियर तक लाने के लिए हायर की जाने वाली 2500 बसों का किराया एडवांस में मांग लिया। बता दे कि इस पत्र के साथ सबसे पहले 'मीडियावाला' ने ही इस खबर को ब्रेक किया था।

शासकीय सेवाओं में कार्य करने वाले कई वरिष्ठ अधिकारियों का मानना है कि इस पत्र की सबसे ज्यादा आपत्तिजनक बात ये थी कि इस पत्र में उन्होंने महामहिम राज्यपाल के नाम का भी उल्लेख किया। इससे यह स्पष्ट हो गया कि राज्यपाल के मुख्य आतिथ्य में होने वाले इस कार्यक्रम में एक लाख लोगों को 8 जिलों से इकट्ठा करके लाना है। इन्हें लाने और ले जाने पर 6 करोड़ से ज्यादा का खर्च आएगा और इसकी 80 प्रतिशत राशि करीब साढ़े 4 करोड़ एडवांस में आवंटित की जाए।

इस मुद्दे पर जमकर बवाल मचा। क्योंकि, ऐसा पहले भी हुआ होगा, पर कोई आधिकारिक पत्र सामने नहीं आया! जबकि, पत्र में महामहिम का नाम तक लिख दिया गया। अब देखना है कि इस मुद्दे पर आगे क्या कार्रवाई होगी! कहा तो ये भी जा रहा है कि इस आयोजन में राज्यपाल जाएंगे या नहीं, इसका अभी तक अधिकारिक कार्यक्रम जारी नहीं हुआ है, ऐसे में ट्रांसपोर्ट कमिश्नर द्वारा कार्यक्रम में राज्यपाल का नाम का उल्लेख क्यों किया यह समझ से परे है। यह देखना दिलचस्प होगा कि अब इस मामले में सरकार आगे क्या करती है?

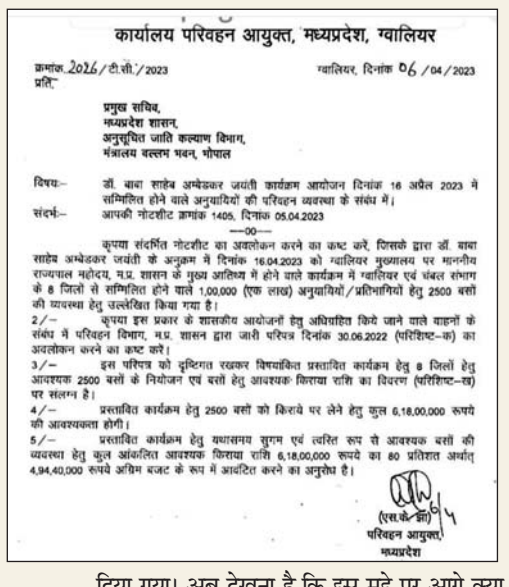

कार्यालय परिवहन आयुक्त, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

क्रमांक 2026/टी.सी./2023 ग्वालियर, दिनांक 06/04/2023

प्रति,

प्रमुख सचिव,
मध्यप्रदेश शासन,
अनुसूचित जाति कल्याण विभाग,
मंत्रालय वल्लभ भवन, भोपाल

विषयः- डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर जयंती कार्यक्रम आयोजन दिनांक 16 अप्रैल 2023 में सम्मिलित होने वाले अनुयायियों की परिवहन व्यवस्था के संबंध में।

संदर्भः- आपकी नोटशीट क्रमांक 1405, दिनांक 05.04.2023

—00—

कृपया संदर्भित नोटशीट का अवलोकन करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर जयंती के अनुक्रम में दिनांक 16.04.2023 को ग्वालियर मुख्यालय पर माननीय राज्यपाल महोदय, म.प्र. शासन के मुख्य आतिथ्य में होने वाले कार्यक्रम में ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 8 जिलो से सम्मिलित होने वाले 1,00,000 (एक लाख) अनुयायियों/प्रतिभागियों हेतु 2500 बसों की व्यवस्था हेतु उल्लेखित किया गया है।

2/- कृपया इस प्रकार के शासकीय आयोजनों हेतु अधिगृहित किये जाने वाले वाहनों के संबंध में परिवहन विभाग, म.प्र. शासन द्वारा जारी परिपत्र दिनांक 30.06.2022 (परिशिष्ट-क) का अवलोकन करने का कष्ट करें।

3/- इस परिपत्र को दृष्टिगत रखकर विषयांकित प्रस्तावित कार्यक्रम हेतु 8 जिलों हेतु आवश्यक 2500 बसों के नियोजन एवं बसों हेतु आवश्यक किराया राशि का विवरण (परिशिष्ट-ख) पर संलग्न है।

4/- प्रस्तावित कार्यक्रम हेतु 2500 बसों को किराये पर लेने हेतु कुल 6,18,00,000 रूपये की आवश्यकता होगी।

5/- प्रस्तावित कार्यक्रम हेतु यथासमय सुगम एवं त्वरित रूप से आवश्यक बसों की व्यवस्था हेतु कुल आंकलित आवश्यक किराया राशि 6,18,00,000 रूपये का 80 प्रतिशत अर्थात् 4,94,40,000 रूपये अग्रिम बजट के रूप में आवंटित करने का अनुरोध है।

(एस.के. झा)
परिवहन आयुक्त,
मध्यप्रदेश

देश में मप्र के तीन टाइगर रिजर्व टॉप 12 में

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व को दूसरी, कान्हा को 5वीं और पेंच को 8वीं रैंक

भोपाल। यूनेस्को की वर्ल्ड हैरिटेज साइट में शामिल मप्र के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) को एक और उपलब्धि मिली है। एसटीआर को देश के सर्वश्रेष्ठ टाइगर रिजर्व में दूसरे नंबर की रैंक मिली। यह रैंक सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के बेहतर प्रबंधन, कार्य, बेहतर टीम के चलते हासिल हुआ है। यह रैंक देशभर के 51 टाइगर पार्क में मिली है।

पहले स्थान पर केरला का पेरियार टाइगर रिजर्व रहा। उसका एमईई स्कोर 94.38 प्रतिशत रहा। दूसरे स्थान पर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, मप्र और तीसरे स्थान पर बांदीपुर टाइगर रिजर्व, कर्नाटक रहा। दोनों का एमईई स्कोर 93.18 प्रतिशत रहा। इसके अलावा मप्रके बालाघाट के कान्हा टाइगर रिजर्व को पांचवीं और सिवनी के पेंच टाइगर रिजर्व को आठवीं रैंक मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मैसूर में रविवार को प्रबंधन प्रभावशीलता मूल्यांकन (एमईई) रिपोर्ट में यह आंकड़े जारी किए।

रैंकिंग में एमपी के टाइगर रिजर्व की स्थिति

- सतपुड़ा टाइगर रिजर्व- दूसरा स्थान- अंक- 93.18
- कान्हा टाइगर रिजर्व- पांचवां स्थान- अंक- 91.67
- पेंच टाइगर रिजर्व- 13वां स्थान, अंक- 88.09
- बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व- 21वां स्थान, अंक- 83.33
- पन्ना टाइगर रिजर्व- 22वां स्थान, अंक- 83.33
- संजय दुबरी टाइगर रिजर्व- 36वां स्थान, अंक- 72.33

जल संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध हैं: चौहान

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जल संसाधन दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि मध्यप्रदेश जल के संरक्षण व संवर्धन हेतु योजनाबद्ध सतत कार्य कर रहा है। जल जीवन मिशन के तहत नल से हर घर जल पहुँचाने में हम अग्रणी राज्य हैं। जल के सभी स्रोत स्वच्छ हों,हमारी नदियाँ सदानीरा रहें, इसके लिए हम प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं।

गांव का पानी गांव में और घर का पानी घर में: पटेल

केंद्रीय जल शक्ति राज्यमंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा है कि देश में लगातार जल जीवन मिशन के अंतर्गत सरकार हर घर तक शुद्ध पानी पहुंचाने के प्रयास कर रही है। इसके साथ ही हमें पानी बचाने के लिए स्थानीय स्रोतों को जीवित करना होगा। गांव का पानी गांव में और घर का पानी घर में, इस पर हमें अमल करना होगा। साथ ही कम पानी वाली फसलों पर अधिक ध्यान देना होगा, इसमें श्री अन्न यानि मोटे अनाज की खेती सर्वोत्तम है।

देश में 24 घंटे में 5880 नए केस, 14 मौत, दो दिन की कोरोना मॉक ड्रिल

घबराने नहीं, सतर्क रहने की जरूरत: मांडविया

नई दिल्ली। देश में बीते 24 घंटे में कोरोना के 5,880 केस सामने आए हैं। इस दौरान 14 लोगों की मौत हुई है, जबकि 3,481 लोग इस बीमारी से ठीक हुए हैं। देश में फिलहाल एक्टिव केस 35,175 हैं और पॉजिटिविटी रेट 6.91त्न हो गया है। देशभर में आज से दो दिन की कोरोना मॉक ड्रिल की शुरुआत

हुई। अस्पतालों में मॉक ड्रिल के जरिए कोरोना से निपटने की तैयारियों का जायजा लिया गया। ये मॉक ड्रिल सरकारी और प्राइवेट दोनों तरह के अस्पतालों में हुई। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने आज एम्स झज्जर का दौरा किया। भोपाल में चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने हमीदिया अस्पताल में माक ड्रिल का अवलोकन किया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया सोमवार को झज्जर स्थित एम्स जाएंगे और तैयारियों का जायजा लेंगे। उन्होंने लोगों से घबराने नहीं, सतर्क रहने को कहा है। मांडविया ने कहा, संक्रमण में हालिया वृद्धि से निपटने के लिए सरकार पूरी तरह से तैयार है। आईसीयू बेड, ऑक्सीजन की आपूर्ति और अन्य जरूरी उपकरणों व सामान की व्यवस्था की गई है। तैयारियों की साप्ताहिक समीक्षा भी की जा रही है।

मप्र में बढ़ रही संक्रमितों की संख्या

मध्यप्रदेश में रविवार को कोरोना के 32 नए मरीज मिले। सबसे ज्यादा भोपाल में 9 नए संक्रमित सामने आए। स्टेट कोविड हेल्थ बुलेटिन के अनुसार इंदौर में 6, जबलपुर में 5, नर्मदापुरम में 3 के अलावा ग्वालियर, पन्ना-सतना, रायसेन में 2-2 और दतिया, खंडवा और उज्जैन में 1-1 नए मरीज मिले हैं। इसके अलावा प्रदेश भर में 63 मरीज ठीक होकर डिस्चार्ज हुए हैं। प्रदेश की अलग-अलग लैब्स में रविवार को कोरोना के 582 नमूनों की जांच की गई। इस दिन कोविड पॉजिटिविटी 5.6 रहा। इससे पहले बीते सप्ताह सोमवार को 1.7, मंगलवार को 2.4, बुधवार को 2.8, गुरुवार को 3.4, शुक्रवार को 3.5 और शनिवार को 6.5 रहा था। इसकी पुष्टि स्वास्थ्य संचालनालय की कोविड बुलेटिन रिपोर्ट में हुई है।

एअर इंडिया फ्लाइट में पैसेंजर ने क्रू से मारपीट की

लंदन जा रही फ्लाइट दिल्ली एयरपोर्ट लौटी

नई दिल्ली। उड़ान के दौरान पैसेंजर की बदतमीजी के चलते एअर इंडिया की फ्लाइट को सोमवार सुबह एयरपोर्ट लौटना पड़ा। एयरलाइन के अधिकारी ने बताया कि दिल्ली से लंदन जा रही AI-111 फ्लाइट में एक

पैसेंजर क्रू मेंबर्स से लड़ने लगा। उनके साथ मारपीट की। 2 क्रू मेंबर्स को चोटें आई हैं।

अधिकारी ने बताया कि टेकऑफ के बाद पैसेंजर ने बदतमीजी शुरू कर दी थी। विमान में स्टाफ ने उसे बार-बार चेतावनी दी पर पैसेंजर लगातार बुरा बर्ताव करता रहा। उसने दो केबिन क्रू मेंबर्स को चोट भी पहुंचाई। यात्री के खिलाफ दिल्ली एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन पर शिकायत की गई। पैसेंजर अभी पुलिस की कस्टडी में है। अफसरों ने बताया कि फ्लाइट ने सोमवार सुबह 6.30 बजे हीथ्रो के लिए उड़ान भरी थी। विवाद की वजह से यह सुबह 10.30 बजे दिल्ली लौट आया।

छिंदवाड़ा में गैस एजेंसी से 7 लाख की लूट

छिंदवाड़ा। सौंसर में इण्डेन गैस एजेंसी से कुछ बदमाश 7 लाख 71 हजार का कैश लूट ले गए। वारदात सुबह 8.30 बजे हुई। एजेंसी मालिक मंजीत साखरे के अनुसार, सुबह एजेंसी में दो बदमाश घुसे। उन्होंने कैशियर अश्विन वाल्मिकी के साथ पहले मारपीट की और फिर हाथ-पैर बांधकर कैश लूट ले गए।

अकोला में बारिश से टीन शेड पर पेड़ गिरा, 7 की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के अकोला में रविवार को टीन शेड पर पेड़ गिर जाने से 7 लोगों मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हो गए। हादसा अकोला के पारस गांव में हुआ। यहां करीब 40 लोग बाबूजी महाराज संस्थान में धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। यहां शाम करीब 7 बजे जोरदार बारिश होने लगी और तेज हवा चलने लगी। इसकी वजह से एक नीम का पेड़ उखड़कर उस टीन शेड पर गिर पड़ा जिसके नीचे सभी श्रद्धालु इकट्ठा हुए थे। इनमें से 4 की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 36 को अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों में से 3 लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव-राहत टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की सहायता से रेस्क्यू का काम शुरू हुआ, जो सुबह 3 बजे तक जारी रहा। लोगों ने आरी से पेड़ को काटकर उसे हटाया और मलबे को साफ करने के लिए एसडीआरएफ की मदद ली।

पायलट का अनशन कल, समर्थक मंत्री-विधायकों को नहीं रखेंगे

जयपुर। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट मंगलवार को अपने समर्थक कार्यकर्ताओं के साथ जयपुर के शहीद स्मारक पर दिनभर अनशन करेंगे। पायलट ने वसुंधरा राजे के सीएम रहते हुए घोटालों पर कार्रवाई नहीं होने को मुद्दा बनाकर अनशन की घोषणा की है। पायलट अपने अनशन में समर्थक मंत्रियों और विधायकों को साथ नहीं रखेंगे। मंत्री और विधायकों को साथ रखने की जगह आम समर्थकों को साथ रखेंगे।

पायलट के अनशन में शामिल होने के लिए प्रदेशभर से उनके समर्थक जयपुर पहुंचेंगे। पायलट समर्थक नेताओं और विधायकों ने कल ही समर्थकों को जयपुर पहुंचने का मैसेज दे दिया था। सचिन पायलट ने समर्थक मंत्री और विधायकों को रणनीति के तहत अनशन से दूर रखने का फैसला किया है। समर्थक विधायकों के अनशन पर बैठने से उनकी गिनती होती। इसमें दो तरह के नुकसान थे। इससे गहलोत और पायलट के समर्थक विधायकों की तुलना होती। संख्या बल किसके पास ज्यादा है, यह बात उठती। दूसरा, इसे बगावत से जोड़कर देखा जाता। इस वजह से पायलट ने आम समर्थकों के साथ अनशन करने की रणनीति अपनाई है।

संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट की छात्राएं मेरिट लिस्ट में अव्वल

संत हिरदाराम नगर। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा जारी की गई मेरिट लिस्ट में संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट की छात्राओं ने श्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया। विश्वविद्यालय की मेरिट लिस्ट में संस्थान की एम.बी.ए. छात्रा निकिता विधानी ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

इसके अलावा एम.बी.ए. इंटीग्रेटेड 2021 मेरिट लिस्ट में दामिनी ठाकुर ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया, शालू वरलानी ने द्वितीय स्थान एवं सेहर खान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। एम.बी.ए. इंटीग्रेटेड 2022 की मेरिट लिस्ट में अन्वी जैन को प्रथम स्थान, हिना राजदेव को द्वितीय स्थान एवं हिमांशी बब्बर को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इस उपलब्धि के लिए संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर हीरो ज्ञानचंदानी, डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर एवं सभी शिक्षकों ने छात्राओं को बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय द्वारा एसएचजीसी जर्नल का संस्करण प्रकाशित

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय द्वारा एसएचजीसी जर्नल ऑफ रीसेंट रिसर्च इन साइंस एंड ह्यूमैनिटीज का तृतीय संस्करण प्रकाशित किया गया। अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करने की दिशा में यह उच्च गुणवत्तापूर्ण पीयर रिव्यूड वार्षिक जर्नल है जिसमें कि शोध आलेख, केस स्टडीज इत्यादि को प्रकाशित किया गया है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ डालिमा पारवानी ने कहा कि महाविद्यालय फैकल्टी मेंबर्स और विद्यार्थियों को नवाचार और अनुसंधान हेतु प्रेरित करने के लिए सदैव प्रयासरत है। महाविद्यालय द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेमिनार और कार्यशालाओं के आयोजन के साथ ही फैकल्टी और छात्राओं की इनमे सक्रिय सहभागिता, पुस्तक लेखन, अध्याय लेखन, पुस्तक समीक्षा, शोध पत्रों एवं आलेखों का लेखन और प्रस्तुतिकरण शोध, अनुसंधान और नवाचार की दिशा में प्रोत्साहित कर इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है। रिसर्च कमेटी की समन्वयक डॉ माधवी गौड़ ने जर्नल की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि अनुसंधान की दृष्टि से यह एक श्रेष्ठ जर्नल है जिसमे हमने शिक्षाविदों, शोधार्थियों के मौलिक कार्यों को संकलित करने का प्रयास किया है।

रोजा अफ्तार में शामिल हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राजधानी लेकव्यू गार्डन में रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन कांग्रेस नेता मुनव्वर कौसर द्वारा किया गया। इस अवसर पर सभी समाज के लोगों ने सामूहिक रूप से रोजा इफ्तार में शामिल हुए। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी मौजूद थे। इस अवसर पर सुरेश पचौरी ने कहा कि यह आयोजन गंगा जमना तहजीब के साथ कई वर्षों से आयोजित किया जा रहा है इस अवसर पर कांग्रेस प्रदेश महासचिव मुनव्वर कौसर ने सभी का शुक्रिया अदा किया।

इस मौके पर रोजा आफ़तार में कांग्रेस जिला अध्यक्ष कैलाश मिश्रा, पूर्व महापौर सुनील सूद, एडवोकेट साजिद अली दीपचंद यादव सहित कॉग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और शहर की जाने-माने हस्तीया मौजूद रहे।

वैज्ञानिक संस्कृति को विकसित करने की पहल, नव-प्रवर्तन महोत्सव कल से

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आंचलिक विज्ञान केंद्र भोपाल द्वारा एमपी स्टार्टअप सेंटर, एमएसएमई विभाग के सहयोग से राज्य में नवाचार, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र की संस्कृति को बढ़ावा देने, स्कूल कॉलेज के छात्रों और ग्रासरूट स्तर के नव-प्रवर्तकों को लाभ देने के उद्देश्य से 11 से 13 अप्रैल तक नव-प्रवर्तन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा महोत्सव का उद्घाटन विज्ञान केन्द्र में सुबह 10 बजे करेंगे। आंचलिक विज्ञान केंद्र के प्रोजेक्ट समन्वयक साकेत सिंह कौरव ने बताया कि इस उत्सव का प्राथमिक उद्देश्य प्रदेश के स्कूल एवं कॉलेज स्तर के छात्रों और ग्रासरूट स्तर के नव-प्रवर्तकों को कार्यशील परियोजनाओं, मॉडल और उत्पादों के रूप में अपने नवीन विचारों यानि उत्पादों और डिजाइन को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है।

महोत्सव में एक ही छत के नीचे 3 श्रेणी में नए अभिनव मॉडल, परियोजनाओं और उत्पादों, जिसका उद्देश्य अर्थ-व्यवस्था के विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों जैसे कृषि, उद्योग, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा, आईटी, परिवहन और संचार आदि के सामने आने वाली चुनौतियों का तकनीकी समाधान प्रदान करना है, का प्रदर्शन होगा। नवाचार के दृष्टिकोण और राज्य में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के प्रसार को प्रोत्साहित करने के आइडिया का प्रदर्शन होगा। इससे राज्य के सतत विकास में लाभ मिलेगा।

नव-प्रवर्तन उत्सव के दौरान ही कई अन्य कार्यक्रम बौद्धिक संपदा अधिकार एवं विद्यालयों में विज्ञान के प्रयोगों में अभिनव तरीके विषयों पर कार्यशालाएँ, नवप्रवर्तन आगे का रास्ता विषय पर लोकप्रिय विज्ञान व्याख्यान और स्टार्ट अप इंडिया विषय पर संगोष्ठी आदि भी विद्यार्थियों एवं जन-मानस के लाभ के लिए किये जा रहे हैं। इनोवेशन फेस्टिवल 2023 में अभिनव विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा। कुलपति आरजीपीवी भोपाल प्रो. सुनील कुमार एवं आयुक्त उद्योग एवं सचिव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम पी. नरहरि भी उपस्थित रहेंगे।

सिंधी में 12वीं उत्तीण विद्यार्थी को सरकार दे सिंधी शिक्षक की नौकरी

रोजगार से जोड़ने पर ही मातृ भाषा का विकास संभवः सुरेश जसवानी

संत हिरदाराम नगर। हर साल की तरह इस बार भी 10 अप्रैल को विश्व सिंधी भाषा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। लेकिन जब तक मातृ भाषा सिंधी को रोजगार से नहीं जोड़ा जाता, इसे सीखने वाले विद्यार्थियों को आर्थिक प्रलोभन नहीं मिलता, तब तक भाषा का विकास संभव नहीं है। यह कहना है अखिल भारतीय सिंधी महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुरेश जसवानी का। सुरेश जसवानी ने बताया कि 10 अप्रैल 1967 को सिंधी लिपि को संविधान की 8वीं अनुसूची में इस लिहाज से शामिल किया गया कि इसका उत्थान होगा लेकिन अगर यह कहा जाए कि 10 अप्रैल 1967 से ही इसका ह्रास होना शुरू हुआ तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। क्योंकि सिंधी लिपि को पढ़ने से विद्यार्थियों को कोई लाभ नहीं होता, इसलिए 70 के दशक के बाद से ही एक तरह से इसका विलोपन प्रारंभ हो गया, और आज की तारीख में यह लगभग लुप्तप्राय होने की कगार पर है। क्योंकि मौजूदा समय में बड़े शहरों में केवल 15 प्रतिशत परिवारों में ही सिंधी में आपस में बातचीत होती है, जबकि 85 फीसदी सिंधी या तो हिंदी अथवा आपस में अंग्रेजी में बात करने लगे हैं। सुरेश जसवानी ने कहा कि राजनीतिक दलों के सिंधी भाषी नेताओं को केन्द्र एवं प्रदेश सरकारों से इस बात की घोषणा करवाना चाहिए कि जो भी विद्यार्थी कक्षा 12वीं सिंधी लिपि में उत्तीर्ण करेगा, उसे सिंधी शिक्षक की सरकारी नौकरी दी जाएगी। इसके अलावा जो भी विद्यार्थी सिंधी लिपि पढ़ेगा उसे केन्द्र सरकार के शिक्षा विभाग के अधीन सिंधी भाषा विकास परिषद् एवं संबंधित प्रदेशों की सिंधी साहित्य अकादमी प्रतिमाह 10 हजार रूपए स्कालरशिप प्रदान करेगी, तब ही सिंधी लिपि के प्रति आकर्षण पैदा हो सकता है। जसवानी ने कहा है कि हर सिंधी परिवार की माता पर यह जोर दिया जाए कि जन्म के एक साल के बाद जब बच्चा बोलना शुरू करता है तब मां उसके साथ अपनी मातृ भाषा में कम से कम 7 साल तक बात करे, तब उसे सिंधी लिपि की आदत पढ़ जाएगी और वह आजीवन अपनी मातृ भाषा को भूल नहीं सकेगा।

संस्कार विद्यालय में हुए हां मां भी सिंधी आहियां का प्रदर्शन

संत हिरदाराम नगर। संस्कार विद्यालय में सिंधी भाषा को बढ़ावा देने के लिए ''हां मां भी सिंधी आहियां'' फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, उपाध्यक्ष सुरेश राजपाल, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, रिटा. कर्नल नारायण पारवानी, किशन उदासी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। इस अवसर पर आर. के. गिदवानी ने कहा कि फिल्म बनाने में बहुत सी कठिनाओं का सामना करना पड़ता है। फिर भी आप सभी के योगदान से और सिंधी भाषा को बढ़ावा देने के लिए हमने कठिनाईयों का सामना करते हुए इस फिल्म को पूरा किया जो आज आपके सामने है। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी ने निर्देशक और निर्माता का धन्यवाद करते हुए कहा कि आज कल कोई सिंधी नहीं बोलता जबकि हर किसी को अपनी संस्कृति और सभ्यता को अपनाना चाहिए अतः यह तभी सम्भव है जब सभी सिंधी अपने घर में बच्चों से सिंधी में बात करें।

महिला सिंधी पंचायत पदाधिकारियों का संत लाल साईं ने किया सम्मान

संत हिरदाराम नगर। महिला सिंधी पंचायत के समस्त पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने अध्यक्ष शिक्षाविद् किरण वाधवानी के नेतृत्व में वेदांत संत लाल साईं का सानिध्य व आशीर्वाद प्राप्त किया। किरण वाधवानी ने कहा कि भगवान झूलेलाल की शोभायात्रा को ऐतिहासिक बनाने में वेदांत संत का सानिध्य और आशीर्वाद प्राप्त हुआ जिसके कारण पूज्य सिंधी महिला पंचायत साईं का आभार व्यक्त करने पहुंची। वेदांत संतलाल साईं महाराज ने कहा कि शोभा यात्रा में संत हिरदाराम नगर के प्रत्येक नागरिक का सहयोग रहा है और सभी संतो महात्माओं, सामाजिक संस्थाओं के सानिध्य और आशीर्वाद से यह कार्य सफल हुआ है उन्होंने आयोजकों सिंधू समाज स्कूल और झुलेलाल कल्याण मंडल के पदाधिकारियों को संपूर्ण सहयोग के लिए सभी का आभार माना। इस अवसर पर

शोभायात्रा में अपना सहयोग देने के लिए सिंधी महिला पंचायत की अध्यक्ष शिक्षाविद किरण वाधवानी, पंचायत महासचिव मधु लालवानी, भावना कलवानी, नेहा आहूजा, मयूरी मूर्जानी, रितिका साधवानी, पदमा उदासी और मुस्कान कृपलानी का शाल श्रीफल से सम्मान भी किया। संत ने यह भी कहा कि अपने इष्ट देव की समय-समय पर आराधना करने के साथ ही सप्ताह में एक बार भगवान झूलेलाल के मंदिर जाकर आरती पल्लव में भी शामिल होना सब का कर्तव्य बनता है।

नव युवक सभा के द्विवार्षिक चुनाव सम्पन्न, विष्णु गेहानी बने अध्यक्ष

संत हिरदाराम नगर। संत नगर में नव युवक सभा के द्विवार्षिक चुनाव वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के लिए रविवार को चुनाव अधिकारी एवं संस्कार स्कूल के सचिव बसंत चेलानी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुए। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए डॉ धर्मेन्द्र और शिक्षाविद् विष्णु गेहानी के द्वारा फार्म भरा गया, लेकिन अंतिम समय में डॉ. धर्मेन्द्र ने नामांकन फार्म वापस ले लिया। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी को अध्यक्ष बनाया गया। इसके अलावा महासचिव राजेश हिंगोरानी, सचिव सुरेश राजपाल, संयुक्त सचिव दिनेश वाधवानी, कोषाध्यक्ष धर्मप्रकाश मोटवानी, आडिटर कन्हैयालाल रामनानी, सदस्य शिक्षा समिति कमल प्रेमचन्दानी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। चुनाव के बाद चुनाव अधिकारी बसंत चेलानी, डॉ धर्मेन्द्र, नारायणदास लालवानी, हीरो ज्ञानचन्दानी, कन्हैयालाल मोटवानी, केवल टहिलयानी, मंघाराम टहिलयानी, रमेश लेखवानी, हेमन्त वकील, अर्जुन खत्री, आयलदास साधवानी एवं संस्था के समस्त सदस्यों ने बधाई दी।

चर्चो में श्रद्धा के साथ हुआ आयोजन

भोपाल। शहर के विभिन्न गिरजाघरों में चर्च कैलेंडर के अनुसार सबसे पुराना वार्षिक धर्मविधि, ईस्टर विजिल या पास्का जागरण शनिवार की रात को चार भागों में मनाया गया प्रकाश, शब्द, बपतिस्मा, और यूर्खीस्तीय समारोह। पास्का जागरण के पहले भाग में ब्रह्मांड के चार तत्वों: अग्नि, वायु, जल और पृथ्वी को आशीषित किया गया। पवित्र धर्म विधि की शुरूआत नई आग की रोशनी की आशीष के साथ शुरू हुई। इस नई आग से पास्का मोमबत्ती जलाया गया। लोगों ने हाथों में मोमबत्ती थामकर जुलूस के रूप में चर्च में प्रवेश किया। पास्का जागरण के दुसरे भाग के आरंभ में ओल्ड टेस्टामेंट से रीडिंग निम्नलिखित अध्यायों से पढ़ी गई, इसहाक का बलिदान, लाल सागर को पार करना जो लोगों की मुक्ति की कहानी को दर्शाता है। ठीक रात 12 बजे लोगों ने प्रभु येशु के पुनरूत्थान के गीत गाकर हर्ष मनाया।

फादर मारिया स्टीफन, ने ईस्टर की शुभकमना देते हुए कहा, हमें अपनी गलतियो, निराशाओं, विश्वासघात, असफलताओं, अन्यायपूर्ण मौतों आदि के साथ पृथ्वी पर निरंतर रंग बदलती दुनिया में अपने जीवन में 'छोटा पुनर्जीवन' खोजने की जरूरत है। अंत में उन्होने 'ईस्टर महोत्सव' जो कि अगले रविवार 16 अप्रैल 6.30 बजे, संत जोसफ कोएड स्कूल . में आयेजित हो रहा है, में सबको शामिल होने का निमंत्रण दिया। इसमें विभिन्न स्वादिष्ट फूड स्टालों के साथ-साथ चर्चों और स्कूलों के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे।

ज्योतिबा फुले और अंबेडकर जयंती मनाने को लेकर हुई बैठक

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अखिल भारतीय ओबीसी महासभा ओबीसी एसटी एससी संयुक्त मोर्चा एवं माली समाज के तत्वधान में महात्मा ज्योतिबा राव फुले की जयंती 11 अप्रैल को एवं संविधान निर्माता बाबा भीमराव अंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल को लेकर ज्योतिबा फूले भवन विट्ठल मार्केट में एक बडी बैठक रखी गई। बैठक में दोनों मूलनिवासी समाज के महापुरुषों की जयंती को भव्य रुप से मनाने एवं उसकी तैयारी को लेकर चर्चा की गई।

बैठक में मुख्य रूप से अखिल भारतीय ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओबीसी ललित कुमार, राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष एडवोकेट तुलसीराम पटेल, माली समाज के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व अपर कलेक्टर जीपी माली, मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग अधिकारी कर्मचारी संघ के संरक्षक राम विश्वास कुशवाहा, मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग अधिकारी कर्मचारी संघ के प्रांत अध्यक्ष केपी कुर्बाशी, जिला न्यायालय भोपाल के पूर्व जज रमेश चौरसिया, अनुशासन समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष राधेश्याम पटेल आदि विशेष रूप से उपस्थित रह।

बैठक में एक विशेष रूप से प्रस्ताव पारित हुआ है कि मध्यप्रदेश शासन से मांग की गई है

कि 11 अप्रैल को महात्मा ज्योतिबा राव फुले जी की जयंती पर जो शासन स्तर पर एच्छीक छुट्टी रहती है तो उसे पूर्ण पूर्ण छुट्टी घोषित किया जाए एवं जयंती में उपस्थित होने के लिए सभी ओबीसी एसटी एससी समाज से विशेष आग्रह किया गया है कि 11 अप्रैल को सात नंबर महात्मा ज्योतिबा राव फुले चौराहा में सुबह 9:30 बजे उपस्थित रहे। यहां रैली के माध्यम से महात्मा ज्योतिबा राव फूले भवन विट्ठल मार्केट पहुंचेंगे जहां एक संगोष्ठी सभा रखी गई है एवं 14 अप्रैल को बाबा भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष में 13 अप्रैल को रात 10 बजे बोर्ड ऑफिस चौराहा अंबेडकर मूर्ति के पास एकत्रित होकर केक काटा जाएगा एवं 14 अप्रैल को जयंती को भव्य रूप से मनाया जाएगा।

अपनी जुबां पर लगाम कसें भाजपा नेताः सविता

भोपाल। मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस प्रदेश महामंत्री सविता अग्रवाल ने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय द्वारा की गई टिप्पणी की कड़ी निन्दा करते हुए कहा है कि लड़कियों के पहनावे पर टिप्पणी कर उन्होंने महिलाओं को अपमानित किया है। श्रीमती सविता अग्रवाल ने कहा कि जबलपुर में शराब की दुकान का विरोध कर रही महिलाओं को पुलिस व्दारा बर्बरता पूर्वक बाल पकड़ कर घसीटा गया एवं उन पर जुल्म ढाये गये। आज देश में महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार एवं उत्पीड़न में प्रदेश नंबर वन है। विजयवर्गीय समय रहते महिलाओं से सार्वजनिक रूप से माफी मांग लें नहीं तो चुनाव में महिलाएं इसका बदला लेने में पीछे नहीं रहेगी।

मानवता संबंधी विभिन्न विषयों पर होगी अनुसंधान केंद्र की स्थापना

भोपाल। मानवता संबंधी विभिन्न विषयों पर एक अनुसंधान केंद्र की स्थापना की जा रही है दिव्य प्रेरक कहानियां मानवता अनुसंधान केंद्र के नाम से स्थापित इस केंद्र की आधिकारिक घोषणा 14 अप्रैल को डॉ आंबेडकर कीर्ति सम्मान समारोह नागौर राजस्थान में की जाएगी। भारत साहित्य रत्न राष्ट्र लेखक की उपाधि से अलंकृत डॉ अभिषेक कुमार ने बताया कि इस प्रकार के अनुसंधान के लिए यह देश में सबसे पहला एवं अनोखा अनुसंधान केंद्र होगा। महंत डॉ नानक दास महाराज के सानिध्य में स्थापित होने वाले दिव्य प्रेरक कहानियां मानवता अनुसंधान केंद्र की स्थापना की घोषणा 14 अप्रैल को की जाएगी।

बड़े उद्योगों की अपेक्षा छोटे व मझोले उद्योग रोजगार देने में अधिक सक्षम: तोमर

लघु उद्योग भारती एवं एमएसएमई विभाग के तत्वावधान में आयोजित स्टार्टअप कॉन्क्लेव में बोले केन्द्रीय मंत्री

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि छोटे एवं मझोले उद्योग बड़े-बड़े उद्योगों से ज्यादा रोजगार उपलब्ध कराते हैं। इसीलिए सरकार छोटे और मझोले उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन दे रही है। सरकार की उद्योग हितैषी नीतियों से प्रभावित होकर विदेश में बसे भारतीय उद्यमी व तकनीकी विशेषज्ञ अपने देश में लौटने के लिये आतुर रहते हैं। तोमर ग्वालियर में लघु उद्योग भारती के स्टार्टअप कॉन्क्लेव के उदघाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने में लघु उद्योग भारती संस्था अहम भूमिका निभा रही है। स्टार्टअप कॉन्क्लेव में प्रदेश के सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम और विज्ञान व प्रौद्योगिकी मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा विशेष रूप से मौजूद थे। रविवार को यहां चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के सभागार में आयोजित हुए स्टार्टअप कॉन्क्लेव में सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलदेव भाई प्रजापति, राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रकाश चंद जी, राष्ट्रीय सचिव समीर मूंदड़ा, महामंत्री घनश्याम ओझा, प्रदेश अध्यक्ष महेश गुप्ता व सुउमा शर्मा सहित राष्ट्रीय स्तर के अन्य पदाधिकारीगण एवं लघु उद्योग भारती के मध्य भारत इकाई के प्रांतीय सचिव सोबरन सिंह तोमर सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

स्टार्टअप कॉन्क्लेव में ग्वालियर व चंबल संभाग के सभी जिलों से आए उद्यमियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर विभिन्न उद्यमियों ने अपने-अपने उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई।

केन्द्रीय मंत्री तोमर ने स्टार्टअप कॉन्क्लेव में मौजूद उद्यमियों को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री तोमर ने कहा कि पिछले साढ़े आठ साल की अवधि में भारत सरकार द्वारा साढ़े 6 हजार से ज्यादा स्टार्टअप स्थापित कराए गए हैं, जिसमें 2 हजार से अधिक कृषि आधारित स्टार्टअप शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए आह्वान की बदौलत संयुक्त राष्ट्र संघ ने

वर्ष 2023 को मिलेट्स (मोटे अनाज) वर्ष घोषित किया है। मुद्रा योजना के तहत सरकार द्वारा छोटे-छोटे उद्यमों के लिये अब तक 19 लाख करोड़ की आर्थिक मदद वितरित की जा चुकी है। तोमर ने कहा कि कृषि मंत्रालय द्वारा मिलेट्स आधारित स्टार्टअप को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इसके अलावा सरकार के सभी विभागों में स्टार्टअप के लिये विशेष प्रावधान रखा गया है। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री तोमर ने यह भी कहा कि भारत अब दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कॉन्क्लेव में मौजूद नव उद्यमियों का आह्वान किया कि वर्तमान में उद्योगों के लिये स्वर्णिम कालखंड है। आप सब सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर अपने उद्यम को आगे बढ़ाएँ। उन्होंने छोटे व मझोले उद्यमियों को संगठित कर उन्हें सुविधायें मुहैया कराने के लिये समृद्ध मंच प्रदान करने के लिये लघु उद्योग भारती संस्था की सराहना की।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कहा कि मध्यप्रदेश की औद्योगिक नीति देश की सर्वश्रेष्ठ औद्योगिक नीति के रूप में मिशाल कायम की है। प्रदेश में एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिये सरकार ने अपनी औद्योगिक नीति में मूलभूत परिवर्तन किया है। सरकार द्वारा क्लस्टर कॉन्सेप्ट लागू कर उद्योगों के लिये सस्ती जमीन, सस्ती बिजली और उत्कृष्ट अधोसंरचना उपलब्ध कराई जा रही है। क्लस्टर फार्मेशन पॉलिसी के तहत सरकार द्वारा अब तक 60 औद्योगिक क्लस्टर मंजूर किए जा चुके हैं। इसके अलावा 33 और क्लस्टर अगले दो माह के भीतर धरातल पर आ जायेंगे। सरकार बेहतर से बेहतर औद्योगिक वातावरण बनाने के लिये कटिबद्ध है। एमएसएमई को कॉमर्शियल बनाने के लिये कारगर कदम उठाए गए हैं। एग्रो प्रोसेसिंग को मध्यप्रदेश में विशेष बढ़ावा दिया जा रहा है।

मंत्री सखलेचा ने कहा कि अध्ययन से यह बात सामने आई है कि हमारे प्रदेश के औद्योगिक क्लस्टर चाइना से 15 प्रतिशत कम कीमत पर फर्नीचर उपलब्ध कराने में सक्षम है। फर्नीचर सेक्टर में सरकार 40 से लेकर 68 प्रतिशत तक अनुदान देती है। उन्होंने कहा प्रदेश सरकार खुद दो साल में पाँच हजार करोड़ रूपए से ज्यादा के फर्नीचर अपने प्रदेश के उद्यमियों से क्रय करेगी। साथ ही कहा कि स्पेशलाइज ट्रेनिंग देने वाले उद्यमों को सरकार द्वारा 13 हजार रूपए प्रति वर्कर के मान से भुगतान किया जाता है। सखलेचा ने उदाहरण रूवरूप कहा कि उद्योग लगाने में 100 रूपए खर्च करने वाले को 4 साल के भीतर सरकार 250 से 300 रूपए वापस कर रही है। सरकार ने मार्केटिंग की भी पुख्ता व्यवस्था कराई है। साथ ही भण्डारण नियमों में भी उद्यमियों के हितों को ध्यान में रखकर बड़ा बदलाव किया है।

सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि सूक्ष्म व लघु उद्यमी औद्योगिक क्षेत्र के लिये समाज के आखिरी पंक्ति के व्यक्ति की तरह होते हैं। इसलिए उन्हें विशेष प्रोत्साहन की जरूरत होती है। इसी बात को ध्यान में रखकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने व्यापक पैमाने पर मुद्रा लोन का वितरण कराया है। साथ ही विश्वकर्मा योजना और आजीविका मिशन के माध्यम से महिलाओं के स्व-सहायता समूह गठित कराए हैं। उन्होंने एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिये बने सांसदों के समूह के बारे में भी जानकारी दी। साथ ही लघु उद्योग भारती द्वारा एमएसएमई की मदद के लिये किए जा रहे प्रयासों को खुलकर सराहा।

समाज और देश के लिए उत्कृष्ट कार्य करने का जुनून लाएं: शिवराज सिंह

मुख्यमंत्री ने जबलपुर में जन-सेवा मित्रों से किया संवाद

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जन-सेवा मित्र योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और जन-समस्याओं के त्वरित समाधान के लिये कार्य करते रहें। मुख्यमंत्री चौहान रविवार को जबलपुर में युवा इंटर्नशिप योजना अंतर्गत जन-सेवा मित्रों से संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें सौंपे गए कार्य के अनुभव और योजनाओं के क्रियान्वयन के फीडबेक की जानकारी भी ली। उन्होंने जन-सेवा मित्रों द्वारा बनाये गये विजन डाक्यूमेंट को लोकार्पित किया।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि जन-सेवा मित्र योजनाओं का लाभ, पात्र व्यक्तियों और सुदूर अंचल तक पहुँचाये। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों की समस्या के समाधान में सहयोगी होना सुकून देने वाला अनुभव होता है, जो जीवन में हमेशा काम आता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास और मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना जैसी सामाजिक-आर्थिक बदलाव लाने वाली योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के साथ सुशासन भी हमारा लक्ष्य होना चाहिए। इसे हासिल करने में बिना झिझक काम करना है। समाज और देश के लिए उत्कृष्ट कार्य करने का जुनून लाएँ, इससे काम करने की ताकत मिलती है। अब जन-सेवा मित्रों से समय-समय पर संवाद होता रहेगा।

लाड़ली बहना योजना प्रारंभ करने पर महिलाओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का जबलपुर नौदरा ब्रिज पर महिला मोर्चा की सदस्यों ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना शुरू करने पर पुष्प-वर्षा कर स्वागत किया। साथ ही महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने की पहल के लिये आभार जताया। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि यह योजना बहनों की जिंदगी बदलने का अभियान है। बहनों का मान-सम्मान और इज्जत बढ़ाना उनकी जिंदगी का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने कई बार गरीब और निम्न मध्यम वर्ग की बहनों को हजार-पाँच सौ रूपये के पीछे परेशान होते देखा है। लाड़ली बहना योजना ऐसी बहनों के हाथ में पैसा देगी और इससे उनका आत्म-विश्वास और परिवार में मान सम्मान बढ़ेगा। प्रतिमाह मिलने वाली एक हजार रूपये की राशि से वे अपनी छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा कर सकेंगी। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि बहनों के चेहरे पर मुस्कराहट आयेगी तो उनकी जिंदगी सफल हो जायेगी। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि जबलपुर में भी जल्द ही लाड़ली बहना सम्मेलन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि बहनों ने उन पर जो विश्वास जताया है उसे वे कभी टूटने नहीं देंगे।

जबलपुर में प्रबुद्धजन संवाद में शामिल हुए मुख्यमंत्री, युवाओं को यंग एचीवर्स अवार्ड प्रदान किये

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश के साथ जबलपुर सभी क्षेत्रों में निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। विकास की इस यात्रा में प्रबुद्धजन और युवा भागीदार बन कर मध्यप्रदेश को नंबर-वन राज्य बनाएँ। प्रदेश के नागरिक टेलेंट का उपयोग कर राज्य सरकार और भी रिच हो जाएगी। मुख्यमंत्री चौहान आज जबलपुर में प्रबुद्धजन से प्रदेश के विकास को लेकर संवाद कर रहे थे।

मुख्यमंत्री चौहान ने प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में हुई उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज मध्यप्रदेश सिंचाई, बिजली, सड़क, उद्योग और फसल उत्पादन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। प्रदेश के विकास में समग्र, समन्वित और सुनियोजित प्रयासों से विकास की नई ऊँचाइयाँ प्राप्त की गई हैं। इन उपलब्धियों में आमजन का सहयोग भी रहा है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा भी था, जब मध्यप्रदेश बीमारू राज्यों की श्रेणी में गिना जाता था, आज समन्वित प्रयासों से मध्यप्रदेश, देश के टॉप-10 राज्यों की श्रेणी में गिना जाने लगा है।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि वर्ष 2003 के पहले प्रदेश की जो स्थिति थी, वह किसी से छुपी नहीं है। सड़क में गड्ढे थे या गड्ढों में सड़क थी, यह पता ही नहीं लगता था। आज मध्यप्रदेश में सड़कों की सूरत बदल गई है। चारों ओर सड़कों का जाल बिछ गया है। नेशनल हाई-वे भी बने हैं। प्रदेश में सड़कों की कनेक्टिविटी बढ़ जाने से निवेश भी तेजी से बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि अटल एक्सप्रेस-वे, नर्मदा एक्सप्रेस-वे और विन्ध्य एक्सप्रेस-वे से प्रदेश को विकास के नये आयाम मिलेंगे। जबलपुर में देश का दूसरा सबसे बड़ा रिंग रोड बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नर्मदा एक्सप्रेस-वे मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट है, जो पूर्व से पश्चिम तक बनेगा, इससे व्यापार और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

अटल जी के नाम पर चंबल में अटल एक्सप्रेस-वे बन रहा है। प्रदेश में कहीं भी कनेक्टिविटी की समस्या नहीं रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय था जब चंबल के बीहड़ों में डाकूओं का खौफ था, सिमी का नेटवर्क और नक्सलवाद का बोलबाला था। आज चंबल या कहीं और डाकूओं का संगठित गिरोह नहीं है। सिमी का नेटवर्क ध्वस्त किया जा चुका है। नक्सलवाद पर कड़ा प्रहार किया गया है। इसी साल लाखों रूपये के 6 ईनामी नक्सली मार गिराये गये हैं। चंबल के बीहड़ की जमीन को इंडस्ट्रीज में परिवर्तित किया जा रहा है। सभी एक्सप्रेस-वे के दोनों ओर औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जायेगा। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि उद्योग के क्षेत्र में प्रदेश निरंतर आगे बढ़ रहा है, जिससे रोजगार और व्यापार की संभावना बढ़ रही हैं। बिजली उत्पादन बढ़ने से आज 24 घंटा बिजली मिल रही है। सिंचाई क्षमता साढ़े 7 लाख हेक्टेयर से बढ़ कर 46 लाख हेक्टेयर हो गई है।

होम्योपैथी औषधियों के प्रयोग का सिद्धांत रोग को प्राकृतिक रूप में पराजित करना है: योग गुरु महेश अग्रवाल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के संचालक योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि 10 अप्रैल को होम्योपैथी के जनक फेडरिक समुअल हैनीमेन का जन्म हुआ था, इसीलिए इस दिन को विश्व होम्योपैथी दिवस के रूप में मनाया जाता है। मीठी गोली से अब हर %मर्ज% का इलाज, किडनी से लेकर कैंसर तक की दवाएं हैं उपलब्ध किडनी स्टोन, पित्ताशय की सिंगल पथरी, गर्भाशय का ट्यूमर, स्तन की गांठ, शरीर पर होने बाले मस्से, चर्म रोग, एलर्जी, शुरुआती अवस्था में पता लगने वाला हार्निया, बुखार, जुकाम आदि के मामलों में होम्योपैथी से सफल इलाज हुए हैं। डॉ. हैनीमन ने एक चिकित्सक विद्वान और रसायनज्ञ के रूप में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की। उन्होंने अपने ऊपर स्वयं औषधी का परीक्षण कर सम: समम शमयति% अर्थात समान से समान का उपचार का सिद्धांत प्रतिपादित किया यही सिद्धांत होम्योपैथी का मूल आधार बना। होम्योपैथी औषधियों का काम मानव शरीर में अंतर्निहित प्राकृतिक निरोग शक्ति को सशक्त करना है।

भोज आईटी एवं ऑफिस ऑटोमेशन डीलर्स एसोसिएशन चुनाव में ललित जैन अध्यक्ष बन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भोज आईटी एवं ऑफिस ऑटोमेशन डीलर्स एसोसिएशन की गवर्निंग बॉडी के लिए चुनाव संपन्न हुए। 207 सदस्यों वाले संगठन में 193 वोट डाले गए और सदस्यों ने अपने एसोसिएशन के लिए अध्यक्ष सचिव और कोषाध्यक्ष का चुनाव किया। मुकाबला बहुत ही रोचक रहा और वोटों की गिनती के अंतिम दौर तक संशय बना रहा कि कौन जीतेगा। वोटों की गिनती के बाद अंत में चुनाव समिति में परिणाम की घोषणा की। ललित जैन अध्यक्ष बने। अध्यक्ष पद के लिए दो उम्मीदवार थे ललित जैन(106 वोट) एवं अनूप जैन(86वोट)। वही सेक्रेट्री पद के लिए धीरेंद्र पटेल चुने गए, धीरेंद्र पटेल को(103 वोट) एवं विनोद पटेल को(89वोट) मिले। कोषाध्यक्ष पद के लिए मुकाबला बहुत ही नजदीकी रहा।खड़ग सिंह गौर चुने गए, खड़ग सिंह गौर को(98वोट) एवं दीपक जैन को(94 वोट मिले)। सभी सदस्यों ने नए पदाधिकारियों को अपने बधाइयां एवं शुभकामनाएं दी और धोल नगाड़े बजाकर उनका स्वागत किया और विजय का जश्न मनाया । उधर नए चुने गए अध्यक्ष ललित जैन ने सभी सदस्यों को आश्वासन दिया कि उनके एजेंडा के सभी बिंदुओ पर क्रमवार काम किया जाएगा और उन्हें पूरा भी किया जाएगा उन्होंने सभी सदस्यों से सहयोग की अपेक्षा रखी।

7 साल में 12 ऑपरेशन: जमशेदपुर, वेल्लौर तक घूमे, अंतत: एम्स भोपाल में मिली सफलता

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

पीड़ित मानवता की सेवा करने के अपने सुदृढ़ संकल्प और समर्पित डॉक्टर्स की टीम के साथ एम्स भोपाल हर दिन नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है । हाल ही में न्यूरोसर्जरी विभाग ने एक अत्यंत जटिल केस में सफलता प्राप्त की है । वर्ष 2015 में, जमशेदपुर (परिवर्तित स्थान) निवासी, 19 वर्षीय रोहित (परिवर्तित नाम) के मस्तिष्क में चलती बस से गिरने के कारण गंभीर चोटें आयीं, जिसके लिए उसका तुरंत ऑपरेशन करना पड़ा । दिमाग़ की सूजन इतनी अधिक हो गई थी कि सिर की हड्डी ही हटानी पढ़ गई और दिमाग़ में पानी का दबाव कम करने के लिए एक नली लगायी गई । उस समय रोहित की जान तो बच गई परंतु वह पूर्ण रूप से होश में नहीं आ पाया । वह कई महीने अस्पताल में भर्ती रहा । इसी बीच उसे संक्रमण हो गया जो कि दिमाग़ तक चढ़ गया और तब सिलसिला शुरू हुआ रोहित की और उसके घर वालों की अग्नि परीक्षा का जो की आठ साल चलकर अब एम्स भोपाल में खत्म हुई । आठ सालों में रोहित के दिमाग़ पर कुल बारह आपरेशन किए गये । वे बार बार उसका ऑपरेशन करवाते और वह हर बार फेल हो जाता ।

अंतत: कुछ माह पूर्व रोहित के पिता को जानकारी मिली के एम्स भोपाल में कई योग्य चिकित्सक हैं तो उन्होंने वेल्लौर से भोपाल आना तय किया । जब रोहित के घरवाले उसे एम्स भोपाल लेकर पहुँचे तब वह अचेत था और दिमाग़ में इन्फेक्शन एवं शंट मैल्फंगक्शन के करण उसकी स्थिति बहुत ही नाज़ुक थी । एम्स के न्यूरोसर्जन डॉ आदेश श्रीवास्तव ने तुरंत मरीज़ को आईसीयू में लेकर इलाज चालू किया और आगे की जाँचें करना शुरू की । डॉ श्रीवास्तव बताते हैं कि जब उन्होंने मरीज़ के दिमाग़ देखा तो उन्हें बहुत आश्चर्य हुआ क्योंकि इससे पहले उन्होंने कभी ऐसा नहीं देखा था । उन्होंने बताया कि रोहित के सिर ऐसा दिख रहा था जैसे उसमे चारों तरफ़ से अनेकों तीर मार कर दिमाग़ छलनी कर दिया गया हो । गिनने पर पता चला कि दिमाग़ में सभी तरफ़ से कुल आठ नलिया पड़ी हुई हैं । और वे ही बार-बार संक्रमण करवा रही थीं । अब यह तो समझ आ गया था की इतने सारी शंट ही उसको बार बार इन्फेक्शन कर रहे है।

रोटरी क्लब के कलाकारों ने अपना घर वृद्धाश्रम में आयोजित की संगीत संध्या

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अपने जमाने के सुप्रसिद्ध अभिनेता जीतेन्द्र के जन्मदिन के अवसर पर अपना घर वृद्धआश्रम मे आयोजित कार्यक्रम मे उपस्थित हर शख्स की आंखे नम हो गई इस मौके जीतेन्द्र के मस्ती भरे गीत मस्त बहारो का मे आशिक] मुसाफिर हूँ यारों न घर है न ठिकाना जैसे गीत पर उपस्थितजन के अलावा अपना घर के वृद्धजन झूमते गाते नजर आए कार्यक्रम मे उपस्थित सारे गामा लिटिल चेम्प की प्रतिभागी भोपाल शहर की शान राधिका मिश्रा ने तेरे संग प्यार में नही डोलना एवं एरी पवन जैसे गीत गाकर समा बांध दिया गायको मे नये उम्र के बच्चे युवा एवं बुजुर्गो के मिले जुले नगमो ने गीत संगीत का ऐसा समा बांधा जिसमे समुचा अपना घर प्रांगण झूमता थिरकता मचलता नजर आया वह बुजुर्ग जिन्हें उनके अपनो ने ही बेसहारा छोड़ दिया उन्हे सहारा देने का प्रयास उनकी खुशी मे सहयोगी बने रहने की एक पुरजोर कोशिश रोटरी क्लब ऑफ़ भोपाल अरेरा ने की है इसलिए वह समय समय पर अपना घर वृद्ध आश्रम मे जाकर बुजुर्गो को संगीत रूपी दवा प्रदा कर उनकी खुशी मे शामिल होते रहते हैं कार्यक्रम मे क्लब के तक़रीबन 22 कलाकारों ने अपना घर प्रांगण मे खुशी का माहौल पैदा कर दिया कार्यक्रम की शुरुआत वंदना सक्सेना ने श्री कृष्ण गोविन्द हरी मुरारी भजन से की इस अवसर पर दिनेश डावर ने ए मेरे हमसफ़र अजय मिश्रा ने मुसाफिर हूँ यारों तोसीफ खान ने आने वाला पल जाने वाला है राधा रमन त्रिपाठी ने झूम झूम के नाचो आज अमृता आशीष ने ये राते ये मौसम नदी का किनारा हार्दिक कुमार ने तेरी दीवानी नरेश शर्मा ने शीर्षक गीत मस्त बहारों का मे आशिक सुब्रत राय ने जीवन के दिन छोटे सही सपना संजय सक्सेना ने नाम गुम जायगा अंजू अनिल चौहान ने कितना प्यारा वादा है गोपाल सक्सेना ने चला जाता हूँ किसी की धुन मे उमेश मिश्रा ने बड़ी मस्तानी है नितिन ने कौन है जो सपनो मे आया एवं ईसान जैन रूख से जरा नकाव हटा दो गीत गाकर इबादत मोहब्बत रूहानियत एवं रोमांच का माहौल निर्मित कर दिया इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष अमृता आशीष तिवारी ने कहा कि वृद्ध जनों के बीच जाकर उनके साथ कुछ घंटो तक उन्हें संगीत के रस मे डूबकर हमे भरपूर आनंद की अनुभूति होती है इसलिए वह समय समय पर अपना घर मे इस तरह के आयोजन करती रहती हैं इस तरह के आयोजन से हमें जनमानस का पूर्ण सहयोग मिलता है उन्होंने कहा कि हमारे क्लब मे कलाकारों की कमी नहीं है इसमे शहर के कई नामी गामी कलाकार सम्मलित होते जा रहे हैं साथ ही ऐसे युवा जिनकी गायकी मे रूचि है उन्हें प्लेटफार्म देने का भी हमारा प्रयास रहता है ताकि उन्हें अवसर मिले ओर उनकी कला से उनकी रोजी रोटी एवं परिवार की उम्मीद का वह सहारा बने इसी कड़ी मे हार्दिक कुमार जैसे बेहद गरीब परिवार के उत्कृष्ट कलाकारों को मंच देने की दिशा मे टेलेंट के महाकुम्भ मे संगीतकार दिलीप सेन के सामने एवं अपना घर वृद्धआश्रम के इस कार्यक्रम मे उनकी रूहानियत को जनमानस तक पहुंचाने का प्रयास किया है क्लब को बहुत से कलाकारों ने अपनी मधुर आवाज को अवसर देने की पेशकश की है जिन्हें आगामी आयोजित कार्यक्रमों मे अवसर दिया जायेगा इस अवसर पर अपना घर की संचलिका माधुरी मिश्रा ने कार्यक्रम की सराहना कर बुजुर्गो को सम्मान देने के लिए रोटरी क्लब ऑफ़ भोपाल अरेरा का आभार व्यक्त किया।

स म्पा द की य

महंगाई से परेशान, बंद है जुबान

सरकारी आंकड़े कुछ भी कहें, देश में महंगाई और बेरोजगारी की समस्या तो लगातार बढ़ी है और बढ़ रही है। भले ही कहते नहीं, किसी को बताते भी नहीं, लेकिन देश के मध्यम और निम्न मध्यम श्रेणी के लोग महंगाई से परेशान तो हैं। हाल ही में पीडब्ल्यूसी ग्लोबल कंज्युमर इनसाइट्स पल्स सर्वे आया है। इस सर्वे में कहा गया है कि छोटे ही नहीं, बड़े शहरों के लोग भी अगले छह महीने तक खर्च को लेकर चिंतित रहेंगे। इसके अनुसार 74 प्रतिशत भारतीय निजी खर्च कम करने और बचत को बढ़ाने के लिए लालायित हैं।

अब दुनिया भर के साथ ही देश में भी कोरोना की लहर फिर से आ गई है। और इस बीच मध्यम व निम्न वर्ग अभी तक संभल कर खड़ा ही नहीं हो पाया है। बाजार की खरीदारी देख कर कतई अंदाजा नहीं लगाना चाहिए कि देश में समृद्धि बढ़ी है। सर्वे की बात करें तो सर्वे में लोगों ने बताया कि रेस्त्रां में डिनर, कंज्युमर इलेक्ट्रॉनिक्स की ख़रीदी, फ़ैशन, पर्यटन और ग़ैर ज़रूरी–महँगी ग्रॉसरी में अब वे निश्चित तौर पर कटौती करने वाले हैं। इसका उल्टा परिणाम भी सर्वे में देखने को मिला है। युवा अपने पर्यटन में कोई कमी नहीं करना चाहते।

दूसरी तरफ़ एक दिलचस्प ट्रेंड यह भी सामने आया है कि संपन्न लोग भी स्वदेशी की तरफ़ आ रहे हैं। वे देश में बन रहे प्रोडक्ट्स को ख़रीदने में रुचि दिखा रहे हैं। सर्वे में शामिल 47 प्रतिशत लोगों ने कहा वे अब ऐसी जगह ख़रीदारी करेंगे, जहां उन्हें क़ीमतों में छूट मिलेगी। 45 प्रतिशत ने कहा कि वे प्रीमियम फ़ोन जैसे प्रोडक्ट तभी ख़रीदेंगे जब उन पर स्पेशल ऑफ़र चल रहे हों। वर्ना नहीं ख़रीदेंगे। कुछ लोग खर्च कम करने के लिए चीजों को बल्क में ख़रीदने और अपेक्षाकृत सस्ते ब्रांड की तरफ़ जाने को भी तैयार हैं। यह बात अलग है कि स्वदेशी ब्रांड विदेशी के बजाय महंगे मिलते हैं, सो कमजोर तबका उसके प्रति अरुचि दिखाने विवश है।

एक तरफ यह सही है कि कोरोना के वक्त कई तरह की आफ़त झेल चुके लोगों में बचत के प्रति रुचि बढ़ी है, लेकिन बैंकों में बचत करना नहीं चाहते और घर में रख नहीं सकते। यह दुविधा भी बढ़ी है। सर्वे कहता है कि छह महीने बाद यह रुचि बदल भी सकती है, लेकिन धीरे– धीरे फिर से कोरोना की आहट बढ़ रही है। इसे देखते हुए लोग सचेत रहना चाहते हैं। धनी–मनी लोगों का स्वदेशी की तरफ़ आकर्षित होना भी अच्छा संकेत है, लेकिन मध्यम वर्ग महंगे पेट्रोल और गैस सिलेंडर से परेशान तो है। वैसे पैसा चुकाते वक्त उसे इसका फ़र्क़ नज़र नहीं आता होगा क्योंकि ज़्यादातर पेमेंट ऑनलाइन हो रहा है, लेकिन महीने के अंत में बैंक अकाउंट देख कर तोते उड़ जाते हैं।

महंगाई की इस चिंता के बीच सिर पर खड़े चुनाव इसे और बढ़ाने वाले हैं। चार राज्यों के चुनावों के दौरान बाज़ार में जब बेहिसाब करोड़ों रुपया आएगा तो महंगाई तो बढ़नी ही है। आम आदमी के पहुँच की चीजें महँगी हो जाएगी। मज़दूरी भी बढ़ जाएगी। मज़दूरी बढ़ी तो फसल कटाने से लेकर मकान बनवाने तक हर चीज महँगी हो जाएगी। चुनाव का पैसा आख़िर हिसाब–किताब का मोहताज तो होता नहीं। हां, बीपीएल या गरीबी रेखा के नीचे के लोगों की बढ़ती संख्या सत्तापक्ष के लिए जैसे वरदान साबित हो रही है। उसके लिए दनादन योजनाओं की बरसात की जा रही है। नकद पैसे बांटे जा रहे हैं।

यह बात और है कि बीपीएल में आधे लोग फर्जी हैं। वहीं मध्यम और निम्न वर्ग की हालत बीपीएल से भी खराब है। वह अपना स्टेटस बनाए रखने की खातिर कर्ज लेकर जीवन यापन कर रहा है। उसके लिए कोई सरकारी योजना नहीं है। उसे बच्चों को पढ़ाने से लेकर महंगे इलाज का बोझ खुद ही उठाना पड़ता है। सो, कर्ज के अलावा कोई उपाय नहीं बचता। ज्यादा कर्ज बढ़ता है तो आत्महत्या कर लेता है। पर, सरकार को क्या? वो तो उसीकी सुनती है, जो चिल्लाता है। और मध्यम व निम्न मध्यम वर्ग चिल्लाता नहीं है। अपना अधिकार मांगता नहीं है। बुराई यह भी है कि धर्म और संप्रदाय के नाम पर फिसल जाता है। पढ़ा लिखा होने के बावजूद। और यही कारण है कि इस वर्ग की सबसे ज्यादा फजीहत हो रही है। होती रहे। कौन देख रहा है। खुद मैदान में नहीं आओगे, तो भुगतोगे।

48 घंटे में चार आईएएस को बदलने की अंतरकथा

सुरेश तिवारी

भोपाल में गत सप्ताह आईएएस अधिकारियों के

तबादलों की जारी सूची में 48 घंटे में ही फेरबदल किए गए। उसके अंदर की क्या कहानी रही है इस मामले में कुछ कहने के बजाय यह जरूर कहा जा सकता है कि आशीष सिंह के रूप में भोपाल को एक योग्य कलेक्टर मिल गया। सब जानते हैं कि आशीष सिंह ने उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर में महाकाल लोक का निर्माण कर ना सिर्फ मध्यप्रदेश वरन देश में एमपी को ख्याति दिलवाई थी। आशीष सिंह सुपर टाइम मिलने से पहले अभी 3– 4 साल और कलेक्ट्री कर सकते हैं। इसलिए यह माना जा सकता है कि उन्हें बजाए कुछ और असाइनमेंट देने के कलेक्टर के रूप में फील्ड में काम करना सरकार के लिए परिणाम मूलक और ज्यादा उपयोगी साबित होगा।

पर्यटन विकास निगम के एमडी विश्वनाथन को हटाना इस बदलाव का एक नेगेटिव पक्ष कहा जा सकता है क्योंकि उनकी गिनती अच्छे अधिकारियों में होती रही है। जो भी हो इस एपिसोड में विश्वनाथन को खामियाजा भुगतना पड़ा और वे जल निगम के एमडी बनाए गए जहां पर करने को कुछ ज्यादा है ही नहीं। इसीलिए तो जब अविनाश लवानिया का वहा पोस्टिंग किया गया था तो यह बात सामने आई थी कि एक युवा अफसर की योग्यता का यह एक प्रकार से हनन है। राजनीतिक दृष्टिकोण कुछ भी हो और रहा हो लेकिन इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि लवानिया एक योग्य अधिकारी हैं। इसीलिए जब उन्हें आशीष सिंह के स्थान पर मध्य प्रदेश राज्य सड़क विकास निगम का एमडी बनाया गया तो इस पदस्थापना को उचित ही माना गया।

रहा सवाल कौशलेंद्र विक्रम सिंह का तो, उन्हें जब भोपाल का कलेक्टर बनाया गया तो चर्चा में यही है कि जो फैक्टर उन्हें ग्वालियर से हटाने का रहा था वही शायद भोपाल में भी काम कर गया और वे भोपाल कलेक्टर बनने से वंचित रह गए।

केंद्रीय मंत्री के सामने कार्यकर्ताओं ने एक मंत्री को लेकर जताया आक्रोश

केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर भाजपा के रूठे लोगों को मनाने इंदौर आए थे। उन्होंने कितनों को मनाया और कितने माने, यह तो अलग बात है। लेकिन, उन्हें एक मंत्री के बारे में बहुत ज्यादा शिकायतें मिली। बताया गया हैं कि होटल प्राइड में आयोजित इस बैठक में महू की विधायक और प्रदेश की पर्यटन मंत्री उषा ठाकुर के बारे में महू से आए कई भाजपा के नेताओं ने नरेंद्र तोमर को साफ–साफ कहा कि इस बार वे महू से चुनाव जीत पाएगी, इसमें शंका है।

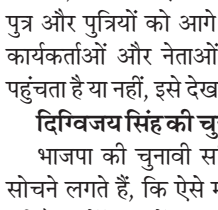

महू के संघ से जुड़े वरिष्ठ भाजपा नेता ने तो आक्रोश व्यक्त करते हुए साफ साफ कहा कि न तो वे किसी कार्यकर्ता से मिलती है और न कभी संपर्क करती हैं। ऐसी स्थिति में उनका महू से फिर चुनाव जीतना बहुत कठिन है। पार्टी को महू से विधानसभा चुनाव के लिए किसी नए नेता के बारे में विचार करना चाहिए।

इसके अलावा भाजपा कार्यकर्ताओं ने कविता पाटीदार के बारे में भी नरेंद्र तोमर के सामने अपना गुस्सा निकाला। उनका कहना था कि पार्टी ने कविता पाटीदार में ऐसी क्या योग्यता देखी कि कई योग्य और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर उन्हें सीधे राज्यसभा भेज दिया और पार्टी में भी महत्वपूर्ण पद दे दिया। लोगों ने सीधा आरोप लगाया कि एक तरफ भाजपा भाई–भतीजावाद से परहेज करने की बात करती है और पार्टी के नेताओं के परिवारों को हर जगह बढ़ावा दिया जाता है। जो लोग पार्टी के लिए काम करते हैं, उन्हें हाशिए पर रख दिया जाता है और नेता पुत्र और पुत्रियों को आगे बढ़ाया जाता है। लेकिन, कार्यकर्ताओं और नेताओं का ये गुस्सा ऊपर तक पहुंचता है या नहीं, इसे देखना होगा।

दिग्विजय सिंह की चुनावी सक्रियता!

भाजपा की चुनावी सक्रियता देखकर लोग यह सोचने लगते हैं, कि ऐसे माहौल में कांग्रेस क्या कर रही है! क्योंकि, उन्हें भाजपा की तरह हर जगह कांग्रेस की सक्रियता दिखाई नहीं देती। लेकिन, कांग्रेस में भी एक व्यक्ति है जो लगातार दौरे कर रहा है। हर जिले और गांव में घूम रहा है कांग्रेस को चुनाव के लिए तैयार कर रहा है। यह व्यक्ति पार्टी कार्यकर्ताओं को बता रहा है कि निरुत्साहित होने की जरूरत नहीं, जनता के बीच जाने की जरूरत है।

बात हो रही है दिग्विजय सिंह की, जो लगातार दौरे कर रहे हैं। पहले उन्होंने विंध्य क्षेत्र का दौरा किया, उसके बाद वे ग्वालियर क्षेत्र में गए और अब वे 5 दिनों तक बुंदेलखंड क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं। लेकिन, कोई हल्ला नहीं, कोई प्रचार नहीं, सीधे संपर्क और संवाद के जरिए वे कार्यकर्ताओं को उत्साहित भी कर रहे हैं और रणनीतिक तौर पर तैयार भी कर रहे हैं। इसके विपरीत प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ की सक्रियता हेलीकॉप्टर वाली है और जब भी वे बोलते हैं कोई न कोई नया विवाद खड़ा हो जाता हैं।

ऐसी स्थिति में यदि चुनाव में पांसा पलटता है, तो उसका श्रेय दिग्विजय सिंह के खाते में भी जाएगा जो पूरी तरह से कांग्रेस को चुनाव के लिए तैयार कर रहे हैं। पिछले चुनाव में कांग्रेस को जो सफलता मिली थी, उसका काफी कुछ श्रेय उन्हें दिया गया था। क्योंकि, नर्मदा परिक्रमा के बाद उन्होंने नए जोश से पार्टी का प्रचार किया था। इस

अभी एक और लिस्ट का इंतजार कीजिए

विधानसभा चुनाव से पहले ट्रांसफर होने का दौर शुरू हो गया। कई आईएएस और आईपीएस बदल दिए गए। कई जिलों के कलेक्टर और एसपी को इधर–उधर कर दिया गया। इसके अलावा एसडीएम और तहसीलदार तक के ट्रांसफर हो गए। लेकिन, कहा जा रहा है कि आईएएस अधिकारियों की अभी एक बड़ी लिस्ट आना और बाकी है।

समझा जा रहा है कि इंदौर और उज्जैन कमिश्नर भी उस लिस्ट में शामिल होंगे। क्योंकि, इन दोनों अफसरों को नवंबर तक 3 साल पूरे हो जाएंगे और विधानसभा चुनाव पहले इनका तबादला होना तय है।

इसी लिस्ट में चुनाव की दृष्टि से कुछ और कलेक्टर के तबादले भी हो सकते हैं। कहा नहीं जा सकता कि यह लिस्ट कब आएगी। लेकिन, अब कभी भी इस लिस्ट के आने की संभावना है।

रूठों को मनाने के लिए वरिष्ठों को भूली पार्टी

भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव से पहले सभी रुठे नेताओं और कार्यकर्ताओं को मनाने के लिए एक योजना बनाई है। इस योजना में प्रदेश के 14 बड़े नेताओं को शामिल किया गया, जिनके बारे में माना जाता है कि उनकी बात को कोई टाल नहीं सकता। इन नेताओं को तीन लेकर चार जिले दिए गए हैं। वे इन जिलों की यात्रा करेंगे, मीटिंग करेंगे और ऐसे कार्यकर्ताओं की मान–मनौव्वल करेंगे जो रूठकर बैठे हैं। इन नेताओं ने यह काम शुरू भी कर दिया है।

जो नेता और कार्यकर्ता इस समय रूठकर बैठे हैं, वे मानते हैं या नहीं ये अलग बात है! पर पार्टी की रणनीति में कई ऐसे वरिष्ठ नेताओं को हाशिए पर रख दिया गया जो वास्तव में वरिष्ठ हैं और कार्यकर्ताओं को अपने तरीके से समझा सकते हैं। ये वास्तव में इतने वरिष्ठ हैं, कि उनके सामने कोई अपनी नाराजगी तक व्यक्त नहीं कर सकता। लेकिन, पार्टी ने ही इन्हें किनारे कर दिया।

ऐसे नेताओं में कई बार विधायक रहे विक्रम वर्मा और हिम्मत कोठारी को भी गिना जा सकता है। गौरीशंकर शेजवार और अजय विश्नोई का भी उपयोग इसमें किया जा सकता था। विक्रम वर्मा तो फ़िलहाल पार्टी के सबसे वरिष्ठतम नेताओं में एक हैं। वे राज्यसभा में गए और प्रदेश और केंद्र में मंत्री भी रहे। उन्होंने अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा पार्टी में बिताया है। इसके अलावा भी पार्टी में कई ऐसे नेता हैं, जिन्हें इतनी अहम जिम्मेदारी से अलग रखा गया।

केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल की फिर जोरों से चर्चा

दिल्ली के सियासी गलियारों में इन दिनों चर्चा जोरों पर है कि अब केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल की बारी है। सूत्रों का कहना है कि कुछ दिनों पहले प्रधानमंत्री ने चुनिंदा मंत्रियों के साथ चर्चा भी की है लेकिन इस बारे में आधिकारिक जानकारी का इंतजार है।

संसद का बजट सत्र- 103.30 घंटे की कार्रवाई विरोध की भेंट चढ़ी

तमाम बाधाओं के बावजूद संसद का बजट सत्र पूर्व निर्धारित तारीख 6 अप्रैल को ही समाप्त हुआ। हालांकि होली अवकाश के बाद दोनों सदनों की कार्यवाही लगातार बाधित रही राज्य सभा अध्यक्ष जगदीप धनखड के अनुसार इस सत्र में 103.30 घंटे की कार्रवाई विरोध के भेंट चढ़ गयी।

बजट जैसा महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी हंगामे के बीच पारित हुआ। सत्ता और विपक्ष हंगामे के लिए एक दूसरे को दोष देते रहे लेकिन गंभीरता किसी ने भी नहीं दिखाई।

सरकारी नौकरी में छुट्टी की भी अलग कहानी

आनंद कुमार शर्मा

प्राइवेट क्षेत्र का तो पता नहीं जहाँ काम घर से ही करने का चलन जोरों से चल पड़ा है! पर, सरकारी नौकरी में 'घर' पर रहने का मतलब छुट्टी ही होता है, चाहे आप जितना भी काम कर लो। ऐसा नहीं है की सरकारी नौकरी में छुट्टी नहीं मिलती है, मिलती ज़रूर है पर ज़रूरी नहीं कि वो तब ही मिले जब आपको उसकी जरुरत हो। छुट्टी न मिलने से परेशान एक अधिकारी अपने कलेक्टर के पास पहुँचे और उन्हें छुट्टी की दरखास्त देते हुए कहा की सर मैं छुट्टी जा रहा हूँ। कलेक्टर ने उनसे कहा कि अभी तो तुमने आवेदन ही दिया है, मंजूरी कहाँ हुई! तो परेशान तबीयत के उस बंदे ने जबाब दिया कि सर छुट्टी का आवेदन देना मेरा काम है, मंजूर करना या ना करना आपका काम है। उसे मानना या न मानना मेरा तो मैं तो चला! नमस्कार कर वे पलटकर चल दिए।

मेरे एक मित्र हैं जो उज्जैन में मेला अधिकारी के पद पर पदस्थ थे। सिंहस्थ का दौर समाप्त हो चुका था, पर उनकी पदस्थापना नहीं बदली थी। एक दिन मुझसे मिलने आए तो कहने लगे 'सर मेला कार्यालय में अब कुछ खास काम बचा नहीं है , सोचता हूँ दस–पंद्रह दिन की छुट्टी ले लूँ।' मैंने परिहास में कहा कि जब काम ही नहीं है, तो छुट्टी हुई लेने की क्या जरूरत! कोरोना काल में जब दफ्तरों को बंद कर दिया गया था, तो मैदानी अफसरों के पास सिवाय ज़रूरी निगरानी के कोई और काम तो बचा नहीं था। हम सभी अफ़सर मिल कर जिलों के दौरे किया करते थे। एक दिन जब उज्जैन शहर के क्वारंटाइन इलाकों का दौरा चल रहा था तो कप्तान बोले 'सर बहुत दिन हो गए, अजीब रूटीन है, कोरोना ख़त्म हो तो छुट्टी लेकर आराम करेंगे। मैंने सोचा इतने दिनों से दफ़्तर बंद हैं, तो अभी क्या कर रहे हैं।

छुट्टी देने के मामले में सबके अपने–अपने अनुभव है। कुछ ऐसे अफसर होते हैं जिन्हें 'छुट्टी' शब्द सुनकर ही बुखार आ जाता है। हालांकि कुछ ऐसे भी होते हैं, जो बड़े उदार भाव से छुट्टी देते हैं। कंजूसी से छुट्टी देने वालों को क्या याद करें, हाँ उदारता के मामले में मुझे याद आते हैं श्री आरसी सिन्हा। मैं सागर से उज्जैन स्थानांतरित होकर नया–नया आया था और परिवार सागर में ही था। गुरुवार के दिन कलेक्टर पूछते सागर नहीं जा रहे हो। मैं कहता 'जी शुक्रवार की रात निकल जाऊँगा और सोमवार को आ जाऊँगा।' सिन्हा साहब कहते अरे चाहो तो आज निकल जाओ और मंगल को आओ तब भी चलेगा।

अवकाश देने में मामले में एनके त्रिपाठी साहब का भी जवाब नहीं था। त्रिपाठी साहब प्रदेश के परिवहन आयुक्त थे, मैं देखता समीक्षा बैठक के दौरान भी कई आरटीओ छुट्टी मांगते तो वे बिना हिचक दे देते। बस पूछते आपके साथ कोई आया है? वो सज्जन कहते जी हाँ आरटीआई आया है, तो कहते बस उससे कहो मीटिंग में बैठे और तुम्हारी बारी आए तो जानकारी बता दे।

कई बार तो मैं कहता भी कि सर ये जान बूझ कर भाग रहा है इसकी परफार्मेंस ठीक नहीं है तो हंस के कहते उसके मीटिंग में रहने से कौन सी परफॉर्मेंस सुधर जाएगी। कई बार तो मुझे भी विधानसभा चलने के दौरान जरूरी होने पर छुट्टी दे दी। वापस लौट जब मैंने डीलिंग असिस्टेंट से पूछा कि कोई परेशानी तो नहीं आई ? तो उसने कहा नहीं सर बस एक विधानसभा का स्थगन प्रस्ताव आ गया था पर साहब ने सीधे मुझे बुलाया फाइलें खुद देखी और उत्तर बनवा दिया।

जमूरों के भरोसे चलता आभासी-संसार

पंकज शर्मा

बीमारों का कैसे इलाज़ करें? इसलिए अपने अनुगामियों की तुलना में नरेंद्र भाई सिर्फ़ 0.003 प्रतिशत लोगों को और राहुल महज़ 0.001 फ़ीसदी लोगों को ही फॉलो करते हैं। मैं तो मानता हूं कि इतना बड़प्पन दिखाना भी जनतंत्र को मज़बूत बनाने के लिए काफी है। वरना संसार के सब से बड़े लोकतंत्र का राष्ट्रपति को पूरा ठेंगा ही दिखाए बैठा है।

आप ही की तरह इतनी तो अक्ल मुझ में भी है कि मैं समझ सकता हूं कि नरेंद्र भाई मोदी और राहुल गांधी जैसे बड़े लोग अपने आभासी–मंचों यानी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का संचालन खुद नहीं करते हैं। इस काम के लिए वे एक टोली रखे रहते हैं। ठीक भी है। अगर ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर वे स्वयं ही बैठे रहेंगे तो देश कब चलाएंगे? और, देश नहीं चलाएंगे तो देश चलेगा कैसे? सो, देश को चलाने की ख़ातिर वे आभासी–संसार में अपनी मौजूदगी बनाए रखने का ज़िम्मा दूसरों पर छोड़ देते हैं और फिर यह दूसरों की बुद्धि पर है कि वे अपने–अपने ज़िल्ले–सुब्हानी की कैसी शक्ल दुनिया के सामने पेश करते हैं।

मगर नरेंद्र भाई हों या राहुल, अपने नाम से चलने वाली चूं–चूं मुठिया यानी ट्विटर और शक्ल–पुस्तिका यानी फेसबुक पर परोसी जा रही सारी सामग्री के लिए तकनीकी और नैतिक तौर पर ज़िम्मेदार तो वे खुद ही माने जाएंगे न! सो, अगर उन की तरफ़ से 'शीशी भरी गुलाब की' जैसी कोई ट्रक–टेंपो शेर–ओ–शायरी पोस्ट होती है तो लोग तो उन्हीं पर हंसेंगे। लोगों को भले ही मालूम हो कि यह नरेंद्र भाई या राहुल के दिमाग़ की नहीं, उन की टोली के किसी नन्हे–मुन्ने राही के अधकचरे मस्तिष्क की उपज है ङ्क इतनी जवाबदेही तो मूल खातेदार की मानी ही जाएगी कि उस ने अपने बहीखातों के पन्नों पर ऐसे जमूरे बिठा क्यों रखे हैं?

ज़्यादातर बड़े लोग इसलिए बड़े हैं कि उन्हें तो ज़माना फॉलो करता है, मगर वे इने–गिनों को ही अपने सामाजिक संप्रेषण मंचों पर फॉलो करते हैं। मसलन, ट्विटर पर इस वक्त सब से ज़्यादा फॉलोअर एलन मस्क के हैं। वे ट्विटर के मालिक जो ठहरे! जितने चाहें फॉलोअर बना लें। सो, उन के 13 करोड़ 38 लाख से ज़्यादा फॉलोअर हैं। मगर वे खुद सिर्फ़ 190 लोगों को फॉलो करते हैं। अमेरिका के राष्टपति जो बाइडन के करीब पौने चार करोड़ फॉलोअर हैं, लेकिन वे महज़ 47 को ही फॉलो करते हैं। अरे, अमेरिकी राष्टपति हैं भाई, कोई सड़क–चलते थोड़े ही हैं। यह अलग बात है कि उन के पूर्ववर्ती बराक ओबामा के सामने वे फॉलोअर की तादाद में कहीं नहीं ठहरते हैं। ओबामा दुनिया में ट्विटर–अनुगामियों के मामले में मस्क के बाद दूसरे क्रम पर हैं। उन की गठरी में 13 करोड़ 30 लाख फॉलोअर हैं, मगर वे इतने उदार भी हैं कि 5 लाख 62 हज़ार से ज़्यादा लोगों को खुद भी फॉलो करते हैं।

हमारे नरेंद्र भाई के पौने नौ करोड़ से ज़्यादा फॉलोअर हैं। वे ढाई हज़ार से कुछ ज़्यादा लोगों को फॉलो भी करते हैं। हाथ धो कर जिन राहुल गांधी के वे पीछे पड़े हैं, उन राहुल के ट्विटर–अनुगामियों की संख्या 2 करोड़ 32 लाख है, मगर राहुल खुद सिर्फ़ 269 को ही फॉलो करते हैं। नरेंद्र भाई अब तक 38 हज़ार से ज़्यादा ट्वीट कर चुके हैं। राहुल ने पौने 7 हज़ार के आसपास ट्वीट किए हैं। राहुल ने ट्विटर पर अपना खाता अप्रैल 2015 में खोला था और नरेंद्र भाई ने जनवरी 2009 में। इस हिसाब से राहुल औसतन सवा दो ट्वीट हर रोज़ करते हैं और नरेंद्र भाई सवा 7 ट्वीट हर रोज़।

राहुल और नरेंद्र भाई दोनों अपने–अपने ट्विटर पर ऐसे–ऐसों को फॉलो करते हैं कि आप दंग रह जाएं। दोनों की ही सूची में ऐसे–ऐसे शामिल नहीं हैं कि आप देख कर चकित रह जाएं। मैं नहीं कहता कि वे जिन के अनुगामी हैं, उन के नाम देख कर या वे जिन के अनुगामी नहीं हैं, उन्हें सूची में अनुपस्थिति देख कर नरेंद्र भाई या राहुल के बारे में कोई राय बनाई जानी चाहिए। क्योंकि दोनों को इस संदेह का लाभ मिलना चाहिए कि वे ट्विटर पर किस का अनुगमन करेंगे और किस का नहीं ङ्क यह भी उन की तरफ़ से उन की लिपिक–टोली ने तय कर दिया होगा। लेकिन फिर भी व्यवस्था के मानस को समझने के लिए यह जानना दिलचस्प तो है ही कि वे किन्हें फॉलो करते हैं।

तो आप को यह जान कर हैरत हो सकती है कि राहुल गांधी देश भर के जिन महज़ छह बुद्धिजीवियों और पत्रकारों को फॉलो करते हैं, वे हैं – मृणाल पांडे, राघव बहल, पी, साईनाथ, सायमा, नंदन नीलकेनी और कौशिक बसु। अगर आप सोचते हैं कि नरेंद्र भाई के ख़िलाफ़ झंडा बुलंद किए घूम रहे लेखकों, पत्रकारों, टीवीकर्मियों और यूट्यूब–सूत्रधारों को तो राहुल ज़रूर फॉलो करते होंगे तो चाहें तो अपने एकदम ग़लत होने पर विलाप कर लें! लेकिन नरेंद्र भाई हैं कि राहुल के रोम–रोम का विश्लेषण करने वाला शायद ही कोई ऐसा कलाकार–पत्रकार होगा, जिसे वे ट्विटर पर फॉलो नहीं करते हैं। मैं अनुपम खेर, शेखर कपूर और विवेक अग्निहोत्री की ही नहीं, सुधीर चौधरी, रूबिका लियाकत, सुशांत सिन्हा, गौरव आर्य और सुमित अवस्थी से ले कर, और–तो–और, अमन चोपड़ा तक की भी बात कर रहा हूं। बस, गिनते चले जाइए।

कांग्रेस के जिन 'दिग्गजों' को राहुल फॉलो करते हैं, उन के नाम मैं आप को क्या बताऊं? लेकिन यह मैं आप को ज़रूर बताना चाहता हूं कि दिल्ली के सिर्फ़ तीन कांग्रेसियों को वे फॉलो करते हैं ङ्क अजय माकन, अनिल चौधरी और अमृता धवन। उन की सूची में जयप्रकाश अग्रवाल, सुभाष चोपड़ा, हारून यूसुफ़, संदीप दीक्षित, रागिनी नायक, अलका लांबा, अरविंदर सिंह लवली, वग़ैरह कोई नहीं है। इसी तरह मध्यप्रदेश में अरुण यादव तो राहुल की सूची में हैं, मगर सुरेश पचौरी और अजय सिंह राहुल नहीं। कांग्रेस–अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के चार में से दो कार्यालयीन समन्वयकों को राहुल फॉलो करते हैं, मगर बाकी दो को नहीं। मैं ऐसी बहुत–सी अजीबोगरीब विरोधाभासी मिसालें दे सकता हूं, मगर आप कहेंगे कि मैं बाल की खाल निकाल रहा हूं, सो, यहीं रुक जाता हूं।

अब राहुल हों या नरेंद्र भाई, इतना बड़ा देश है, किस–किस को फॉलो करें? जिसे न करें, वही मुंह फुला लेगा। एक अनार, सौ बामारों का कैसे इलाज़ करे? इसलिए अपने अनुगामियों की तुलना में नरेंद्र भाई सिर्फ़ 0.003 प्रतिशत लोगों को और राहुल महज़ 0.001 फ़ीसदी लोगों को ही फॉलो करते हैं। मैं तो मानता हूं कि इतना बड़प्पन दिखाना भी जनतंत्र को मज़बूत बनाने के लिए काफी है। वरना संसार के सब से बड़े लोकतंत्र का राष्टपति को पूरा ठेंगा ही दिखाए बैठा है। अमेरिका में तो किसी ने नहीं पूछा कि वह ऐसा क्यों कर रहा है? यहां कम–से–कम मैं यह सवाल तो कर रहा हूं कि अगर अपने ट्विटर–मंच को संतुलित बनाने के लिए थोड़े ज़्यादा दरवाज़ों पर दस्तक दे दोगे तो आप का कुछ बिगड़ जाएगा क्या?

लेकिन राहुल को ही क्यों कुछ कहूं? राहुल कम–से–कम 269 को तो फॉलो करते हैं, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे तो सिर्फ़ 86 पर ही रुके हुए हैं। मीडिया–संप्रेषण की भारी–भरकम और सब से अहम ज़िम्मेदारी निभा रहे प्रभारी महासचिव जयराम रमेश तो 72 पर ही लटके हुए हैं। पार्टी–संगठन के प्रभारी महासचिव के. सी. वेणुगोपाल 150 से आगे नहीं बढ़ रहे। इन तीनों से ज़्यादा केंद्रीय भूमिका तो कांग्रेस में इस वक्त राहुल की भी नहीं है। सो, जब खड़गे, जयराम और वेणुगोपाल मेरे सामने हैं तो मैं राहुल की उदारता का अभिनंदन क्यों न करूं? भांग जब पूरे कुंए में पड़ी हो तो मैं किसे त्रैलोक्यविजया–प्रेमी कहूं, किसे नहीं?

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

खिलाड़ियों की अग्नि परीक्षा के बाद दो दिन का सलेक्शन ट्रायल खत्म

इटारसी मध्यप्रदेश की सब जूनियर महिला हॉकी टीम के लिए दो दिवसीय सलेक्शन ट्रायल रविवार को सुबह खत्म हो गया। शहर के गांधी मैदान पर मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से करीब एक सैंकड़ा लड़कियों ने दो दिन सुबह-शाम कड़ी मेहनत की, धूप में लगातार पसीना बहाने के बाद आज जिला हॉकी संघ ने उन्हें शुभकामनाओं के साथ रवाना किया। सुबह जिला हॉकी संघ के अध्यक्ष प्रशांत जैन, बैतूल से जगेन्द्र तोमर, कार्यकारी जिला अध्यक्ष शिरीष कोठारी, कोषाध्यक्ष सर्वजीत सिंघ सैनी, सचिव कन्हैया गुरयानी, ग्वालियर गर्ल्स हॉकी एकेडमी की कोच वंदना उईके, कोच पवन सिंह नर्मदापुरम, सिलेक्टर प्रवीण पसेरिया और सचिव जबलपुर, सुधीर दमोह, दीपसिंह ठाकुर के अलावा स्थानीय खिलाडियों में मयंक जेम्स, अमनकीत सिंघ भाटिया, विशाल तोमर, गीत सिंह ठाकुर सहित अनेक खिलाड़ी मौजूद रहे। जिला हॉकी संघ अध्यक्ष प्रशांत जैन ने सभी महिला खिलाडियों को कैंप के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दो दिन आपने अच्छी मेहनत की है, लेकिन यह शुरुआत है। अभी कैंप के लिए जिनका सलेक्शन होगा, उनको और अधिक मेहनत करना होगा ताकि अंतिम 18 में शामिल हो सको। यही टीम राउरकेला उड़ीसा में होने वाली सब जूनियर महिला हॉकी प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी।

नैनपुरः बेमौसम बरसात से किसानों में चिंता बढ़ी

नैनपुर बेमौसम बरसात से किसानों में चिंता बढ़ गई है खड़ी गेहूं की फसल की कटाई नहीं हो पा रही है बड़ी संख्या में हार्वेस्टर वाले जमीन की नमी बढ़ने के कारण नहीं कर पा रहे हैं नैनपुर ट्रैफिक अनियंत्रित टू व्हीलर फोर व्हीलर से प्रतिदिन दुर्घटनाएं हो रही है यातायात के बिगड़ने से लोग दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं मुख्य मार्ग पर हो रही घटनाओं को लेकर आमजन यातायात के नियंत्रण के लिए पुलिस प्रशासन को मुख्य मार्ग पर सुरक्षा बल लगाए जाने की मांग की है

वंदना ब्लॉक अध्यक्ष और पूजा जिला महिला कांग्रेस उपाध्यक्ष बनी

ओबैदुल्लागंज । पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी एवं महिला जिला कांग्रेस रायसेन के अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा जैन की अनुशंसा पर श्रीमती वंदना राजेश मालवीय को पुनः औबेदुल्लागंज की महिला ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष एवं श्रीमती पूजा यादव को जिला महिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इनके चयन पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र सिंह राजू पूर्व ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष महेश जैन, सुरजीत सिंह बिल्ले अनिल पटेल, साधु भैया, दुर्गेश यादव, रमेश गौर जिला जनपद सदस्य श्रीमती चंदा चौहान, विनोद इरपाचे , तूफान सिंह राजपूत , पामेश यादव ,आशीष गोर राजू मेहरा परेश नागर मनोज खटीक बसंत साहू हरपाल सिंह राजपूत, अमर पेठारी, कमलेश बाबूजी हरजीत सिंह मंग्गू जीतू नागर आदि सभी कांग्रेसियों ने शुभकामनाएं दी

मेगा होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आज

शहडोल - जिला आयुष अधिकारी डॉ शशि प्रभा पांडे ने जानकारी दी है कि विश्व होम्योपैथिक दिवस, 268वें हैनीमैन जयंती में राष्ट्रीय आयुष मिशन योजनांतर्गत लोक स्वास्थ्य सेवा प्रदाय गतिविधि से दिनांक 10 अप्रैल 2023 को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयुष विभाग द्वारा शासकीय होम्यो0 औषधालय शहडोल परिसर (न्यू गांधी चौक, दक्षिण वन मण्डल कार्यालय के सामने) में ष्होम्यो परिवार सर्वजन स्वास्थ्य, वन हेल्थ वन फैमिली आधारित मेगा होम्योपैथी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे होम्योपैथी के विशेषज्ञों द्वारा सभी प्रकार के असाध्य व कष्टसाध्य रोगों का उपचार किया जायेगा। इस शिविर में सभी आयु वर्ग के पुरुषों एवं महिलाओं की उनके रोगानुसार उचित जांच निःशुल्क औषधियां व उपचार होम्योपैथी के माध्यम से किया जायेगा।

राजाराम सेन बने युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष

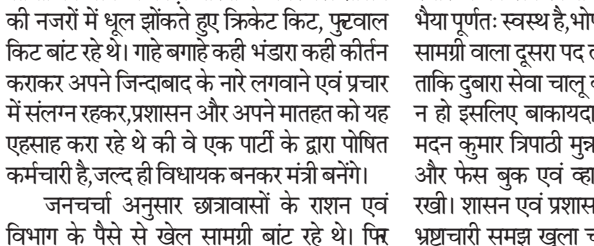

छतरपुर। सेन समाज विकास संगठन मध्यप्रदेश का प्रांतीय कार्यकारिणी सम्मेलन विधायक विश्राम गृह भोपाल के सभागार में सम्पन्न हुआ जिसमें राष्ट्रीय एवं प्रांतीय कार्यकारिणी का विस्तार हुआ। इस अवसर पर सम्मेलन में छतरपुर जिले का प्रतिनिधित्व कर रहे महाराजपुर निवासी राजाराम सेन को संगठन की ओर से युवा प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष का दायत्वि सौंपा गया। राजाराम सेन ने राष्ट्रीय अध्यक्ष डी.एस.राजौरिया एवं प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण सेन परमात्मा का आभार व्यक्त कर संगठन में सक्रियता और मजबूती लाने का संकल्प लिया।

लाडली बहना योजना बनाकर मेरी जिन्दगी सफल हो गई, मेरा चौथी बार मुख्यमंत्री बनना सार्थक हो गया : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने रतलाम में 1374 करोड के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया, श्री चौहान ने बदनावर की पाईप लाईन का विस्तार रतलाम तक करने की घोषणा की

रतलाम 7 प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है। विकास की दृष्टि से मुझे गर्व है कि जनता ने मुझसे जो जो कहा मैने उसे करके दिखाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाडली बहना योजना गरीब बहनों की जिन्दगी बदलने वाली योजना है। लाडली बहना योजना बहनों की जिन्दगी एवं सामाजिक क्षेत्र में एक क्रांति लाने वाली योजना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना बनाकर मेरी स्वयं की जिन्दगी सफल हो गई है। मेरा प्रदेश के चौथी बार मुख्यमंत्री बनना सार्थक हो गया। मुख्यमंत्री श्री चौहान शनिवार को रतलाम में लाडली बहना महासम्मेलन में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने रतलाम में 1374 करोड के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्थानीय पोलोग्राउण्ड में आयोजित लाडली बहना महासम्मेलन में रतलाम जिले को सौगात देते हुए घोषणा की कि नर्मदा नदी से पानी लाने के लिए बदनावर तहसील तक जो पाईप लाईन डली है, उस पाईप लाईन का विस्तार करते हुए उसे रतलाम तक लाया जाएगा। इन पाईप लाइनों के द्वारा रतलाम में गर्मी में तालाबों को पानी से भरा जाएगा, इस नर्मदा के पानी से लोगों की प्यास बुझाई जा सकेगी। मुख्यमंत्री ने लाडली बहनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मैं जीऊंगा तो आप बहनों के लिए और मरुंगा भी तो आप बहनों के लिए ही। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में लाडली बहना योजना की हितग्राही बहनों से पूछा कि कितनी बहनों के पंजीयन हो चुके हैं, और कितनी बहनों का पंजीयन होना शेष है। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि रतलाम जिले में 2 लाख 5 हजार लाडली बहना के पंजीयन का लक्ष्य था, लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 1 लाख 70 हजार बहनों के पंजीयन हो चुके हैं, शेष 35 हजार बहनों के पंजीयन भी शीघ्र ही कर दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बहनो से कहा कि शासन ने 30 अप्रैल तक सभी के फार्म भरवाना सुनिश्चित किया है, लेकिन 30 अप्रैल की तारीख को आगे भी बढाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन आराम से और बिना घबराए पंजीयन करवाना सुनिश्चित करे।

मुख्यमंत्री ने बहनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जिला प्रशासन सभी बहनों के बैंक खाते खुलवाना भी सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि लाडली बहना योजना का पैसा लाडली बहन के खाते में ही जाएगा, किसी और के खाते में जाएगा तो कडी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि पंजीयन कराते समय यदि पंजीयन सेन्टर बहनों से पैसा मांगेगे तो उनको जेल भेजने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि पंजीयन के लिए नेटवर्क नहीं मिलता है और नेटवर्क के लिए यदि बहनों को दूर-दूर तक भी जाना पडे तो जिला प्रशासन बहनों को गाडी से उस स्थान तक पहुंचाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि जून माह से सभी बहनों के खातों में योजना के तहत 1 हजार रुपए की राशि मिलनी शुरू हो जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जिन गरीबों के पास रहने की जगह नहीं हैं उन गरीबों के लिए मुख्यमंत्री भूआवासीय अधिकार योजना बनाई गई है, ऐसे लोगों को जमीन का पट्टा देकर जमीन का मालिक बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 12 वीं कक्षा में सर्वाधिक अंक लाने वाली छात्राओं को स्कूटी प्रदान की जाएगी। अवैध कालोनियां मामूली शुल्क देकर वैध कालोनी में परिवर्तित हो जाएंगी। शासन ने छोटे प्लाट पर भी घर बनाने की स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो किसान डिफाल्टर हो चुके हैं, उन डिफाल्टर किसानों का ब्याज भी शासन भरेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि 1 अप्रैल से शराब दुकानों के सभी अहाते बन्द कर दिए गए हैं, उन्होंने मौके पर ही एस.पी. श्री सिद्धार्थ बहुगुणा से पूछा कि जिले में कितने अहाते बंद हुए हैं, एस.पी. ने बताया कि सभी अहातों को बन्द कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने उन्हें चेतावनी दी कि यदि कोई अहाता खुला पाया गया तो कडी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। श्री चौहान ने कहा कि शराब एक बुराई है, और इस बुराई को धीरे-धीरे बन्द करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मैंने समाज में हमेशा बेटा और बेटी में भेदभाव होते देखा है, इसलिए मुख्यमंत्री बनने के बाद मैंने लाडली लक्ष्मी योजना बनाई। इस योजना में बेटियां जन्म के बाद लखपति हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि लाडली लक्ष्मी बेटियां यदि इंजीनियरिग या मेडिकल कालेज में प्रवेश लेती हैं तो उनकी फीस शासन जमा कराएगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना में गरीब बेटियों के हाथ पीले किए जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नगरीय निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने का सबसे पहला कदम म.प्र. सरकार ने ही उठाया था। मुख्यमंत्री ने बताया कि महिलाओं को समाज में उनका अधिकार दिलाने के लिए कई योजनाओं में विभिन्न प्रावधान किए गए हैं, इसका दूरगामी असर भी दिखने लगा है।

मध्यप्रदेश कांग्रेस आउटसोर्स ,अस्थाई व संविदा कर्मचारी प्रकोष्ठ का संभागीय सम्मेलन संपन्न

संविदा ,आउटसोर्स ,अस्थाई कर्मचारीयों के बंधुआ मजदूर से बदतर हालातः वासुदेव शर्मा

इटारसी, मध्यप्रदेश संविदा कांग्रेस आउटसोर्स,अस्थाई व संविदा कर्मचारी प्रकोष्ठ संभागीय सम्मेलन आज गुजराती भवन में संपन्न हुआ जिसमे नर्मदापुरम,बैतूल,हरदा जिले के संविदा,आउटसोर्स कर्मचारी उपस्थित हुए।

सम्मेलन को मुख्य अतिथि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि आज लाखो की संख्या में आउटसोर्स ,संविदा कर्मचारियों की स्थिति सरकार ने बंधुआ मजदूरी से भी ज्यादा बदतर कर दी,आज उन्हे सुविधा,जोखिम से सुरक्षा तो छोड़ो मेहनत का प्रतिफल भी नही मिलता,सरकार की नियत ठीक नही है मनरेगा का बजट कम करके सरकार अत्याचार कर रही है,उन्होंने कांग्रेस के सभी नेताओ से अपील की आप इन कर्मचारियों की आवाज उठाए,कर्मचारी आपके साथ है। पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष पंकज राठौर ने कहा कि कांग्रेस ने सार्वजनिक उपक्रमों की स्थापना कर रोजगार की व्यवस्था की आज सरकार इन उपक्रमों को बंद कर देश में बेरोजगारी की समस्या उत्पन्न कर रही है सरकार अपने उद्योगपति मित्रो को सरकारी मदद से लाखो करोड़ों का फायदा पहुंचा रहे,करोड़ों रुपए कर्ज ले रहे है पर संविदा,आउटसोर्स कर्मचारियों को वेतन विसंगति व अन्य सुविधाओं से वंचित किया जा रहा ये बहुत कष्टप्रद है।

जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष विजय बाबू चौधरी ने कहा आज संविदा कर्मचारियों की स्थिति खेतिहर मजदूरों से भी बदतर है आज योग्यता के हिसाब से काम नही मिल रहा कार्यसेवा के दौरान मृत्यु की स्थिति में आज उनका परिवार समस्याओं से लड़ता रहता है उन्हे कुछ मिलता नहीं प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता राजकुमार उपाध्याय केलु ने कहा कि भाजपा के शासन में संविदा,अस्थाई कर्मचारियों के हालात यह है कि वो अपने हक की लड़ाई के लिए सड़को पर है कमलनाथ जी ने कांग्रेस के वचन पत्र में इनकी समस्याओं को गंभीरता से हल करने की बात कही।

प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष कार्यक्रम आयोजक चंद्रकांत बहारे ने कहा कि यह लड़ाई बड़ी है इसमें सभी कांग्रेस नेताओ का सहयोग होगा तो निश्चित समस्याओं का हल निकलेगा। सम्मेलन को पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुधीर गौर,चंद्रगोपाल मलैया,कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन झालिया,वरिष्ठ कांग्रेस नेता समीर शर्मा,प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष रामकिशन यादव, प्रदेश महामंत्री अल्पसंख्यक विभाग परमजीतसिंह सलूजा लाली,नगर कांग्रेस अध्यक्ष मयूर जायसवाल, कांग्रेस पिछड़ा वर्ग नेता,गांधी चौपाल समन्वयक अभिषेक पटेल,गायत्री गिरि, ने संबोधित किया।

इस अवसर पर हरदा,बैतूल,नर्मदापुरम जिले में प्रकोष्ठ पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई कार्यक्रम का संचालन चंद्रकांत बहारे व आभार प्रदर्शन अभिषेक पटेल ने किया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष दीपक यादव,केशव शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग कांग्रेस मुकेश यादव, उपभोक्ता संरक्षण प्रकोष्ठ कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डा. नरेंद्र वर्मा,सरपंच नवल पटेल,जनपद सदस्य पप्पू आठनेरे,भवानी कहार, ट्रक ऑनर्स एसोसियेशन अध्यक्ष अंटू भाटिया, युवा कांग्रेस अध्यक्ष गोल्डी बेस,नर्मदा रैकवार सहित अनेक कांग्रेसी एवं संविदा आउटसोर्स,अस्थाई संविदा कर्मचारी प्रकोष्ठ के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लाड़ली बहना में लापरवाही पर पर्यवेक्षक सस्पेंड

शिवपुरी - मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में लापरवाही बरतने पर महिला बाल विकास की पर्यवेक्षक किरण झा को निलंबित कर दिया गया है। योजनान्तर्गत 23 से 60 वर्ष की पात्र विवाहित महिलाओं के आवेदन प्राप्त करने के लिए जिले के सभी जनपदों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है।

जनपद पंचायत शिवपुरी की ग्राम पंचायत सतनवाडाकला में अधिकारियों की टीम द्वारा किए गए निरीक्षण के दौरान सेक्टर सतनवाडा बाल विकास परियोजना शिवपुरी (ग्रामीण) की पर्यवेक्षक किरण झा निरीक्षण के दौरान कैंप से अनुपस्थित थी। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के आवेदन ऑनलाईन प्रविष्टि कराये जाने में कोई रूचि नही लिया जाने पर म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन काल में पर्यवेक्षक किरण झा का मुख्यालय कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत शिवपुरी रहेगा।

नई शिक्षा नीति पर कार्यशाला

शिवपुरी- शासकीय पीजी कॉलेज शिवपुरी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के प्रचार प्रसार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया मध्य प्रदेश सरकार के द्वारा संपूर्ण जिलों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रचार प्रसार करने के लिए निर्देशित किया गया है जिसमें प्राचार्य की अध्यक्षता में आज महाविद्यालय में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें उच्च शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं को समझाते हुए डॉक्टर यूसी गुप्ता ने कहा नई शिक्षा व्यवस्था को गुणवत्तापूर्ण एवं समग्रता मूलक बनाए जाने की दृष्टि से राष्ट्रीय शिक्षा नीति मैं कई प्रावधान किए गए जो आज की युवा पीढ़ी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

बेबी लीग फुटबाल प्रतियोगिता के लिए आज से होगा दूसरा चरण शुरू

सीहोर। शहर के चर्च मैदान पर इन दिनों फुटबाल समर कैंप के अलावा बेबी लीग फुटबाल प्रतियोगिता के लिए चयन प्रक्रिया का आयोजन किया जा रहा है। जिला फुटबाल एसोसिएशन के तत्वाधान में सोमवार से दूसरे चरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमें शेष रहे खिलाि?यों को अभ्यास के बाद प्रतियोगिता में खेलने का मौका दिया जाएगा।

जिला फुटबाल एसोसिएशन के सचिव और कोच मनोज कन्नोजिया ने बताया कि रविवार को दो अभ्यास मैचों का आयोजन किया गया था। जिसमें पहले मैच में सीहोर क्लब ने सीहोर जूनियर वाइस को एक रोमांचक मैच में 3-2 से हराया। इसके अलावा दूसरे मैच में सीहोर वाइस ने सीहोर चिल्ड्रन को एक तरफा मुकाबले में 2-0 से हराया। मैच के अंत में एसोसिएशन की ओर से मनोज दीक्षित मामा और सोनू रेकवार ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। रविवार को खेले गए अभ्यास मैच में सीहोर क्लब ने कांटे के मुकाबले में जीत हासिल की। इस मुकाबले में दोनों ही पहले हाफ तक 2-2 से बराबरी पर थी, लेकिन सीहोर क्लब की ओर से सात्विक ने एक गोल कर अपनी टीम को विजय दिलाई। इस मैच में सीहोर क्लब की ओर से अवनिश, नैतिक और सात्विक ने एक-एक गोल किया। वहीं सीहोर जूनियर वाइस की ओर से चित्रांश-ललित ने एक-एक गोल किया था। इसके अलावा एक अन्य मुकाबले में सीहोर वाइस की टीम ने सीहोर चिल्ड्रन को 2-0 से हराया। इस मैच में सीहोर वाइस की ओर से रोहन और अरीव ने एक-एक गोल किया।

कमलनाथ के खिलाफ असभ्य बोल पर जिला मुख्यालय में कांग्रेसियों ने मुख्यमंत्री का पुतला जलाया

सिवनी– मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की प्रदेश में बढ़ती लोकप्रियता से घबराकर दुर्भावना से प्रेरित शिवराजसिंह चैहान और भाजपा के लोगो द्वारा कमलनाथ जी के खिलाफ लगातार अनर्गल एवं असभ्य ब्यान दिये जा रहें है। कमलनाथ द्वारा प्रदेश में बढते अपराध, गुंडा राज, धार्मिक जुलूसों पर विवाद भाजपा एवं उससे जुडे सहयोगी संगठनों द्वारा लगातार प्रदेश में साम्प्रदायिक सद्भाव को खत्म कर अशांति फैलाये जाने को लेकर चिंता व्यक्त की थी। जिससे प्रदेश के घोषणावीर मुख्यमंत्री तिलमिला गये और अपनी भाषा में संस्कारो का परिचय देते हुये कमलनाथ पर स्तरहीन टिप्पणी की है जो यह पहला अवसर नही है जब सत्ता खोने के डर से शिवराज द्वारा इस तरह के शब्दों का प्रयोग किया गया हो, इसके पूर्व में भी शिवराजसिंह चैहान द्वारा कमलनाथ को जमीन में गाड़ दूंगा कहा था। जिसके विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी सिवनी द्वारा नगरपालिका के सामने धरना देकर आक्रोश व्यक्त कर शिवराजसिंह चैहान का पुतला दहन किया गया।

धरना कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार खुराना, एड. पंकज शर्मा, ब्रजेशसिंह(लल्लू)बघेल, राजा बघेल, मोहनसिंह चंदेल, जे.पी.एस.तिवारी, विजय नाहटा, दीवान आजम अली, विष्णु करोसिया, अतुलचंद मालू, सूर्यनारायणसिंह बघेल, योगेन्द्र सोनी, राजिक अकील, आनंद पंजवानी, एड. राजेन्द्रसिंह सिसोदिया, राजेश मानाठाकुर, मुकेश चीकू सक्सेना, शुभम अग्रवाल, नितिन बघेले, सुमित मिश्रा, चंदनसिंह खताबिया, जोऐब जकी अनवर खान, शिबू सेंगर, डालचंद बर्वे, निर्मल निखारे, विनोद यादव, राकेश अग्रवाल, सुशील सोनकेशरिया, एड. योगेश ब्यौहार, सुशील ठाकुर, संदेश तिव्हन, हर्षित बघेल, प्रवेश बाबू भालोटिया, आशीष ताम्रकार, जावेद खान, शाहिद खान रानू, संदीप चैहान, एड. शाहिद रजा, टिकेन्द्र देशमुख, सुदेश चैरसिया, ओमनारायण बघेल, कैलाश अवधिया, महेन्द्र कटरे, विनोद नामदेव, राजेश खरे, एड. मिर्जा फैसल बेग, सरदारसिंह बघेल, रामानसिंह बघेल, अतीक आलम, विनोद नाग, श्याम प्रजापति, नीलेश पालीवाल, सुनीता वर्मा, सत्यप्रकाश कश्यप, जय गुप्ता, अजय सोनी, दीपक बघेल, दीपक बघेल, राहुल सोनी, कमलेश नागवंशी, सुजीत गोदरे, अनील बघेल, सतीश ठाकुर, रविन्द्रसिंह बघेल सहित बडी संख्या में कांग्रेस जनों की उपस्थिति रही।

खबर का असरः मुन्ना भैया हुए गायब और वापस लौटे डॉ मदन त्रिपाठी

शहडोल। जिला शिक्षा केन्द्र शहडोल के पूर्व जिला परियोजना समन्वयक डा. मदन कुमार त्रिपाठी, शासकीय सेवा में रहते हुए विगत 1 वर्ष से पूर्णत राजनीतिक गतिविधियो में संलग्न थे। मध्यप्रदेश शासन की कर्मचारियों के लिए निर्धारित अचार संहिता को खुला चौलेन्ज कर रहे थे। एक तरफ सामाजिक संगठन क्रीड़ा भारती के बैनर तले शासन की नजरों में धूल झोंकते हुए क्रिकेट किट, फुटवाल किट बांट रहे थे। गाहे बगाहे कही भंडारा कही कीर्तन कराकर अपने जिन्दाबाद के नारे लगवाने एवं प्रचार में संलग्न रहकर,प्रशासन और अपने मातहत को यह एहसाह करा रहे थे की वे एक पार्टी के द्वारा पोषित कर्मचारी है,जल्द ही विधायक बनकर मंत्री बनेंगे।

जनचर्चा अनुसार छात्रावासों के राशन एवं विभाग के पैसे से खेल सामग्री बांट रहे थे। फिर अचानक हाइकोर्ट द्वारा स्टे निरस्त हो गया और इनके चुनाव प्रचार में विराम लग गया। मुन्ना भैया व्यस्त हो गए पिछले तारीखों से अपनी फाइल निपटाने और अपनी नई पदस्थापना कराने में। क्योंकि अब, सरकारी राशन एवम खेल सामग्री बन्द हो गयी। तो मुन्ना भईया का एमएलए वाला टाइटल भी,हटाना पड़ा। एकाएक गायब होने से कोतमा की जनता व्याकुल हो गयी।कहने लगी कहाँ गइस मोर मुन्ना का शोर उठ गया।जनता परेशान होकर मुन्नाभैया के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हो उठी। पता चला मुन्ना भैया पूर्णतः स्वस्थ है,भोपाल से पुनः फ्री के राशन एवं सामग्री वाला दूसरा पद लेने की फिराक में घूम रहे है। ताकि दुबारा सेवा चालू की जा सके। जनता परेशान न हो इसलिए बाकायदा फेस बुक पेज बनाया डॉ मदन कुमार त्रिपाठी मुन्ना भैया कोतमा विधानसभा और फेस बुक एवं व्हाट्सएप पर राजनीति चालू रखी। शासन एवं प्रशासन को अपाहिज,अकर्मण्य, भ्रष्टाचारी समझ खुला चौलेन्ज कर दिया, बकायदे मुख्यमंत्री के आगमन पर एवं उसके पहले बहुत से सुविचार एवं वीडियो फेस बुक पेज से,वाकायदा अपना प्रचार प्रसार करते रहे।हद तो तब हो गयी जब वह मुख्यमंत्री के व्योहारी आगमन पर पूरी वीडियो डालकर बाकायदा अभिनंदन करने लगे। ऐसा दुस्साहस तो स्थानीय नेता भी नही किये।

तब श्रीजी न्यूज ने नियमो का हवाला देर हुए खबर चलाई।प्रशासन ने तो कोई संज्ञान नही लिया, या लिया हो मालूम नही चला।लेकिन मदन कुमार त्रिपाठी मुन्ना भैया कोतमा विधानसभा के नाम से संचालित पेज में सुधार जरूर हो गया। उस पेज एवं हनुमान जयंती पर प्रेषित शुभकामनाओ से मुन्ना भैया कोतमा विधानसभा वाली लाइन गायब हो गयी। अब कोतमा की जनता अपने आप को ठगा सा महसूस करने लगी है।और यह मान चुकी है कि मुन्ना भैया कोई भंडारा, खेल सामग्री वितरण, सुंदरकांड, संकीर्तन का कोई आयोजन नही कर रहे है। ऐसा लगता है कि मदन त्रिपाठी मुन्ना भैया, ने कोतमा विधान सभा का परित्याग कर दिया है। अब उनका एक सूत्री कार्यक्रम शेष बचा है। येन केन प्रकारेण डीईओ शहडोल की कुर्सी हथिया कर डीपीसी का प्रभार लेना।

मेडिकल कालेज संघर्ष मोर्चा की अहम बैठक आज

छतरपुर। छतरपुर जिले में लगभग तीन सालों तक चले मेडिकल कॉलेज आंदोलन के बाद वर्ष 2018 में विधानसभा चुनाव के ठीक पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नौगांव रोड पर चिन्हित लगभग 35 एकड़ शासकीय जमीन पर मेडिकल कॉलेज निर्माण की आधारशिला रखी थी। आधी रात को चुनावी फायदे के लिए किए गए इस शिलान्यास के बाद लगभग साढ़े चार साल का वक्त गुजर चुका है। फिर से चुनाव नजदीक हैं लेकिन छतरपुर के मेडिकल कॉलेज के निर्माण में कोई प्रगति नहीं हुई है। शिलान्यास के पत्थर से आगे बढ़कर अब सिर्फ प्रस्तावित जमीन के पास मेडिकल कॉलेज का एक टीन बोर्ड लगा हुआ है। इधर मेडिकल कॉलेज के बार-बार टलते निर्माण से संघर्ष मोर्चा नाराज है। सोमवार 10 अप्रैल को मेडिकल कॉलेज के संबंध में आंदोलन हेतु एक बड़ी बैठक का आयोजन किया जा रहा है।

मेडिकल कालेज निर्माण कार्य के लिए जेपी इंफ्रा ठेकेदार ने एस्टीमेट रिवाइज किए जाने की मांग की थी। रिवाइज नहीं होने पर काम बंद करने की बात पीआइयू को पत्र के माध्यम से कही है। इसी से फिलहाल मेडिकल कालेज का निर्माण कार्य बंद है। वहीं भोपाल की बैठक के बाद पीआइयू में छतरपुर के ईई कल्याण सिंह परस्ते का कहना है कि उनकी ओर से पूरी तैयारी है। अब उन्हें सिर्फ भोपाल से निर्देश मिलने का इंतजार है। ईई की ओर से भी मेडिकल कालेज निर्माण के लिए दोबारा टेंडर आदि प्रक्रिया शुरू किए जाने का इशारा किया गया है। आने वाले दिनों में यह पूरी तरह से स्पष्ट हो जाएगा।

इस तरह अटकता रहा मेडिकल कॉलेज का निर्माण उल्लेखनीय है कि 30 सितंबर 2018 को मेडीकल कालेज के लिए मुख्यमंत्री ने शिलान्यास भी कर दिया था। चार अक्टूबर 2018 को मेडीकल कालेज के निर्माण के लिए 300 करोड़ रुपये की प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति देकर 30 अगस्त 2018 को कालेज के लिए ग्राम गौरगांय छतरपुर में भूमि आवंटित कर दी गई थी। तीन जनवरी 2019 को लोक निर्माण विभाग की ओर से निविदा आमंत्रित की गई, जिसमें पांच प्रतिभागियों ने भाग लिया। शासन ने 22 जून 2019 को सभी पांच निविदाएं अस्वीकृत करते हुए निविदा प्रक्रिया ही निरस्त कर दी थी। इसके बाद मेडिकल कालेज के लिए दोबारा से टेंडर हुए तो गुजरात की जेपी इंफ्रा को ठेका मिला था। जेपी ने कम राशि में यह ठेका लिया था। अब रिवाइज के नाम पर काम नहीं करने पत्र लिखा है। मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रहे मेडिकल संघर्ष मोर्चा ने अब इसके निर्माण के लिए आर-पार की लड़ाई लडने का निर्णय कर लिया है। संघर्ष मोर्चा की ओर से वरिष्ठ समाजसेवी हरिप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि आज मोर्चा की बैठक होगी। बैठक के बाद आंदोलन के लिए जिलेभर के व्यापारियों, छात्रों और सामाजिक संस्थाओं से संपर्क किया जाएगा। सभी का साथ लेकर शहर में एक बार फिर से बड़ा आंदोलन शुरू करने की रणनीति बनाई जा रही है।उन्होंने शहर के सभी सामाजिक संगठनों, व्यापारियों, आम नागरिकों से शाम 7 बजे कल्याण धर्मशाला में आयोजित बैठक में शामिल होने की अपील की है।

कांग्रेस से 9 साल में 25 नेता जा चुके, किन्हीं ने बाहर जाकर भाजपा सरकार बनवाई, किसी ने पार्टी बना ली तो कोई साइकिल से संसद पहुंचा

राहुल गांधी कांग्रेस में जान फूंकने के लिए पूरा जोर लगा रहे हैं। इसके लिए कन्याकुमारी से श्रीनगर तक पैदल भारत जोड़ो यात्रा निकाली। लेकिन आंकड़े कुछ और ही तस्वीर दिखाते हैं। भारत जोड़ो यात्रा के बाद तीन पूर्वोत्तर राज्यों (मेघालय, त्रिपुरा, नगालैंड) में कांग्रेस का पत्ता साफ रहा। यही नहीं, कांग्रेस छोड़कर जाने वाले नेताओं का दौर जारी है। 6 मार्च को दिग्गज कांग्रेसी और पूर्व कैबिनेट मंत्री रहे एके एंटनी के बेटे अनिल और 7 मार्च को आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री किरण कुमार रेड्डी ने बीजेपी का दामन दाम लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पद संभालने (2014) से अब तक कांग्रेस के 25 नेता कांग्रेस को अलविदा कह चुके हैं। इनमें से किन्हीं (ज्योतिरादित्य सिंधिया, हिमंत बिस्व सरमा) ने दो राज्यों में बीजेपी की सरकार बनवा दी। बरसों-बरस कांग्रेस के संकटमोचक रहे गुलाम नबी आजाद ने खुद की पार्टी बना ली। वहीं केंद्रीय मंत्री रहे दिग्गज वकील कपिल सिब्बल सपा की %साइकिल% पर बैठकर राज्यसभा पहुंच गए।

हाल ही में गुलाम नबी आजाद ने कांग्रेस छोड़ने के लिए राहुल गांधी को जिम्मेदार ठहराया था। आजाद की गिनती गांधी परिवार के करीबियों में होती थी। दिलचस्प बात है कि ये सभी नेताओं ने कांग्रेस छोड़ने के लिए हाईकमान को ही जिम्मेदार ठहराया था। जानते हैं सभी की कहानी...

1. जगदंबिका पाल- यूपी में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे जगदंबिका पाल ने साल 2014 में लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़ दी थी। पाल बाद में बीजेपी में शामिल हो गए। पाल ने कांग्रेस छोड़ते वक्त आरोप लगाया था कि बड़े नेता उन्हें अपमानित कर रहे हैं। जगदंबिका पाल यूपी के एक दिन के मुख्यमंत्री बनकर मशहूर हुए थे

2. चौधरी बीरेंद्र सिंह- अगस्त 2014 में हरियाणा कांग्रेस के दिग्गज नेता चौधरी बीरेंद्र सिंह ने भूपिंद्र सिंह हुड्डा से पटरी ना बैठ पाने के चलते कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। बीरेंद्र सिंह ने हाईकमान पर अनदेखी का आरोप लगाया था। बीरेंद्र सिंह बीजेपी में शामिल हो गए, जहां उन्हें मोदी कैबिनेट में मंत्री बनाया गया।

3. अजित जोगी- जून 2016 में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रहे अजित जोगी ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। जोगी ने यह फैसला आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष पद से हटाए जाने के बाद लिया था। इस्तीफा देते हुए जोगी ने कहा था कि कांग्रेस हाईकमान नेहरू-गांधी की विचारधारा से भटक गई है। जोगी ने छत्तीसगढ़ जोगी कांग्रेस (छजकां) बना ली थी। अजित जोगी के निधन के बाद उनका बेटा अमित पार्टी की कमान संभाले हुए है।

4. हिमंत बिस्व सरमा- मुख्यमंत्री तरुण गोगोई से अदावत के बाद असम सरकार में मंत्री रहे हिमंत बिस्व सरमा ने 2015 में कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। सरमा बाद में बीजेपी में शामिल हो गए और अभी असम के मुख्यमंत्री हैं। सरमा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी से जब मैंने अपनी समस्याएं बताई तो वो मेरी बातों को अनसुना कर अपने कुत्ते के साथ खेलने लगे।

5. गिरधर गमांग- ओडिशा के मुख्यमंत्री रहे गिरिधर गमांग ने 2015 में कांग्रेस छोड़ दी थी। गमांग और ओडिशा कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष जयदेव जेना के बीच सियासी तल्खी बढ़ गई थी। गमांग जेना गुट पर विश्वासघात का आरोप लगाया गया था और हाईकमान पर इसकी जांच नहीं कराने का आरोप लगा था। गमांग ने कहा कि कांग्रेस हाईकमान फैसला नहीं ले पा रही। 1 वोट से 1999 में 13 दिन पुरानी अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार गिराने में गमांग की प्रमुख भूमिका थी। बाद में वे बीजेपी में ही शामिल हो गए।

6. एसएम कृष्णा- कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और मनमोहन सरकार में विदेश मंत्री रहे एसएम कृष्णा ने 2017 में कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। इस्तीफा देने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कृष्णा ने कहा कि राहुल गांधी सरकार के कामकाज में लगातार दखलअंदाजी करते थे। राहुल गांधी किसी के प्रति जवाबदेह नहीं थे और अपनी मर्जी से पार्टी चला रहे थे। ऐसे में मुझे कांग्रेस छोड़ना ही सही लगा।

7. शंकर सिंह वाघेला- गुजरात के पूर्व सीएम शंकर सिंह वाघेला ने 2017 में कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। वाघेला का इस्तीफा उस वक्त हुआ, जब गुजरात चुनाव में कांग्रेस की स्थिति काफी मजबूत मानी जा रही थी। कांग्रेस छोड़ते हुए वाघेला ने कहा कि राहुल गांधी से कुछ फैसला लेने के लिए मैंने कहा था, लेकिन वे फैसला नहीं ले पाए। कांग्रेस बदलना ही नहीं चाह रही है।

8. नारायण दत्त तिवारी- उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और इंदिरा जमाने से कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे एनडी तिवारी ने 2017 में कांग्रेस छोड़ दी थी। कांग्रेस छोड़ने से पहले उन्होंने हाईकमान पर नासमझी का आरोप लगाया था। तिवारी ने इस्तीफा से पहले कहा कि कांग्रेस हाईकमान हकीकत से कोसों दूर जा चुकी है, इसलिए पार्टी टूट रही है।

9. विजय बहुगुणा- उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा ने साल 2016 में कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। बहुगुणा मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने से खफा थे। कांग्रेस छोड़ते हुए उन्होंने राहुल गांधी पर तीखा हमला किया था। कहा कि राहुल गांधी कार्यकर्ताओं से काफी दूर हैं और उनके इर्द-गिर्द चापलूसों की फौज है। राहुल उन्हीं चापलूसों के कहने पर कांग्रेस में फैसला लेते हैं।

10. रीता बहुगुणा जोशी- यूपी में कांग्रेस की अध्यक्ष रह चुकीं रीता बहुगुणा जोशी ने भी 2016 में पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। रीता ने इस्तीफा देते हुए कहा था कि सोनिया जी हमारी बात सुनती थीं, लेकिन राहुल गांधी के नेतृत्व में ऐसा नहीं हो रहा। उन्होंने आगे कहा कि पूरे देश में कांग्रेस के लोग राहुल गांधी से नाराज हैं, फिर भी वे ही पार्टी चला रहे हैं।

11. अशोक चौधरी- बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और विधानपार्षद अशोक चौधरी ने 3 अन्य पार्षदों के साथ 2018 में कांग्रेस छोड़ दिया। बिहार में कांग्रेस के लिए यह बहुत बड़ा झटका था। इस्तीफा देते हुए उन्होंने राहुल गांधी के नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाया था। चौधरी ने कहा था कि कांग्रेस हाईकमान बिहार में लालू यादव का पिछलग्गू बने रहना चाहती है। प्रभारी

हाईकमान को गुमराह करते हैं और फिर कुछ भी फैसला हो जाता है।

12. नारायण राणे- 2016 में कांग्रेस हाईकमान से खफा होकर नारायण राणे ने अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस छोड़ दिया। राणे ने कांग्रेस छोड़ने के बाद पहले खुद की पार्टी बनाई और फिर बीजेपी में शामिल हो गए। कांग्रेस छोड़ते हुए राणे ने आरोप लगाया था कि राहुल गांधी सबकुछ जानते हुए भी महाराष्ट्र को लेकर कोई फैसला नहीं लिया। कांग्रेस हाईकमान यहां पार्टी को डुबाने पर तुली है।

13. संजय सिंह- गांधी परिवार के करीबी और अमेठी के कद्दावर नेता संजय सिंह ने साल 2019 में कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। संजय सिंह, राहुल गांधी से नाराज थे। इस्तीफा देते वक्त उन्होंने कहा था कि कांग्रेस में 15 सालों से संवादहीनता है। राहुल गांधी के आने के बाद कोई भी फैसला सर्वसम्मति से नहीं लिया जाता है। संजय सिंह ने कहा था कि कांग्रेस अतीत में जी रही है।

14. अल्पेश ठाकोर- 2018 में कांग्रेस छोड़ने वाले अल्पेश ठाकोर ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला था। ठाकोर ने कहा था कि राहुल गांधी सच बात सुनना ही नहीं चाहते हैं। उन्हें अगर कोई बात पसंद आ जाती है, तो उसी के हिसाब से फैसला कर देते हैं। अल्पेश ने कांग्रेस हाईकमान पर यूज एंड थ्रो की पॉलिटिक्स करने का आरोप लगाया था।

15. राधाकृष्ण विखे पाटिल- 2019 लोकसभा चुनाव में करारी हार के बाद महाराष्ट्र में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा था। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राधाकृष्ण पाटिल ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। पाटिल ने इस्तीफा देते हुए कहा था कि राहुल गांधी की राजनीति प्रधानमंत्री पर हमला करने तक सीमित हो गई है। कांग्रेस को जनता के मुद्दों से कोई ताल्लुकात नहीं है।

16. टॉम वडक्कन- सोनिया गांधी के करीबी टॉम वडक्कन ने 2019 में कांग्रेस छोड़ दिया था। वडक्कन ने कांग्रेस को वंशवादी पार्टी करार देते हुए अपना इस्तीफा दिया था। उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी उसी परिपाटी को आगे बढ़ा रहे हैं। वडक्कन के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल ने कहा था कि वो कोई बड़े नेता नहीं है।

17. सतपाल महाराज- 2014 में उत्तराखंड कांग्रेस से इस्तीफा देने वाले वरिष्ठ नेता सतपाल महाराज ने राहुल पर जमकर निशाना साधा था। महाराज ने राहुल को एसी में बैठकर पॉलिटिक्स करने वाला नेता बताया था। कहा था कि राहुल गांधी आम जनता की दर्द को नहीं समझ पाएंगे, क्योंकि उनकी पॉलिटिक्स एसी कमरे से चलती है। वे ो नेताओं से मिलते भी नहीं हैं।

18. कैप्टन अमरिंदर सिंह- पंजाब के पूर्व सीएम और कद्दावर कांग्रेसी कैप्टन अमरिंदर सिंह ने साल 2022 में पार्टी छोड़ दी थी। 2021 में पंजाब में सीएम पद से हटने के बाद से ही कैप्टन कांग्रेस हाईकमान से नाराज चल रहे थे। कांग्रेस छोड़ते वक्त उन्होंने कहा कि पार्टी ने मजबूर किया। कैप्टन ने प्रियंका और राहुल को बच्चा बताते हुए उन्हें कांग्रेस की बागडोर मिलने पर सवाल उठाया था।

19. जितिन प्रसाद- बंगाल में कांग्रेस के प्रभारी और मनमोहन कैबिनेट में मंत्री रहे जितिन प्रसाद ने साल 2021 में कांग्रेस पार्टी छोड़ दी। जितिन प्रसाद को राहुल गांधी का काफी करीबी नेता माना जाता था। जितिन कांग्रेस के बागी गुट जी-23 के सदस्य भी थे। पार्टी से इस्तीफा देते हुए जितिन प्रसाद ने एक इंटरव्यू में कहा था कि कांग्रेस में काम करना मुश्किल हो गया है। ऐसा स्ट्रक्चर बना दिया गया है, जिसमें नेता जनता से कटते जा रहे हैं।

20. ज्योतिरादित्य सिंधिया- 2019 में मध्य प्रदेश कांग्रेस में सबसे बड़ी बगावत ज्योतिरादित्य सिंधिया ने की। सिंधिया के समर्थन में 27 विधायक बेंगलुरु पहुंच गए। इसके बाद एमपी में कांग्रेस की सरकार गिर गई थी। कांग्रेस से इस्तीफा देते हुए सिंधिया ने कहा था कि पार्टी मे अपनी बात कह पाने के लिए नेता का वक्त नहीं मिल पा रहा था। हालांकि, राहुल ने सिंधिया के इस दावे को खारिज कर दिया था। सिंधिया बाद में बीजेपी में शामिल हो गए। अभी वे केंद्रीय उड्डयन मंत्री हैं।

21. आरपीएन सिंह- राहुल गांधी के करीबी और पूर्व केंद्रीय मंत्री आरपीएन सिंह ने भी 2022 में कांग्रेस छोड़ दी थी। सिंह उस वक्त झारखंड कांग्रेस के प्रभारी थे। कांग्रेस छोड़ते हुए आरपीएन सिंह ने राहुल गांधी की कोर टीम को लेकर सवाल उठाया था। सिंह ने कहा था कि पार्टी में व्यवस्था और विचार दोनों बदल गए हैं। एक्स्ट्रीम लेफ्ट से आए लोगों को पार्टी में तवज्जो दी जा रही है। जो लोग हमेशा खिलाफ रहे, उन्हें पार्टी हाईकमान बड़े पदों से नवाज रहा है।

22. कपिल सिब्बल- कांग्रेस के उदयपुर चिंतन शिविर के बाद कपिल सिब्बल ने 2020 में इस्तीफा दे दिया था। सिब्बल जी-23 के सक्रिय सदस्य थे और कांग्रेस में बदलाव की मांग सालों से कर रहे थे। इस्तीफे से पहले सिब्बल ने राहुल गांधी पर निशाना साधा था। सिब्बल ने कहा था कि घर की कांग्रेस की वजह से पार्टी बर्बाद हो रही है। फैसला लेने में सबकी मदद नहीं ली जा रही है। कपिल सिब्बल फिलहाल सपा से राज्यसभा सांसद हैं।

23. गुलाम नबी आजाद- कांग्रेस को सबसे बड़ा झटका 2022 के अंत में लगा, जब कद्दावर नेता गुलाम नबी आजाद ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने के बाद आजाद ने राहुल गांधी पर तीखे प्रहार किए थे। उन्होंने कहा कि राहुल पार्टी के भीतर किसी की नहीं सुनते। मुसलमानों को महासचिव से आगे नहीं बढ़ाया जाता, इसलिए मैंने पार्टी छोड़ दी।

24. अनिल एंटनी- कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व रक्षा मंत्री एके एंटनी के बेटे अनिल एंटनी 6 अप्रैल 23 को बीजेपी में शामिल हो गए। केरल कांग्रेस की सोशल मीडिया टीम के पूर्व संयोजक थे। 2002 के गुजरात दंगों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री पर विवाद के बाद अनिल एंटनी ने जनवरी में कांग्रेस छोड़ दी थी। अनिल को शशि थरूर का करीबी माना जाता था।

25. किरण कुमार रेड्डी- आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री किरण कुमार रेड्डी 7 अप्रैल 23 को बीजेपी में शामिल हो गए हैं। किरण कुमार रेड्डी ने नई दिल्ली में बीजेपी की सदस्यता ली। किरण रेड्डी ने 12 मार्च को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना इस्तीफा भेजा था। उसके बाद से ही किरण रेड्डी के बीजेपी में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रहीं थी। किरण कुमार रेड्डी संयुक्त आंध्र प्रदेश के आखिरी मुख्यमंत्री रहे। 2014 में जब तत्कालीन यूपीए सरकार ने आंध्र प्रदेश का बंटवारा कर उसे आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में विभाजित करने का फैसला किया तो किरण रेड्डी ने सरकार के इस फैसले का विरोध किया था। किरण रेड्डी ने विरोध स्वरूप कांग्रेस से इस्तीफा देकर अपनी अलग पार्टी जय समैक्य आंध्र बनाई थी। हालांकि, 2018 में वह फिर से कांग्रेस में शामिल हो गए थे। रेड्डी ने आलाकमान की अनदेखी को पार्टी छोड़ने की वजह बताया था।

पीएम ने दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को झंडी दिखाकर रवाना किया

जबलपुर। प्रधानमंत्री ने आज तेलंगाना के हैदराबाद में सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रधानमंत्री ने शनिवार को ही तमिलनाडु के चेन्नई में एमजीआर चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर चेन्नई-कोयम्बटूर वंदे भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

चैन्नई -कोयंबटूर वंदे भारत- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज तमिलनाडु के चेन्नई में एमजीआर चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन से चेन्नई-कोयंबटूर वंदे भारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर, प्रधान मंत्री ने चेन्नई-कोयम्बटूर वंदे भारत एक्सप्रेस का निरीक्षण किया और बच्चों के साथ-साथ ट्रेन के चालक दल के साथ भी बातचीत की ।प्रधानमंत्री के साथ तमिलनाडु के राज्यपाल श्री आर एन रवि, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री श्री एम के स्टालिन और केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव भी थे।

सिकंदराबाद -तिरूपति वंदे भारत एक्सप्रेस- प्रधानमंत्री ने आज तेलंगाना के हैदराबाद में सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाकर रवाना किया ।प्रधानमंत्री जी ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के बाद सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस का निरीक्षण किया और बच्चों के साथ-साथ रेलगाड़ी के चालक दल के साथ भी परस?पर बातचीत की। वंदे भारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाने के अवसर पर प्रधानमंत्री जी ने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस चलने से सिकंदराबाद और तिरुपति के बीच कनेक्टिविटी बढ़ेगी। उन्होंने इस रेलगाड़ी के लिए तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के लोगों को बधाई दी। आईटी सिटी, हैदराबाद को भगवान वेंकटेश्वर के निवास स्थान तिरुपति से जोड़ने वाली सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस दूसरी वंदे भारत रेलगाड़ी है जिसे तीन महीने की अल?प अवधि के भीतर तेलंगाना से आरंभ किया गया है। यह रेलगाड़ी दोनों शहरों के बीच यात्रा के समय को लगभग साढ़े तीन घंटे कम कर देगी और विशेष रूप से तीर्थयात्रियों के लिए लाभदायक होगी।

मंत्रालय बार ऐसोसियेशनद्वारा प्रधान जिला न्यायाधीश का सम्मान

भोपाल। म0प्र0 मंत्रालय बार ऐसोसियेशन के अध्यक्ष संजय गुप्ता द्वारा भोपाल जिला न्यायालय के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज श्रीवास्तव जी का कलकत्ता से आया हुआ अंगवस्त्र एवं माला से सम्मान किया गया। श्री गुप्ता ने माननीय न्यायाधीश से अपेक्षा की है कि जिला न्यायालय भोपाल में पूर्व की भांति ही सोहार्द्रपूर्ण वातावरण में बार एवं बेंच कार्य करती रहेगी। श्री गुप्ता ने आशा व्यक्त की है कि माननीय प्रधान न्यायाधीश के आने से पूर्व से लंबित भोपाल गैस त्रासदी से संबंधित अपील का भी शीघ्र अतिशीघ्र निराकरण हो सकेगा। सम्मान के समय जिला बार ऐसोसियेशन के सचिव सुशील श्रीवास्तव (नन्नी) एवं कुलदीप आचार्य एडवोकेट भी उपस्थित थे।

दिल्ली के सेक्रेड हार्ट चर्च पहुंचे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ईस्टर के मौके पर दिल्ली स्थित सेक्रेड हार्ट चर्च पहुंचे। जहां उन्होंने फादर से मुलाकात की और कई मुद्दों पर उनसे बातचीत की। चर्चा में मौजूद सदस्यों ने गर्मजोशी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया। पीएम मोदी को चर्च की तरफ से फूलों का गुलदस्ता दिया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने चर्च परिसर में पौधारोपण भी किया। चर्च में बच्चों ने भी पीएम मोदी का स्वागत किया।

सोने का आयात 30% घटा चांदी में 66 फीसदी उछाल, उच्च सीमा

नई दिल्ली। देश का सोना आयात 2022-23 के पहले 11 महीने यानी अप्रैल-फरवरी में करीब 30 फीसदी घटकर 31.8 अरब डॉलर रह गया। सीमा शुल्क की ऊंची दरों और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच सोने के आयात में कमी आई है। हालांकि, इस अवधि में चांदी का आयात 66 फीसदी बढ़कर 5.3 अरब डॉलर पहुंच गया। सोने का आयात देश के चालू खाते के घाटे (कैड) को प्रभावित करता है।

वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, 2021-22 की अप्रैल-फरवरी अवधि में 45.2 अरब डॉलर के सोने का आयात किया गया था। अगस्त, 2022 से पीली धातु के आयात में लगातार गिरावट देखी जा रही है। चालू खाते के घाटे पर काबू पाने के लिए सरकार ने पिछले साल सोने पर आयात शुल्क 10.75 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया था।

रत्न व आभूषण निर्यात में मामूली गिरावट- आंकड़ों के मुताबिक, भारत ने अप्रैल-जनवरी, 2023 के दौरान करीब 600 टन सोने का आयात किया है। इस दौरान रत्न एवं आभूषण निर्यात 0.3त्न घटकर 35.2 अरब डॉलर रह गया। मात्रा के लिहाज से देखा जाए तो देश सालाना 800-900 टन सोने का आयात करता है।

आयात में गिरावट के बाद भी व्यापार घाटे में कमी नहीं- सोने के आयात में भारी गिरावट के बावजूद देश के व्यापार घाटे को कम करने में मदद नहीं मिली है। 2022-23 के पहले 11 महीने में व्यापार घाटा बढ़कर 247.52 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान है। 2021-22 की समान अवधि में यह 172.53 अरब डॉलर रहा था।

निर्यात बढ़ाने के लिए शुल्क पर विचार करे सरकार- रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्द्धन परिषद (जीजेईपीसी) के पूर्व चेयरमैन एवं एमडी कोलिन शाह ने कहा, ऊंचे आयात शुल्क की वजह से इसमें गिरावट आई है।

सरकार की दस बचत योजनाएं, जिनसे मिलता है बेहतर रिटर्न और टैक्स में कटौती का फायदा

सरकार की तरफ से कई सारी योजनाओं पर इंटरेस्ट रेट को भी बढ़ा दिया गया है इसके अलावा इनमें से कई सारी योजनाओं में हमें टैक्स पर कटौती का फायदा भी मिलता है। ऐसे में आइये जानते हैं 10 ऐसी सरकारी सेविंग स्कीम के बारे में जहां पर हमें सबसे ज्यादा फायदा मिल रहा है। नेशनल सेविंग मंथली इनकम स्कीम इस योजना को पोस्ट ऑफिस की तरफ से संचालित किया जा रहा है। इस सरकारी स्कीम में निवेशक 1000 रुपये के गुणक के साथ मैक्सिमम 9 लाख रुपये तक की रकम जमा कर सकते हैं।

योजना के तहत मेच्योरिटी पीरियड 5 साल का रखा गया है। अगर इंटरेस्ट रेट की बात करें तो इस योजना में सालाना 7.4 फीसदी के हिसाब से ब्याज का फायदा मिलता है। नेशनल सेविंग टाइम डिपॉजिट स्कीम यह योजना पोस्ट ऑफिस की तरफ से चलाई जा रही है। इसके तहत आप 1 साल, 2 साल, 3 साल और 5 साल के लिए अपनी रकम को जमा कर सकते हैं।

योजना में 1000 रुपये की न्यूनतम रकम से खाता खुलवाया जा सकता है। इसके बाद इसमें 100 रुपये के गुणक में पैसा जमा किया जा सकता है। पैसा जमा करने की कोई भी मैक्सिमम लिमिट तय नहीं की गई है। योजना में आपको इनकम टैक्स ऐक्ट की धारा 80-सी के तहत ब्याज में कटौती का फायदा भी मिलता है।

1 साल के अवधि के लिए ब्याज 6.80 फीसदी, दो साल के लिए 6.90 फीसदी, 3 साल के लिए 6.90 फीसदी और 5 साल के लि ब्याज 7.5 फीसदी है। सीनियर सिटीजन्स सेविंग स्कीम इस योजना को खास तौर पर वरिष्ठ नागरिकों को ध्यान में रखकर चलाया जा रहा है। योजना के तहत आप अधिकतम 30 लाख रुपये की रकम को जमा कर सकते हैं। इसके तहत कोई भी 60 साल या उससे ऊपर का व्यक्ति या फिर 55 साल तक के ऐसे लोग जो रिटायर हो चुके हैं अपना खाता खोल सकते हैं।

पहली बार में ब्याज जमा की तारीख से 31 मार्च/30 जून/30 सितंबर/31 दिसंबर तक अप्रैल/ जुलाई/ अक्टूबर/ जनवरी के पहले वर्किंग डे पर दिया जाएगा। इस योजना में आपको इनकम टैक्स ऐक्ट की धारा 80-सी के तहत ब्याज में कटौती का फायदा मिलेगा। 1 अप्रैल 2023 से 30 जून 2023 तक की अवधि के लिए ब्याज 8.20 फीसदी है।

नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट इस योजना के तहत आप 1000 रुपये से अपना खाता खोल सकते हैं और उसके बाद 100 रुपये के गुणक में पैसा जमा कर सकते हैं। इसके तहत पैसा जमा करने की कोई भी मैक्सिमम लिमिट नहीं है।

योजना के तहत आपको 7.7 फीसदी तक का सालाना ब्याज दिया जाएगा। पब्लिक प्रोविडेंट फंड स्कीम इस योजना में एक फाइनेंशियल ईयर में मिनिमम 500 रुपये और मैक्सिमम 1,50,000 रुपये जमा किए जा सकते हैं। मेच्योरिटी पीरियड 15 सालों का है। साथ ही इसके बाद भी आप अपने अकाउंट को पांच और सालों के लिए बढ़ा सकते हैं।

इस योजना के तहत कमाया जाने वाला ब्याज ढ्ढ.ङ्क.ष्ह्ल की धारा -10 के तहत आयकर से मुक्त है। योजना के तहत सालाना 7.1 फीसदी ब्याज का फायदा मिलता है। सुकन्या समृद्धि खाता इस योजना को खास तौर पर बेटियों के लिए शुरू किया गया है। योजना के तहत निवेश की न्यूनतम रकम 250 रुपये और अधिकतम रकम 1.5 लाख रुपये है। इस योजना में किसी बालिका के 10 साल के होने से पहले खाता खोला जा सकता है।

जमा ढ्ढ.ङ्क.ष्ह्ल की धारा 80-ष्ट के तहत कटौती के लिए योग्य है। खाते में अर्जित ब्याज ढ्ढ.ङ्क.ष्ह्ल की धारा -10 के तहत आयकर से मुक्त है। वहीं अगर ब्याज की बात करें तो योजना के तहत सालाना 8 फीसदी के हिसाब से ब्याज का फायदा मिलता है। महिला सम्मान बचत प्रमाण पत्र महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र योजना सरकार की एकमुश्त नई लघु बचत योजना है।

यह आंशिक निकासी विकल्प के साथ 7.5 प्रतिशत की निश्चित ब्याज दर पर 2 वर्ष की अवधि के लिए महिलाओं या लड़कियों के नाम पर 2 लाख रुपये तक की जमा सुविधा प्रदान करेगा। किसान विकास पत्र पोस्ट ऑफिस की तरफ से इस योजना को खास तौर पर किसानों के लिए शुरू किया गया है। हालांकि इस योजना के तहत कोई भी अपना खाता खुलवा सकता है। इस योजना की सबसे खास बात ये है कि इसमें जमा किया गया पैसा एक वक्त के बाद दोगुना हो जाता है।

योजना के तहत सालाना 7.5 फीसदी तक का ब्याज दिया जाता है। रेकरिंग डिपॉजिट सेविंग स्कीम इस योजना में न्यूनतम 100 रुपये प्रतिमाह जमा किया जा सकता है, जिसकी कोई अधिकतम सीमा निर्धारित नहीं है। जमाकर्ता के विकल्प पर 6 महीने या 12 महीने के लिए अग्रिम जमा किया जा सकता है और छूट अर्जित की जा सकती है। योजना खाता 5 साल में परिपक्व होता है।

खाता खोलने के एक वर्ष के बाद मौजूदा शेष राशि के 50त्न तक निकासी की अनुमति है। योजना के तहत हर तिमाही पर चक्रवृद्धि ब्याज का फायदा मिलता है। डाकघर बचत खाता डाकघर की इस योजना में न्यूनतम 500 रुपये से अपना अकाउंट खोला जा सकता है। साथ ही इस योजना में इनवेस्ट करने की कोई भी मैक्सिमम लिमिट नहीं है। खाते में 10,000 रुपये तक का ब्याज आयकर अधिनियम के तहत एक वित्तीय वर्ष में आय से कटौती के लिए योग्य है। इसमें आपको सालाना 4 फीसदी के हिसाब से ब्याज का फायदा मिलता है।

NAME CHANGE

The general public is informed that we, Anuj Kumar and Anupama Kaithvas, a son born on 23/03/2012 after the marriage on 07/03/2011, whose present name is ANM, our son is known and identify by the name ANM, and in the mentioned as ANM. We wish to change our son's name from ANM to "SHIVAAY KUMAR" by joint consent, and in future our son will be known and identify as SHIVAAY KUMAR and in future his name will SHIVAAY KUMAR in all necessary / important documents.

Current Name – ANM (son) Anuj Kumar (father)
Changed Name – SHIVAAY KUMAR (son), Anuj Kumar (father)

नव युवती हुई लापता

अमरवाड़ा । ग्राम देवरी गंगाराम रहने वाली 19 वर्षीय युवती शिक्षक शिक्षक कॉलोनी में पांच माह से रहकर प्राइवेट स्कूलों में कराटे जाती थी विगत 20 दिनों पूर्व अचानक लड़की आकांक्षा अपने कमरे से गायब हो गई तब से अभी तक लड़की की तलाश रिश्तेदारी में ढावा सुखारी घाट परासिया रिश्तेदारी में पता किया पता नहीं चलने पर युवती के परिजनों ने थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराने पर पुलिस द्वारा इंसान कायम कर प्रकरण जांच तलाश में लिया

पट प्रतियोगिता में शामिल हुए विनय भारती

अमरवाड़ा । विधानसभा क्षेत्र के पिपरिया गुमानी मानेगांव में संपन्न हुई विशाल पट प्रतियोगिता में युवा नेता विनय भारती शामिल हुए। वहीं बड़ी संख्या में दूरदराज से पहुंचे ग्रामीणों के साथ मंच पर बैठकर पट प्रतियोगिता का आनंद भी लिया। वही साथ में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सीताराम डेहरिया के साथ-साथ कई वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और युवा वर्ग भी मौजूद रहा। वही ग्रामीणों ने ग्राम की कुछ समस्याओं को लेकर भी विनय भारती से चर्चा की।

घर घर बाबा साहब अभियान

छिंदवाड़ा । मेहरा डेहरिया समाज समिति छिंदवाड़ा द्वारा विगत पंद्रह दिनों से छिंदवाड़ा निगम क्षेत्र में रहने वाले डेहरिया समाज के प्रत्येक घर में बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की फोटो को डोनेट करने का अभियान चलाया जा रहा है, एवं यह अभियान 14 अप्रैल तक जारी रहेगा । समिति के कार्यकर्ता बाबा साहब की फोटो के साथ 14 अप्रैल को बाबा साहब जन्मोत्सव समारोह रैली एवं समाज का वार्षिक सम्मेलन का आमंत्रण पत्र भी प्रदान कर रहे हैं, एवं कार्यक्रम में शामिल होने का अनुरोध कर रहे हैं ।इसमें प्रमुख रूप से बबली दयानन्द डेहरिया, मंजूलता डेहरिया, सुनीता बम्हनिया, रानू दारासिंग डेहरिया, रिंकी राजाराम डेहरिया, अजय भाई, पम्मी रामकुमार डेहरिया, दरोगी डेहरिया, ममता श्याम कुमार डेहरिया, सावित्री रमेश बेले, अविनाश डेहरिया,आदि कार्यकर्ता जोर शोर से अभियान सफल बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं ।

पत्नी ने पति के शराब पीने एवं मारपीट करने का आरोप लगाया

परासिया । परिवार परामर्श केन्द्र में कुल 6 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए जिसमें से 4 प्रकरणों में सुनवाई हुई 2 प्रकरण में एक पक्ष उपस्थित होने के कारण अगली पेशी दी गई एवं सामाजिक रीति रिवाज से दाम्पत्य जीवन बांधे युगल ने अपनी समस्या को लेकर अपना अपना पक्ष रखते हुये आरोप प्रत्यारोप लगाये पत्नी ने पति के शराब पीने एवं मारपीट करने का आरोप लगाया पति अपनी मां को भी साथ रखना चाहता है द्य पत्नी इस के लिए तैयार नही है द्य और पति ने अपनी मां को छोड़ने से इंकार किया पत्नी इस शर्त पर जाने के लिए सहमति व्यक्त की वह अलग ही रहेगी द्य समझोते कोई गुंजाइश नही होने के कारण उन्हें सोच विचार के लि?ए समय दिया गया अधिकांश प्रकरणों में पति पत्नी के मध्यताल मेल नही होती है क्योंकि पति की शराबखोरी जैसे मुद्दे ज्यादा सामने आते हैं।सलाहकार के पी पांडे, डी के सेन, डा.श्रीमति मधु बत्रा शांति तिवारी, सुशीला काड़े , श्रीमती विश्वकर्मा, ने प्रकरणों की सुनवाई की डेस्क प्रभारी सुश्री वंदना बघेल ने परिवार परामर्श केंद्र की व्यवस्थाएं बनाई।

विद्युत मीटर वाचक संघ की बैठक

छिंदवाड़ा ।विद्युत मीटर वाचक संघ छिन्दवाड़ा द्वारा जिलाध्यक्ष को लेकर बैठक रखी गयी जिसमें इरफान मंसूरी को निविरोध कार्यवाहक जिला अध्यक्ष चुना गया। उनके सामने किसी भी व्यक्ति ने अपना दावा प्रस्तुत नहीं कर पाया इस कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष किरण कुमार वंशगोतिया एवं पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश वर्मा भी उपस्थित थे। साथ ही विद्युत मीटर वाचक द्वारा यह निर्णय लिया गया कि म.प्र.शासन हमारी ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नहीं दे रही है सभी कर्मचारी अधिकारी एवं माननीय विधायक ,सांसदों की एवं मजदूरों की भी मजदूरी बढ़ रही है लोगों की वेतनवृद्धि हो रही है परंतु विद्युत विभाग में काम करने वाले मीटर वाचकों का मानदेय /वेतनमान मजदूरी बढ़ाने की अपेक्षा शासन ने कम कर दी है जिसको लेकन माननीय उच्च न्यायालय की शरण में जाने का निर्णय लिया गया है साथ ही म.प्र.शासन के जनप्रतिनिधि एवं मंत्री गण किसी भी प्रकार का कोई ध्यान नहीं दे रहे है जिस कारण काले झंडे के द्वारा उनका बहिष्कार किया जायेगा। उपरोक्त चर्चाओं के साथ ही बैठक में विभिन्न तहसीलों ने मीटर रीडर उपस्थित थे। प्रवीण सोलंकी ,कांति दुबे ,प्रवीण ठाकुर ,अनंत कुमार गर्गे ,धीरेन्द्र सिंह परमार ,भरोस यादव ,परमानंद सिगोतिया ,नीलेश नर्रे ,नारायण चैकसे ,योगेश डोंगरे ,अंबर साहू ।

10 शासकीय होम्योपैथी डिस्पेंसरियों में विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आज

छिन्दवाड़ा । राज्य शासन के आयुष विभाग द्वारा विश्व होम्योपैथिक दिवस व 268वी हेनिमैन जयंती के उपलक्ष्य में होम्यो परिवार सर्वजन स्वास्थ्य वन हेल्थ वन फैमिली थीम पर 10 अप्रैल को प्रातः 10 से शाम 4 बजे तक निःशुल्क होम्योपैथिक शिविरों का आयोजन किया गया है । ये शिविर जिला चिकित्सालय परिसर के गेट नंबर-2 के साथ ही जिले के 9 शासकीय होम्योपैथी डिस्पेंसरी में आयोजित किये गये हैं। प्रभारी जिला आयुष अधिकारी डॉ.प्रमिला यावतकार ने बताया कि जिला चिकित्सालय के साथ ही सिविल हॉस्पिटल सौंसर, शासकीय होम्योपैथी औषधालय नवेगांव, चिचखेड़ा, जाम सांवली मंदिर प्रांगण, खैरीतायगांव, जोबनी, मैनीखापा, पंढरी और रिधौरा में शिविरों का आयोजन किया गया है। इन होम्योपैथिक शिविरों में वात रोग, संधिवात, गठियावात, रक्ताल्पता, चर्म रोग, पेट के रोग, पुरुष संबंधी रोग, महिलाओं संबंधी रोग, असंचारी रोग और अन्य रोगों का परीक्षण कर चिकित्सीय परामर्श दिया जायेगा तथा निःशुल्क, होमियोपैथी औषधि का वितरण किया जायेगा ।

अमरवाड़ा क्षेत्र में बेमौसम बारिश के साथ हुई तेज ओलावृष्टि

जिले कई स्थानों में आंधी-तूफान के साथ हुई बारिश

अमरवाड़ा । क्षेत्र के 15 से 20 गांव में बेमौसम तेज बारिश के साथ तेज ओलावृष्टि हुई जिससे किसानों के खेत में खड़ी फसल,खेत में रखी हुई कटी फसल एवं खलियान की फसलों को नुकसान होने की जानकारी मिल रही है किसानो की फसल को हुए नुकसान मूल्यांकन विभागीय सर्वेछण के उपरांत प्राप्त होगा मौसम पूर्वानुमान के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के कारण देश में अलग-अलग भागों में वर्षा हो रही है मध्य प्रदेश की बात करें तो प्रदेश में अभी भी नमी बरकरार है जिसके कारण कहीं-कहीं तेज गरज के साथ वर्षा और ओलावृष्टि हो रही है और यह आगामी दो-तीन दिनों तक 12-13 तारीख तक जारी रह सकती है बहुत तेज बारिश की संभावना नहीं है फिर भी कुछ एक जगह पर खंड वर्षा के रूप में गरज चमक के साथ हल्की बारिश ओलावृष्टि होने की संभावना बनी हुई है किसानों को सलाह दी जाती है की पककर तैयार हुई फसलों को शीघ्र अति शीघ्र कटाई करवा कर सुरक्षित स्थानों में भंडारण करें।

कृषि उपज मंडी के बाहर रखा हजारों क्विंटल अनाज बारिश में भीगा

छिंदवाड़ाः मौसम के बदलाव के कारण अचानक हो रही बारिश से किसानों की मुश्किलें बढ़ रही है आंधी तूफान के साथ छिंदवाड़ा में हुई तेज बारिश के कारण मंडी प्रांगण में खुले में रखा किसानों का हजारों क्विंटल गेहूं भीग गया। अचानक से होने वाली बारिश में हमेशा से ऐसा होता आ रहा है मगर छिंदवाड़ा मंडी प्रबंधन की आंखें नहीं खुल रही और अनाज बारिश में भीग जाता है। कृषि उपज मंडी कुसमेली से हमेशा इस तरह की तस्वीरें सामने आ चुकी है जिसने मंडी प्रबंधन की पोल खोलकर रख दी है ।

कामगारों के हित में ही काम करतीं हैं कांग्रेस की सरकारें: कमलनाथ

पूर्व मुख्यमंत्री ने ली कामगार कांग्रेस की बैठक

छिंदवाडा । पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं सांसद नकुलनाथ द्वारा असंगठित कामगार कर्मचारी कांग्रेस के जिला एवं ब्लाक पदाधिकारियों की बैठक शिकारपुर में ली गई। जिला कार्यकारी अध्यक्ष ब्रज कुमारी पंद्राम एवं सलीम खान के नेतृत्व में हुई बैठक में कमलनाथ को जिला अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने सांगठनिक गतिविधियों की रिपोर्ट सौंपी। कमलनाथ ने सभी ब्लाक एवं जिला पदाधिकारियों को कामगारों के बीच सक्रियता बढाने, उनके सवालों को प्रमुखता से उठाने के निर्देश दिए। पदाधिकारियों की विशेष बैठक में आगामी चुनाव को लेकर चर्चा की गई और गांव में कामगार कमेटियां बनाकर संगठन का विस्तार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में नरसिंह साहू, नंदू सोरठ, देवेंद्र कोचे, रेखा इड़के, रामकृपाल डेहरिया सलीम, बबलू डेहरिया, फिरोज खान, रमन ब्रम्हे, बबलू बैस, प्रमोद शर्मा,कन्हैया राजपूत, जय कुमार डेहरिया, बाल किशोर बरकोरिया सहित सभी पदाधिकारी सम्मिलित हुए।

बैठक में पदाधिकारियों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकारों ने हमेशा कामगारों के हित में काम किया हैं, कई कानून बनाए, जिनके कारण कामगारों को आर्थिक अधिकार मिले, वे आर्थिक गतिविधियों से जुडे। उन्होंने कहा शिवराज सरकार ने कामगार से न्यूनतम वेतन, पीएफ, ईएसआई जैसे अधिकारों तक से वंचित कर दिया है।

राजपूत छत्रिय समाज द्वारा कैरियर गाइडेंस का आयोजन

छिंदवाड़ा । राजपूत छत्रिय समाज द्वारा कैरियर मार्गदर्शन व रोजगार उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया यह कार्यक्रम राजपूत क्षत्रिय समाज के परासिया रोड स्थित भवन में आयोजित किया गया इस कार्यक्रम में बेंगलुरु इंदौर जबलपुर भोपाल से मोटिवेशनल स्पीकर व काउंसलर आए हुए थे जिन्होंने सभी समाज के छात्र छात्राओं को रोजगार उन्मुखीकरण कार्यक्रम एवं केरियर गाइडेंस के बारे में जानकारी दें इस कार्यक्रम में लगभग 270 के आसपास रजिस्ट्रेशन हुए थे जिसमें से बालकों का भी योगदान इस कार्यक्रम में रहा एवं इस कार्यक्रम में राजपूत छतरी समाज के सभी पदाधिकारी सभी सदस्य अधिकारी उपस्थित रहे. यह जानकारी राजपूत छतरी समाज के शिक्षा समिति संयोजक तक जयरंजन सिंह राजपूत जी द्वारा प्रदान की गई।

दीवार लेखन कर लाडली बहना योजना का प्रचार प्रसार

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक पवन सहगल, विकासखंड समन्वयक अखिलेश जैन, परामर्शदाता विनोद तिवारी, श्रीमती लता नागले, श्रीमती तृप्ति सिंह, जय प्रकाश सूर्यवंशी , आशीष साहू के कुशल मार्गदर्शन में ग्राम भूला मोहगांव में माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी के मंशा अनुरूप लाडली बहना योजना, के अंतर्गत लाभार्थी महिलाओं के आवेदन फॉर्म, ईकेवाईसी, हितग्राही को आने वाली समस्याओं का समाधान, ऑनलाइन आवेदन करने में सहयोग किया तथा लाडली बहना योजना की जानकारी और उसका प्रचार प्रसार हेतु जन अभियान परिषद सदस्यगन, एमएसडब्ल्यू के छात्र महेश बंदेवार, स्टेला अल्बर्ट, गीता महोबिया आदि ने दीवार लेखन का कार्य किया

भाजपा दे रही महिलाओ को लाभ तो नकुल- कमलनाथ के पेट में हो रहा दर्दः गरिमा प्रतीक दामोदर

छिंदवाड़ा । भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष श्रीमति गरिमा प्रतीक दामोदर ने सांसद नकुलनाथ के पिछले 4 दिनों से जनता को भड़काने और भ्रम फैलाने वाले भाषणों पर पलटवार करते हुए कहा कि नकुलनाथ पहले खुद के पिताजी से सवाल पूछे कि उन्होंने महिलाओं के लिए कितनी योजनाएं बनाई और उन योजनाओं को अमल में लाया। शिकारपुर स्थित अपने बंगले पर महिलाओ लाईन लगवाकर घंटो इंतजार करवाने के बाद भी नही मिलने वाले पिता पुत्र अब भाजपा पर उंगली उठा रहे है। जिलाध्यक्षा श्रीमति गरिमा प्रतीक दामोदर ने कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली लक्ष्मी योजना के बाद लाडली बहना योजना लागू करके महिलाओं के कल्याण के लिए काम किया तो नकुल कमलनाथ के पेट में दर्द हो रहा है। इन योजनाओं से लाभान्वित महिलाए। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को देवता स्वरूप भाई और मामा मानती है तो कांग्रेसियों को पचता नहीं है। ये जनता में भ्रम फैलाकर कुछ भी अनर्गल बातें करते है। बाकी समय तो ये कहा रहते है कुछ पता नहीं। अब जबकि चुनाव पास आ गए है तो पिछली बार की तरह नई घोषणाएं कर रहे है जो किसान कर्ज माफ़ी और युवाओं के बेरोजगारी भत्ते की तरह कभी पूरी नहीं होने वाली। श्रीमती गरिमा दामोदर ने आगे कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कन्या पर महिलाओं के लिए कन्यादान योजना,लाडली लक्ष्मी योजना,लाडली बहना योजना,महिलाओं को आरक्षण,महिलाओं को रोजगार हेतु ऋण उपलब्ध कराने सहित दर्जनों महिला हितकारी योजनाएं लागू ही नही की बल्कि उनका उचित क्रियान्वयन भी कराया।

15 महीने मुख्यमंत्री रहते कमलनाथ ने छिंदवाड़ा को कुछ नहीं दिया: रमेश दुबे

कमलनाथ 42 वर्षों से छिंदवाड़ा का शोषण कर रहे, कन्हान कॉम्प्लेक्स के 500 करोड़ रूपए का हिसाब दे कमलनाथ

छिंदवाडा । मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ अनर्गल बातें करके छिंदवाड़ा की जनता में भ्रम फैला रहे हैं।अराजकता फैलाने की सोची समझी साजिश के तहत कमलनाथ जहर उगल रहे हैं। कन्हान कॉम्प्लेक्स के नाम पर 500 एडवांस पेमेंट देने के अलावा 15 महीने में मुख्यमंत्री रहते कमलनाथ ने कुछ नहीं किया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान छिंदवाड़ा सहित मध्य प्रदेश की विकास की चिंता कर रहे हैं तो कमलनाथ के पेट में दर्द हो रहा है। छिंदवाड़ा की जनता भाजपा के साथ है। आने वाले चुनाव में छिंदवाड़ा की जनता कमलनाथ का बोरिया बिस्तर बांध कर वापस पहुंचाएगी। उक्त बाते भारतीय जनता पार्टी पूर्व जिला अध्यक्ष और चौरई विधानसभा के पूर्व विधायक पण्डित रमेश दुबे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहीं। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष पण्डित रमेश दुबे ने कहा कि कमलनाथ ने पिछले 40 सालो में ढेरो घोषणाएं की जो आज तक पूरी नहीं की। चाहते तो 15 महीने मुख्यमंत्री रहते कमलनाथ सारी घोषणाएं पूरी कर देते। कमलनाथ ने चौरई में सतपुड़ा सहकारी शक्कर कारखाना खोलने की घोषणा की थी जो आज तक पूरी नहीं हुई ।

दूसरी बार पुनः शक्कर कारखाना खोलने की घोषणा की जो की अभी तक पूरी नहीं हुई। अमरवाड़ा विधानसभा के हर्रई विकासखंड में माचिस का कारखाना खोलने की घोषणा की जो आज तक पूरी नहीं हुई परासिया के जमुनिया पठार एवं धनकशा भूमिगत खदान का भूमिपूजन 2009 एवं 2014 में किया गया लेकिन अभी तक खदान चालू नहीं हुई । बंधान डेम की कमलनाथ ने घोषणा किया था लेकिन 2003 तक नहीं बना, भाजपा सरकार बनने के बाद बनकर तैयार हुआ। सौसर में माचिस कारखाना खोलने की घोषणा की गई थी जो आज तक कारखाना नही बना। मोहगांव में कपास के स्पनिंग मिल की घोषणा 20 वर्ष पूर्व की गई थी लेकिन आज तक वह मिल नहीं है।

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पण्डित रमेश दुबे ने कहा कि कन्हान काम्पलेक्स बांध निर्माण में बिना भूमि के अधिगृहित हुए कमलनाथ द्वारा मुख्यमंत्री रहते हुए अधिकारियों पर दबाव डालकर 500 करोड़ रूपये का एडवांस पेमेंट ठेकेदार को करवाया गया। एडवांस पेमेंट के अलावा 15 महीने सरकार में रहते कमलनाथ ने छिंदवाड़ा की जनता को कुछ नही दिया। किंतु आज तक काम प्रारंभ नहीं हुआ है। कमलनाथ सरकार ने जनजातीय वर्ग के किसानों के साथ छल करते हुए सर्वाधिक नुकसान पहुंचाया एवं इनका शोषण किया है।

राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं का प्रचार रथ के माध्यम से प्रचार-प्रसार

छिन्दवाड़ा । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के मार्गदर्शन में जिले में विशेष प्रचार अभियान के अंतर्गत राज्य शासन की 3 वर्ष की उपलब्धियों और विभिन्न योजनाओं पर केन्द्रित टाटा मैजिक पर निर्मित एक प्रचार रथ द्वारा प्रचार-प्रसार किया जा रहा है । इस प्रचार रथ द्वारा आज जिले की जनपद पंचायत परासिया के 8 ग्रामों में प्रचार-प्रसार किया गया । प्रचार रथ द्वारा ग्राम बिजोरी गुमाई, गाजनडोह, शीलादेही, इकलहरा, भमोड़ी, अंबाड़ा, दरबई और बेलगांव में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना सहित शासन की अन्य योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया गया ।

लड्डू गोपाल के दर्शन करने पहुच रहे भक्तगण

भजन मंडल ने लड्डू गोपाल के भजनों दी प्रस्तुति

छिंदवाड़ा । बैल बाजार पीजी कॉलेज रोड श्री राधे राधे कंपलेक्स में लड्डू गोपाल के आगमन के अवसर पर प्रतिदिन भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है। भजन मंडल द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां दी जा रही है। पुरुष एवं महिला भजन मंडल के द्वारा भगवान श्री कृष्ण की भजनों की प्रस्तुति दी जा रही है। राजू यादव ने बताया कि लड्डू गोपाल का आगमन शुक्रवार को सिवनी से हुआ है। जिनका प्रतिदिन लड्डूगोपाल स्वरूप भगवान श्री कृष्ण सुबह उठाकर उन्हें गुमाया जाता है। मंजन कराकर उन्हें नास्ता कराया जाता है फिर स्नान कराकर भोग लगाया जाता है। दिव्य श्रंगार करके राज सिहासन बैठाकर पूजा अर्चना की गई। शाम को भजन संध्या का आयोजन किया जाता है। प्रसाद वितरण के बाद लड्डू गोपाल को को रात्रि विश्राम के लिये सुलाया जाता है। इस अवसर पर आसपास के लोग बड़ी संख्या में महा आरती में शामिल होकर पुण्य अर्जित कर रहे हैं।आज विधि विधान के साथ विदा किए जाएंगे लड्डू गोपाल को तीन दिवसीय सेवा भाव से भक्ति में लीन रहे यादव परिवार के द्वारा लड्डू गोपाल जी का सोमवार के दिन विधि विधान के साथ विदा किया जाएगा।

पुरानी पेंशन के लिए 16 को होगी संवैधानिक रैली

NMOPS के राष्ट्रीय आह्वान पर देश के 797 जिला मुख्यालय में एक साथ धरना प्रदर्शन

छिंदवाड़ा । नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम के बैनर तले प्रथम नियुक्ति दिनांक से पुरानी पेंशन बहाली की मांग मध्यप्रदेश के साढ़े छह लाख अधिकारी कर्मचारी निरंतर कर रहे हैं पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन के राष्ट्रीय आह्वान पर आगामी 16 अप्रैल को देश के 797 जिला मुख्यालय में संवैधानिक रैली एवं धरना प्रदर्शन कर महामहिम राज्यपाल एवं माननीय मुख्यमंत्री महोदय को नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता के साथ पुरानी पेंशन का ज्ञापन सौंपेंगे।संगठन के जिला समन्वयक ताराचंद भलावी ने बताया कि उक्ताशय की कार्ययोजना हेतु स्थानीय खजरी चौक में जिला स्तरीय बैठक का आयोजन संयुक्त अधिकारी कर्मचारी मोर्चा के जिलाध्यक्ष सतीश गौड़ाने,एनएमओपीएस के जिलाध्यक्ष विनोद डेहरिया जिला प्रभारी अरविंद भट्ट की उपस्थिति में आयोजित की गई उक्त बैठक में 16 अप्रैल को होने वाले कार्यक्रम के आयोजन की रूपरेखा बनाई गई जिसमें कलेक्ट्रेट परिसर के सामने जवाहर ग्राउंड में 12ः00 से 2ः30 बजे तक धरना एवं सभा का आयोजन 2ः30 से 3ः30 तक संवैधानिक रैली एवं 4ः00 बजे माननीय कलेक्टर महोदय के माध्यम से ज्ञापन का प्रस्तुतीकरण किया जावेगा एनएमओपीएस छिंदवाड़ा के मीडिया प्रभारी सत्यभान पटेल एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामजी पाठे ने बताया कि रैली कलेक्ट्रेट परिसर के सामने से अंबेडकर प्रतिमा सत्कार तिराहा से इंदिरा चौराहा होते हुए फव्वारा चौक से अहिंसा चौक होते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचेगी बैठक में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी ने उपस्थित होकर आगामी 16 अप्रैल के संवैधानिक रैली एवं धरना कार्यक्रम के लिए अपना समर्थन दिया जिसमें प्रमुख रुप से अजाक्स संगठन के जिलाध्यक्ष (विद्युत विभाग)के एस.बी.इवनाती, कर्मचारी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष टीनेंद्र ठाकरे, भूशंकर डेहरिया, राज्य कर्मचारी संघ के जिला सचिव रमेश शर्मा,न्याय विभाग के जिला अध्यक्ष जयेश भारद्वाज, दीपक भलावी अपाक्स के जिलाध्यक्ष संजय नरवरे, पशु चिकित्सा विभाग के डॉक्टर सिलेवार,कन्या महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ दिनेश चौधरी, आईटीआई विभाग से राम कुमार डेहरिया,उच्च माध्यमिक शिक्षक संघ से राघवेंद्र वसूले, अजाक्स संघ के संभागीय महासचिव अजय डेहरिया, वन विभाग के जिलाध्यक्ष दयानंद डेहरिया सहित अन्य विभागों के अध्यक्षों ने सरकार से मांग की है कि मध्य प्रदेश के साढ़े छह लाख से अधिक एनपीएस धारी अधिकारी कर्मचारियों को उनके बुढ़ापे की लाठी पुरानी पेंशन का लाभ प्रथम नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता के साथ प्रदान किया जाए नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम जिला इकाई छिंदवाड़ा के पदाधिकारी राजकुमार कावरेती, योगेश दुबे, पुरुषोत्तम सेंडे, रविशंकर शिरशाम, कमलेश चौरासे,शोभाराम अहिरवार, सुखदेव उइके, कालका प्रसाद राज विशेष रूप से उपस्थित रहे।

जलपात्रों का वितरण कर छिन्दवाड़ा को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का लिया संकल्प

अहिंसा प्रेमियों ने लगाई सर्वोदय अहिंसा की पाठशाला

छिंदवाड़ा । नगर के खजरी मार्ग पर स्थित आरकोंन सिटी का खुशनुमा नजारा देखने को मिला जहां बड़ी संख्या में अहिंसा प्रेमी क्षेत्र वासियों ने खेल खेल में सर्वोदय अहिंसा की पाठशाला लगाकर डीएसपी प्रदीप वाल्मिकी के कुशल मार्गदर्शन में विविध अनुष्ठानों में हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ कालोनी के पार्क सहित संम्पूर्ण क्षेत्र में स्वच्छता अभियान से किया गया जिसमें मुख्य अतिथि सर्वोदय अहिंसा के प्रदेश सयोंजक एवं नपानि स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर दीपकराज जैन सहित विशेष अतिथि इंटरनेशनल बॉडी बिल्डर एवं फिट्नेस कोच रविकांत अहरवार, वरिष्ठ पत्रकार अविनाश द्विवेदी, शिक्षक अरविंद भट्ट, समाजे सेवी जितेंद्र फाटिंग, यूथ हॉस्टल सतपुड़ा इकाई छिंदवाड़ा के सचिव हिमांशु जैसवाल के साथ कालोनी अध्यक्ष कृष्णकांत मिश्रा सहित क्षैत्रवासी राजेंद्रसिंह ठाकुर, डॉ. राजेंद्र मिश्रा, डॉ. दिनेश चौधरी, विकास जैन, सप्तऋषि घोष, वैभव दुबे, एस. के. राऊत, गोलू भाई, शमीम भाई, यशराज जैन, श्री देहरवाल, श्री पराशर, श्री डहरिया के साथ बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जीव दया सहित स्वच्छता का लिया संकल्प

कालोनी में स्वच्छता अभियान चलाकर सभी अहिंसा प्रेमियों ने पार्क में जुम्बा सहित विविध खेलों में हिस्सा लेकर यातायात के नियमों का पालन करने, ग्रीष्मकाल में पक्षियों के लिए दाना - पानी रखने एवं छिन्दवाड़ा को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाज सेवी दीपकराज जैन ने कालोनी वासियों को जलपात्रों का वितरण कर सभी से सर्वोदय अहिंसा सहित जियो ओर जीने दो के सिद्धांतों को पालन करने कि विनम्र अपील की।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में मैनिट भोपाल के छात्रों की संस्था तूर्यनाद के सदस्यों के साथ नीम,पीपल,अमरूद,जामुन और करंज के पौधे लगाए।

पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष प्रभात झा इन दिनों प्रवास हैं। खरगोन पहुंचने पर उनका स्थानीय नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। वहां उन्होंने पार्टी की कई बैठकों को संबोधित किया। इसके बाद वे खंडवा पहुंचे। खंडवा में वन मंत्री विजय शाह एवं उनके जनपद उपाध्यक्ष पुत्र सहित अनेक नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह विदिशा, सागर व दमोह जिले के पांच दिवसीय दौरे के दौरान कार्यकर्ताओं से करेंगे सीधा संवाद

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह कांग्रेस संगठन को मजबूती प्रदान करने मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के निर्देश पर मध्यप्रदेश की विधानसभाओं के लगातार दौरे कर रहे हैं। इसी क्रम में वे 10 अप्रैल से विदिशा, सागर व दमोह जिले में पांच दिवसीय सघन दौरे पर रहेंगे। वे 10 अप्रैल को विदिशा जिले के शमशाबाद और कुरवाई विधानसभा क्षेत्र में जिला कांग्रेस कमेटी विदिशा द्वारा आयोजित कार्यकर्ता बैठक में शामिल होंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, 11 अप्रैल को सागर जिले

की बीना व खुरई विधानसभा, 12 अप्रैल को सुरखी व सागर विधानसभा, 13 अप्रैल को नरयावली व रहली विधानसभा क्षेत्रों में जिला व शहर कांग्रेस कमेटी सागर द्वारा विभिन्न स्तरों में आयोजित कांग्रेस संगठन की बैठकों में शामिल होंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह 14 अप्रैल को दमोह जिले के हटा व पथरिया विधानसभा क्षेत्रों में दमोह जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित कांग्रेस संगठन की बैठकों में शामिल होंगे। पूर्व सीएम इन 3 जिलों के 10 विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस के मंडल-सेक्टर अध्यक्षों और उन विधानसभाओं के समस्त कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद स्थापित करेंगे।

चंदुखेड़ी में 13वें सहायक कमांडेंट के 33 प्रशिक्षु के दीक्षांत परेड समारोह आयोजित

भोपाल। आज सशस्त्र सीमा बल अकादमी चंदुखेड़ी में 13वें सहायक कमांडेंट (चिकित्सा अधिकारी) के कुल 33 प्रशिक्षु अधिकारियों के दीक्षांत परेड समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर सशस्त्र सीमा बल महानिदेशक आईपीएस रश्मि शुक्ला ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप में परेड की सलामी ली तथा परेड का निरीक्षण किया।

दीक्षांत समारोह में शामिल प्रशिक्षु अधिकारी भारत के विभिन्न प्रदेशों यथा आन्ध्र प्रदेश, बिहार, हरियाणा, मध्यप्रदेश, पंजाब, तमिलनाडु, राजस्थान, गोवा, केरल, मणिपुर, उत्तर प्रदेश, गुजरात एवं तेलंगाना के निवासी है। प्रशिक्षु अधिकारियों का यह बैच उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त है। 33 में से 32 प्रशिक्षु अधिकारी एमबीबीएस तथा 01 एमबीबीएस एमडी है।

सशस्त्र सीमा बल अकादमी के परेड ग्राउंड में सुसज्जित दीक्षांत परेड द्वारा सर्वप्रथम सोमित जोशी, उप महानिरीक्षक, अकादमी तथा पुनः डॉ. परेश सक्सेना,

भापुसे, महानिरीक्षक (प्रशिक्षण) को भव्य सलामी दी गई। इसके उपरांत मुख्य अतिथि सशस्त्र सीमा बल महानिदेशक आईपीएस रश्मि शुक्ला को सलामी दी गई। मुख्य अतिथि द्वारा परेड का निरीक्षण किया गया। तत्पश्चात् राष्ट्र-ध्वज तथा एस.एस.बी. निशान टोली की उपस्थिति में प्रशिक्षुओं को राष्ट्रसेवा की शपथ अजित सिंह राठौर, कमांडेंट (प्रशिक्षण) द्वारा दिलवाई गई।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि महोदया ने प्रशिक्षुओं के कठिन श्रम व साधना द्वारा अपने प्रशिक्षण को पूर्ण करने की बधाईयाँ दी गई तथा साथ ही उन्होंने प्रशिक्षुओं के अभिभावको / माता-पिता का भी अभिनन्दन किया कि उन्होंने अपने पुत्र-पुत्रियों / परिजनों को राष्ट्र सेवा में समर्पित किया। इसके उपरांत विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षुओं को सम्मानित भी किया। ओवरआल बेस्ट की ट्रॉफी डॉ. कुंदन जायसवाल, बेस्ट इन आउटडोर की ट्रॉफी डॉ. विवेकनाथ तथा बेस्ट इन इंडोर डॉ. एस.एस. रघुराम को मुख्य अतिथि द्वारा प्रदत्त की गई।

स्कूल शिक्षा विभाग ने मूल्यांकन केंद्र से गायब 338 शिक्षकों को नोटिस दिया

भोपाल। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल(माशिमं) की 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा के लिए राजधानी के माडल स्कूल टीटी नगर में बने मूल्यांकन केंद्र में अधिकारियों ने रविवार को औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान सिर्फ साढ़े सात प्रतिशत यानि 28 शिक्षक ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन करते मिलें ।मूल्यांकन केंद्र में अनुपस्थित 338 शिक्षकों को नोटिस जारी किया गया है।मंडल की 10वीं व 12वीं परीक्षा समाप्त हो चुकी है। मूल्यांकन का दूसरा चरण शनिवार से हुआ है।मंडल ने प्रदेश भर में उत्तरपुस्तिकाओं को जांचने का लक्ष्य छह मई तक रखा है।जिससे समय पर परीक्षा परिणाम घोषित किया जा सके, लेकिन सरकारी स्कूल के शिक्षक इस बार उत्तरपुस्तिकाएं जांचने में रूचि नहीं ले रहे है। माशिमं को मई के अंतिम सप्ताह में रिजल्ट घोषित करना है।रविवार को राजधानी के माडल स्कूल टीटी नगर मूल्यांकन केंद्र का संभागीय संयुक्त संचालक अरविंद चोरगढ़े ने औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के समय जिला शिक्षा अधिकारी नितिन सक्सेना एवं योजना अधिकारी मुकेश शर्मा उपस्थित थे।

मूल्यांकन केंद्र पर सरकारी स्कूलों के कुल 366 शिक्षकों को उपस्थित होना था, लेकिन सिर्फ 28 शिक्षक ही उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते मिले।जेडी ने मूल्यांकन कर्ताओं की कम उपस्थिति पर गंभीर असंतोष व्यक्त करते हुए

डीईओ ने निर्देशित किया कि अनुपस्थित शिक्षकों को तत्काल कारण बताओ सूचना पत्र जारी करें। यदि प्राचार्य द्वारा उन्हें कार्यमुक्त नही किया गया है, तो उनके विरुद्ध भी कारण बताओ सूचना पत्र जारी करें।सोमवार को भी यदि सभी शिक्षक उपस्थित नहीं होते, तो उनके विरुद्ध अत्यावश्यक सेवा अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाएगी।सरकारी स्कूलों के साथ मूल्यांकन केंद्र पर निजी स्कूलों के शिक्षकों की ड्यूटी भी मूल्यांकन के लिए लगाई गई है।निजी स्कूलों के 64 शिक्षकों में से सभी शिक्षक मूल्यांकन केंद्र पर उपस्थित मिले।

पूर्व मंत्री जीतू पटवारी के किसानों का गेहूं 3 हजार रुपए क्विंटल खरीदे जाने का पूर्व मंत्री और भाजपा नेता दीपक जोशी ने समर्थन किया। पटवारी ने उनका स्वागत किया है।

नेपानगर में तीसरे दिन भी पुलिस की कार्रवाई जारी

बुरहानपुर। बुरहानपुर जिले के वन परीक्षेत्र नेपानगर के बाकड़ी गांव में सोमवार को तीसरे दिन भी पुलिस की कार्रवाई जारी है। एसपी राहुल लोढा के नेतृत्व में 1000 से ज्यादा पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में वाकडी क्षेत्र के अवैध अतिक्रमण हटाए जा रहे हैं। एसपी के मुताबिक अतिक्रमणकारियों ने वन भूमि पर कब्जा कर यहां भी बड़ी संख्या में मकान और झोपड़े बनाए हैं। उनसे लगी सैकड़ों एकड़ वन भूमि में खेती भी कर रहे हैं। पुलिस प्रशासन इन सभी अतिक्रमण को हटाकर वन भूमि रिक्त कराएगा। इस भूमि पर वन विभाग पौधरोपण कराएगा।

उल्लेखनीय है कि नेपानगर क्षेत्र में अतिक्रमण कारी लंबे समय से सक्रिय थे। वे वन विभाग के साथ ही पुलिस और जिला प्रशासन के लिए भी गले की हड्डी बने हुए थे। प्रशासन पहले बातचीत के माध्यम से अतिक्रमणकारियों को समझाने का प्रयास कर रहा था। कई बार उन्होंने आत्मसमर्पण भी किया लेकिन कुछ समय बाद ही दोबारा जंगल की कटाई में जुट जाते थे। इस बार प्रशासन ने सारा अतिक्रमण साफ करने की बड़ी मुहिम शुरू की है। मौके पर डीआईजी तिलक सिंह और कलेक्टर भव्या मित्तल मौजूद हैं।

भोपाल के हमीदिया अस्पताल में आज माक ड्रिल किया गया। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने माक ड्रिल का अवलोकन किया। साथ हीअस्पताल में कोरोना से संबंधित तैयारियों का निरीक्षण भी किया।

गोकाष्ठ परिवार के संरक्षक रमेश शर्मा, गुड्डू भइया, उपाध्यक्ष रमेश साहवानी, सलाहकार पांडुरंग नामदेव बने

भोपाल। गोकाष्ठ संवर्धन एवं पर्यावरण संरक्षण समिति की कार्यकारिणी बैठक शनिवार को हुई । इस बैठक में समिति के सचिव प्रमोद चुग, उपाध्यक्ष हेमंत अजमेरा, प्रमुख सलाहकार डॉ योगेंद्र सक्सेना वरिष्ठ वैज्ञानिक, सलाहकार अजय दुबे उपस्थित थे । गोकाष्ठ समिति के अध्यक्ष अरुण चौधरी ने पूर्व विधायक,समाजसेवी रमेश शर्मा, गुड्डू भईया का नाम संरक्षक हेतु प्रस्तावित किया । वही समिति के कोषाध्यक्ष मम्तेश शर्मा ने उपाध्यक्ष पद हेतु समाजसेवी रमेश साहवानी और सलाहकार पद हेतु वरिष्ठ समाजसेवी पांडुरंग नामदेव केवाले का नाम प्रस्तावित किया और गोकाष्ठ परिवार के सभी सदस्यों ने ध्वनिमत से तालियां बजाकर अपनी सहमति प्रकट की । सभी सदस्यों ने सामुहिक रूप से यह संकल्प लिया कि हमें अपने जंगलों और गऊ माता के संवर्धन के लिए भोपाल के साथ ही देश भर में जनमानस के बीच गोकाष्ठ की अलख जगानी है और युवा पीढ़ी को इस पर्यावरणीय हितेषी कार्य से जोड़ना है ।

प्रदेश की दूसरी 'वंदे भारत' इंदौर से, तैयारियां तेज

इंदौर। इंदौर के लिए वंदे भारत ट्रेन का इंतजार जल्द ही खत्म हो सकता है। इंदौर से जबलपुर और इंदौर से जयपुर के बीच वंदे भारत ट्रेन चलना प्रस्तावित है, हालांकि मध्यप्रदेश को पहली वंदे भारत ट्रेन मिल चुकी है। पिछले दिनों भोपाल से दिल्ली के बीच ट्रेन का संचालन शुरू हुआ।

संभावना है कि अगले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंदौर-जबलपुर के बीच प्रदेश की दूसरी हाईस्पीड ट्रेन का उद्घाटन जबलपुर से कर सकते हैं। दरअसल, रेलवे बोर्ड से पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मुख्यालय को मिले इशारे के बाद एक बार फिर जबलपुर-इंदौर वंदेभारत ट्रेन को चलाने की तैयारियां तेज हो गई हैं। पिछले दिनों जबलपुर रेल मंडल के अधिकारियों ने जबलपुर स्टेशन का दौरा कर निरीक्षण किया और तैयारियों का जायजा लिया।

इस दौरान डीआरएम विवेक शील के अलावा मंडल के ऑपरेटिंग, इंजीनियरिंग, मैकेनिकल, कमर्शियल विभाग के आला अधिकारी मौजूद थे। वहीं तकनीकी पहलुओं का अध्ययन कर यह तय किया जा रहा है कि किस प्लेटफार्म से ट्रेन को चलाया जाएगा। संभावना जताई है कि वंदे भारत ट्रेन का रैक पश्चिम मध्य रेलवे को इस माह के अंत या मई की शुरुआत में मिल सकता है। उसके बाद इंदौर तक ट्रेन का ट्रायल लेकर तकनीकी पहलुओं की जांच की जाएगी, हालांकि इंदौर में अधिकारियों ने तैयारी पूरी होने की बात कही है। उनका यहां तक कहना है कि जैसे ही रैक मिलेंगे ट्रेन चला दी जाएगी। इंदौर-जबलपुर के बीच ट्रैफिक को लेकर भी अधिकारी आश्वस्त हैं। उनका कहना है कि रूट पर ट्रैफिक को लेकर किया गया सर्वे पॉजिटिव रहा है। बेहतर सुविधा और दिन की ट्रेन होने से ये लोगों को रास आएगी।

भोपाल में तीसरे दिन भी बिगड़ेगा मौसम, बारिश के आसार

नर्मदापुरम, खंडवा-रायसेन में भी हो सकती बूंदाबांदी, बादल भी छाएंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश में पिछले दो दिनों से मौसम बदला हुआ है। रविवार को सागर में तेज बारिश के साथ ओले भी गिरे। भोपाल में हल्की बूंदाबांदी और छिंदवाड़ा में ओले गिरे। बालाघाट में भी एक घंटे तेज बारिश हुई। सोमवार को तीसरे दिन भी भोपाल में बूंदाबांदी होने के आसार है। नर्मदापुरम, खंडवा, बुरहानपुर और रायसेन में भी बूंदाबांदी हो सकती है। बाकी शहरों में सूरज के तेवर तीखे देखने को मिल सकते हैं। अगले दो दिन 11 और 12 अप्रैल को भी प्रदेश में कहीं-कहीं बादल छा सकते हैं। हालांकि, तेज बारिश-आंधी और ओले गिरने की संभावना कम ही है।

भोपाल में सोमवार को दोपहर 3 बजे के बाद बूंदाबांदी हो

सकती है। इससे पहले तापमान 36 से 37 डिग्री के बीच पहुंच सकता है। बूंदाबांदी होने का असर रात के तापमान में देखने को मिल सकता है और पारा 22 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान है। दो दिन मौसम साफ रहेगा। 13 अप्रैल से फिर बादल छाने की संभावना है। ऐसा ही प्रदेश के नर्मदापुरम, बुरहानपुर, रायसेन और खंडवा में भी देखने को मिल सकता है।

मौसम वैज्ञानिक पांडे ने बताया कि सेंट्रल राजस्थान पर चक्रवात एक्टिव है। ट्रफ लाइन भी गुजर रही है। यह महाराष्ट्र के मध्य क्षेत्र से लेकर तमिलनाडु तक गुजर रही है। यही कारण है कि बंगाल की खाड़ी से पर्याप्त मात्रा में नमी प्रदेश में पहुंच रही है। इससे सुबह मौसम साफ रहता है, लेकिन दोपहर बाद बादलों का दौर शुरू होता है और हल्की बूंदाबांदी भी हो जाती है। साथ ही, उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ का सिलसिला जारी है। शनिवार और रविवार को ओले भी गिर चुके हैं। सोमवार को तेज बारिश, आंधी और ओले गिरने की संभावना कम है। हालांकि, बादल छाने और बूंदाबांदी होने के आसार जरूर है।